रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
हमेशा सच के साथ
RNI NO. CHHHIN/2016/70655
www.dailypioneer.com रायपुर, शनिवार 17 अप्रैल 2021 पृष्ठ-12 वर्ष-05, अंक- 235 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

नायडू ने के. सुब्बा राव के निधन पर शोक व्यक्त किया

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट डॉ. के. सुब्बा राव के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री नायडू ने शुक्रवार को सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट फेसबुक पर जारी एक संदेश में उन्होंने डॉ. सुब्बा राव को एक उत्कृष्ट अस्पताल प्रशासक बताया, जो अपनी ईमानदारी, व्यावसायिकता, कड़ी मेहनत और अनुशासन के लिए जाने जाते थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट, डॉ. के. सुब्बा राव गारू के निधन के बारे में जानकर बहुत दुखी हूं। पद्मश्री प्राप्तकर्ता डॉ. सुब्बा राव ने चिकित्सा के क्षेत्र में समृद्ध योगदान दिया।

बंगाल में 72 घंटे पहले खत्म होगा प्रचार

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं, इस बीच कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए चुनाव आयोग ने बाकी तीन चरणों के लिए चुनाव प्रचार के समय में कटौती कर दी है। अब मतदान से 72 घंटे पहले ही चुनाव प्रचार खत्म हो जाएगा। इसके अलावा नए नियमों के तहत निर्वाचन आयोग ने कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण शुक्रवार से शाम सात बजे से सुबह दस बजे तक पश्चिम बंगाल में रैलियों और जनसभाओं पर प्रतिबंध भी लगा दिया है। नए आदेश में कहा गया है कि चुनाव प्रचार के लिए निर्धारित समय को घटाकर शाम 7 बजे तक का कर दिया है, जो पहले रात 10 बजे तक का था।

रुपया 58 पैसे मजबूत

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार में तेजी बने रहने के साथ ही दुनिया की प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के कमजोर पड़ने से आज अंतर बैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 58 पैसे मजबूत होकर 74.35 रुपए प्रति डॉलर पर रहा। रुपया पिछले दिवस 74.93 रुपए प्रति डॉलर पर रहा था। अंतर बैंकिंग मुद्रा बाजार में आज रुपया 17 पैसे की मजबूती लेकर 74.76 रुपए प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका निचला स्तर भी रहा। सत्र के दौरान रुपया 74.28 रुपए प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर तक चढ़ा। अंत में रुपया पिछले दिवस की तुलना में 58 पैसे की मजबूती लेकर 74.35 प्रति डॉलर पर रहा।

राज्य सरकार ने केन्द्र से 285 वेन्टिलेटर शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग की

मुख्यमंत्री के निर्देश पर ऑक्सीजन गैस सिलेंडर आपूर्ति एवं समन्वय हेतु डॉ तम्बोली को बनाया गया नोडल अधिकारी

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ में कोविड-19 के मद्देनजर केन्द्र सरकार से 285 वेन्टिलेटर जल्द से जल्द उपलब्ध कराने की मांग की है। राज्य की अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण रेणु जी पिल्ले द्वारा 12 अप्रैल को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय केन्द्र सरकार के सचिव को पत्र भेजा गया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि छत्तीसगढ़ को भारत सरकार से पिछले वर्ष 230 वेन्टिलेटर प्राप्त हुए थे। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में ऑक्सीजनयुक्त बेड और आईसीयू की सुविधावृद्धि के लिए समुचित उपाय किए जा रहे है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ने पत्र में उल्लेख किया है कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में कोविड-19 के अपेक्षित मामलों की अनुमानित संख्या को देखते हुए अप्रैल 2021 के अंत में प्रत्येक कोविड अस्पताल में वेन्टिलेटर की आवश्यकता का आकलन किया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए वर्तमान में राज्य में 285 वेन्टिलेटर की अतिरिक्त आवश्यकता है। इसे जल्द से जल्द उपलब्ध कराने की मांग की गई है। तो वही राज्य सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण के प्रयास युद्धस्तर पर जारी हैं। प्रदेश में ऑक्सीजन पर्याप्त मात्रा में मौजूद है। जरूरतमंद मरीजों तक ऑक्सीजन गैस सिलेंडर की सप्लाई निर्बाध रूप से जारी रहे, इस दिशा में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर राज्य शासन द्वारा आई.ए.एस. डॉ तम्बोली अय्याज फकीरभाई को राज्य नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। वे प्रदेश में ऑक्सीजन गैस सिलेंडर आपूर्ति एवं समन्वय स्थापित करने का कार्य करेंगे ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को सुचारू रूप से जारी रखा जा सके और प्रदेश भर के जरूरतमंद मरीजों तक समय पर ऑक्सिजन गैस सिलेंडर पहुंचाए जा सकें। डॉ तम्बोली अय्याज फकीरभाई आयुक्त छ. ग. गृह निर्माण मण्डल तथा अतिरिक्त प्रभार मुख्य कार्यपालन अधिकारी, रायपुर विकास प्राधिकरण एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के अपने वर्तमान कर्तव्यों के साथ ऑक्सीजन गैस सिलेंडर आपूर्ति एवं समन्वय हेतु राज्य नोडल अधिकारी का कार्यभार देखेंगे।

रेमडेसिविर के प्रभाव के संबंध में कोई प्रमाण नहीं : विशेषज्ञ

डॉ भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय के क्रिटिकल केयर विषेषज्ञ डॉ ओ पी सुंदरानी ने कहा कि हर कोविड पॉजिटिव मरीज को रेमडेसिविर इंजेक्शन की आवश्यकता नहीं होती है । इस से केवल मॉडरेटली सीवियर और सीवीयर कोविड मरीजों को लाभ हो सकता है-पर यह भी दावे से नही कह सकते कि रेमडेसिविर लगाने से मरीज ठीक ही हो जाएगा या नही लगेगा तो ठीक नही होगा । ऐसा किसी रिसर्च में प्रमाणित नही हुआ है। बिना रेमडेसिविर के भी बहुत मरीज़ ठीक होते हैं और रेमडेसिविर लगा कर भी कई मरीज ठीक नही हो पाते हैं। इसलिए इस इंजेक्शन को लेकर ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। इस दवाई से कुछ मरीजों में रिकवरी तेज हो जाती है यह पता चला है- पर ऐसा कुछ ही मरीज़ों में हुआ है। उन्होने कहा कि मरीज अपनी मर्जी से यह इंजेक्शन न लगाएं,यह चिकित्सक के ऊपर छोड़ दें, जो उन्हे बेहतर इलाज लगेगा वे करेंगे। डॉ प्रणीत फटाले -सब रिजनल टीम लीडर विश्व स्वास्थ्य संगठन -एन पी एस पी का कहना है कि रेमडेसिविर इंजेक्शन का उपयोग कोविड 19 के मरीजों पर कितना प्रभावी होता है और किन मरीजों पर इसका असर सकारात्मक होता है, इसका कोई प्रमाण नही मिला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा कराए गए परीक्षण में यह पाया गया कि इस इंजेक्शन के उपयोग से मरीजों की मृत्यु दर,मेकेनिकल वेंटीलेशन ,क्लिनिकल सुधार ,अस्पताल में रूकने की अवधि आदि पर भी कोई महत्वपूर्ण परिणाम नही दिखा है। उपलब्ध डाटा के आधार पर यह नही कहा जा सकता कि यह मरीज की संपूर्ण स्थिति में सुधार लाता है। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में छपी एक स्टडी अनुसार कोविड-19 के उपचारों के सम्बंध में किए गए सबसे बड़े ट्रायल में भी रेमडेसिविर से बीमारी के दौरान या मृत्यु पर कोई परिमेय प्रभाव देखने को नहीं मिला है। केन्द्र शासन ने भी हाल ही में इस दवाई के अंधाधुध उपयोग पर चिंता जताई और कहा कि डॉक्टरों को इसका उपयोग नैशनल कोविड प्रोटोकाल के अनुसार एवं केवल आक्सीजन सपोर्ट वाले मरीजों पर सोच-समझ कर करना चाहिए। यह एक इंवेस्टिगेशनल दवाई है।

पीएम मोदी ने ऑक्सीजन की उपलब्धता की समीक्षा की

वार्ता ∢ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में ऑक्सीजन टैंकरों का निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करने को कहा है जिसे देखते हुए एक से दूसरे राज्य में जाने वाले ऑक्सीजन टैंकरों को परमिट में छूट दी गयी है। श्री मोदी ने देश में कोरोना महामारी के बढते प्रकोप के बीच ऑक्सीजन की बढती मांग को देखते हुए ऑक्सीजन की उपलब्धता की स्थिति की शुक्रवार को समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि राज्यों और ट्रांसपोर्टरों से कहा गया है कि टैंकर चौबीस घंटे चलाये जाने चाहिए जिससे कि समय पर हर जगह ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। यह ध्यान में रखने को कहा गया है कि ड्राइवरों से शिफ्ट में काम कराया जाये जिससे उनपर बोझ न बढे। सिलेंडर फिलिंग प्लांट में भी जरूरी एहतियाती उपायों के साथ दिन रात काम होना चाहिए। सरकार औद्योगिक सिलेंडरों का मेडिकल ऑक्सीजन के लिए इस्तेमाल करने की अनुमति भी दे रही है। इसी तरह नाइट्रोजन टैंकरों को भी ऑक्सीजन टैंकरों में बदला जा रहा है जिससे ऑक्सीजन की कमी को पूरा किया जा सके। प्रधानमंत्री को मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन के आयात की कोशिशों से भी अवगत कराया गया। समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य, सड़क परिवहन और इस्पात तथा अन्य मंत्रालयों के अधिकारियों से भी सुझाव लिये गये। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि सभी संबंधित मंत्रालयों और राज्य सरकारों के बीच तालमेल बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने ऑक्सीजन आपूर्ति की मौजूदा स्थिति और सबसे अधिक प्रभावित 12 राज्यों में आने वाले 15 दिनों की जरूरत की समीक्षा की । इन राज्यों में महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान शामिल हैं। प्रधानमंत्री को इन सभी राज्यों में जिलावार ऑक्सीजन आपूर्ति की स्थिति से अवगत कराया गया। प्रधानमंत्री को बताया गया कि राज्यों और केन्द्र सरकार के बीच नियमित संपर्क बना हुआ है और 20, 25 और 30 अप्रैल के लिए अनुमान के आधार पर ऑक्सीजन की जरूरत के आंकडे साझा किये गये हैं। इनके आधार पर इन 12 राज्यों को 20, 25 और 30 अप्रैल के लिए क्रमश 4880, 5619 और 6593 टन गैस का आंवटन किया गया है। उन्हें ऑक्सीजन की बढती मांग के मद्देनजर देश में उत्पादन क्षमता के बारे में भी जानकारी दी गयी।

कोरोना की लड़ाई में सरकार की कोई रणनीति नहीं : राहुल,प्रियंका

वार्ता ∢ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि सरकार की कोरोना वायरस के खिलाफ कोई रणनीति नहीं है और लोगों को खुद ही इस महामारी से अपना बचाव करना है। श्री गांधी ने कहा कि केंद्र सरकार की कोविड रणनीति स्टेज1-तुगलकी लॉकडाउन लगाओ। स्टेज 2-घंटी बजाओ। स्टेज 3- प्रभु के गुण गाओ। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि प्यारे देशवासियों,ये हम सबके लिए बहुत संकट का समय है। हम सबके प्रियजन, परिजन, आस-पास के लोग कोरोना महामारी के चपेट में आ रहे हैं। आप सब से निवेदन है कि मास्क लगाएं एवं कोविड सुरक्षा संबंधी सभी निर्देशों का पालन करें। सावधानी एवं संवेदना के साथ हमें मिलकर इस जंग को जीतना होगा।

हर्षवर्धन ने कोविड की समीक्षा बैठक की

वार्ता ∢ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन ने शुक्रवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दौरा किया और राजधानी में हाल में कोविड मामलों में वृद्धि को देखते हुए तैयारियों की समीक्षा की। डॉ हर्षवर्धन ने एम्स के जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (जेपीएनएटीसी) में मरीजों का हालचाल भी पूछा। उन्होंने मरीजों को बेहतरीन देखभाल का आश्वासन दिया। उन्होंने कोविड और गैर-कोविड चिकित्सा में लगे विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ सामान्य/आईसीयू वार्डों में बेड/ऑक्सीजन युक्त बेड की उपलब्धता पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। बैठक में अपने वर्तमान कर्तव्यों को पूरा करने में विभाग प्रमुखों और उनके सहयोगियों के सामने आने वाली कठिनाइयों पर भी गौर किया गया। कोरोना योद्धाओं के योगदान की प्रशंसा करते हुए डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि संक्रामक बीमारी के आधार के साथ आगे का कार्य तुलनात्मक रूप से आसान होगा। उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकर खुशी है कि हमारे योद्धा न केवल जागरुक हैं बल्कि वर्तमान स्थिति से चिंतित भी हैं। मैं वर्तमान स्थिति पर चर्चा करने के लिए यहां आया हूं और भविष्य का परिदृश्य क्या हो सकता है ताकि हम पिछले साल की तरह अति-सक्रिय, सबसे पहले और क्रमिक प्रतिक्रिया अपना सकें। ऐसा नहीं है कि हमने 2020 में समस्याओं का सामना नहीं किया है, लेकिन, 2021 में, हमारे पास पिछले वर्ष की तुलना में बीमारी के बारे में अधिक ज्ञान और समझ एवं अधिक अनुभव है। पिछले साल, आपने न केवल यहां के मरीजों की बल्कि पूरे देश में साथी डॉक्टरों की टेलीकंस्लटेशन के माध्यम से मदद की। उन्होंने कहा कि मुझे पांच अप्रैल 2020 को हमारी स्थिति याद है, जब हमारे पास पीपीई किट, वेंटिलेटर और एन-95 मास्क नहीं थे। स्वास्थ्य ढांचे की कथित कमी के लिए दुनिया भर में हमारी अनुचित आलोचना हुई। बुनियादी ढांचे और उत्पादन क्षमताओं के महत्वपूर्ण विस्तार के साथ, हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। हमने वायरस को तब हराया जब हमें इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी और अपने एक साल के अनुभव से इसे दोबारा हरा सकते हैं।

घुसपैठियों ने युवाओं की नौकरियां छीन लीं, गरीबों का अनाज चुरा लिया : शाह

एजेंसी ∢ तेहट्टा
www.dailypioneer.com

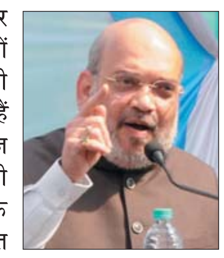

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि घुसपैठियों ने युवाओं की नौकरियां छीन ली हैं और गरीबों का अनाज चोरी कर लिया है। श्री शाह ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यदि बंगाल में घुसपैठ की स्थिति बनी रहती है, तो मेरा विश्वास कीजिए, यह न केवल बंगाल बल्कि पूरे देश के लिए खतरा पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनते ही नमशूद्र और ऐसे सभी समुदायों को सीएए के तहत नागरिकता दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि दीदी मटुआ, नमशूद्र को नागरिकता देने की अनिच्छुक हैं क्योंकि उनका वोट बैंक ऐसा नहीं चाहता लेकिन भाजपा उन्हें नागरिकता प्रदान करेगी। भाजपा नेता ने कहा कि जो लोग 70 साल से यहां रह रहे हैं, वे अपने ही देश में एक शरणार्थी का जीवन जी रहे हैं, भाजपा उन्हें नागरिकता देगी। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में नागरिकता पाने वाले शरणार्थियों के लिए 100 करोड़ रुपये का कोष बनाया जाएगा। श्री शाह ने राहुल गांधी को 'पर्यटक राजनीतिज्ञ' करार देते हुए कहा कि भाजपा का डीएनए 'विकास, राष्ट्रवाद और आत्मनिर्भर भारत' है। उन्होंने कहा कि राहुल बाबा ने भाजपा के डीएनए के बारे में पूछा है। मैं उन्हें सूचित करना चाहता हूं - डी - डेवलपमेंट, एन - नेशनलिज्म, ए - आत्मनिर्भर भारत, यही भाजपा का डीएनए है। गृह मंत्री ने कहा कि मैं आज आप सभी को बंगाल के नव वर्ष की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन के मद्देनजर जनसुविधा की दृष्टि से कलेक्टरों को दिए कई निर्देश

कोरोना पीड़ितों के इलाज के लिए रिटायर्ड एवं निजी चिकित्सकों, नर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ की ली जा सकेंगी संविदा दर पर सेवाएं

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

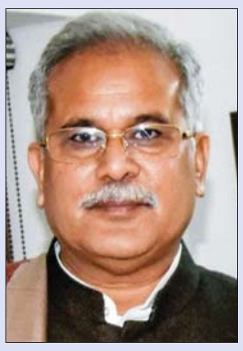

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य में कोरोना संक्रमण की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिलों में स्थापित डेडिकेटेड हॉस्पिटल, कोविड केयर सेंटर में मानव संसाधन की आपूर्ति के लिए सेवानिवृत्त चिकित्सकों सहित प्राईवेट चिकित्सकों, नर्स तथा पैरामेडिकल स्टाफ की आवश्यकता संविदा भर्ती के निर्देश दिए हैं। यह संविदा भर्ती तीन माह अथवा अधिकतम कोविड संक्रमण अवधि तक के लिए होगी। नियुक्त चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ को संविदा दर के अनुसार मानदेय का भुगतान डीएमएफ फंड से किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थिति को देखते हुए कई जिलों में जारी लॉकडाउन की अवधि में जन सुविधा के मद्देनजर कलेक्टरों को अत्यावश्यक सेवाओं सहित फल, सब्जी, दूध, रसोई गैस की डोर-टू-डोर डिलिवरी की अनुमति एवं इसके लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन अवधि में पेट्रोल पम्प, दवाई दुकान, रसोई गैस एजेंसी, हॉस्पिटल एवं पशुओं के आहार से संबंधित दुकानों को खोलने की अनुमति देने को कहा है। उन्होंने गांवों में सब्जी एवं फल की खेती करने वाले किसानों को यदि वह शहर आकर कालोनियों एवं मोहल्लों में डोर-टू-डोर सब्जी-फल बेचना चाहते हैं तो उन्हें भी इसकी अनुमति दिए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राज्य के राशन दुकानों को खोलने तथा उपभोक्ताओं को टोकन आधार पर खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करने को कहा है। राशन दुकान संचालकों द्वारा उपभोक्ताओं को इसके लिए पूर्व में टोकन दिया जाना होगा। प्रतिदिन अधिकतम 50 से 80 उपभोक्ताओं को टोकन के आधार पर राशन उपलब्ध कराने को कहा गया है। उन्होंने कलेक्टरों को जिला खाद्य अधिकारियों के माध्यम से उक्ताशय की सूचना जिले के समस्त उचित मूल्य दुकान के संचालकों को देने और इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को दिए गए अपने निर्देश में इस बात का स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि लॉकडाउन की अवधि में कोई भी सब्जी एवं फल की दुकान नहीं खुलेगी। सब्जी-फल उत्पादक किसानों से सीधे सब्जी-भाजी, फल क्रय कर स्ट्रीट वेन्डर उन्हें कालोनियों, गली-मोहल्लों में घर-घर जाकर बेच सकेंगे। लॉकडाउन के अवधि में बैंक खोलने की अनुमति सिर्फ इस शर्त पर दी गई है कि बैंक के अधिकारी-कर्मचारी बैंकिंग सेवा से संबंधित कार्यों का निष्पादन कर सकेंगे। यहां बैंक पब्लिक डिलिंग की अनुमति नहीं होगी। एटीएम को चौबीसों घंटे क्रियाशील रखने के लिए बैंक से राशि निकालकर एटीएम में फीड की जा सकेगी।

केंद्रीय मंत्रालय अपने अस्पताल कोविड केयर के लिए दें : स्वास्थ्य मंत्रालय

एजेंसी ∢ नई दिल्ली
www.dailypioneer.com

देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी केन्द्रीय मंत्रालयों को सलाह दी है कि उनके नियंत्रण या सार्वजनिक उपक्रम के अस्पतालों को कोविड केयर के लिए समर्पित करें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अस्पतालों के भीतर ही विशिष्ट समर्पित अस्पताल वार्ड या अलग ब्लॉक स्थापित करे, जैसा कि पिछले वर्ष किया गया था। इन अस्पतालों में कोविड-19 मामलों के प्रबंधन के लिए अलग प्रवेश तथा प्रस्थान द्वार होना चाहिए, जिससे कि कोविड-19 के पुष्ट मामलों के लिए विशेष देखभाल सहित उपचार सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इसके अतिरिक्त इन समर्पित अस्पताल वार्डों या ब्लॉकों में समर्पित स्वास्थ्य कार्य बल के साथ-साथ ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड, आईसीयू बेड, वंटिलेटर तथा स्पेशलाइज्ड क्रिटिकल केयर यूनिट (जहां उपलब्ध हो), प्रयोगशाला सेवाएं, इमेजिंग सर्विसेज, किचन, लॉन्ड्री आदि सहित सभी सपोर्टिव तथा एनसिलरी सेवाएं उपलब्ध कराने की भी सुविधा हो। केन्द्रीय मंत्रालयों को लिखे एक पत्र में स्वास्थ्य सचिव ने दोहराया कि देशभर में कोविड मामलों में आई तेजी की वर्तमान स्थिति के लिए उसी प्रकार के सहयोगात्मक कदमों की आवश्यकता है, जैसे पिछले वर्ष सभी केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों और उनके पीएसयू तथा उनके नियंत्रण में आने वाले अस्पतालों ने उठाए थे। आम जनता द्वारा इन अस्पताल में आवश्यक उपचार का लाभ उठाने के लिए, केन्द्रीय मंत्रालयों को यह भी सुझाव दिया गया है कि राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों के संबंधित स्वास्थ्य विभागों तथा राज्यों/जिलों जहां भी ये अस्पताल स्थित हों, के जिला स्वास्थ्य प्रशासन के साथ समुचित समन्वयन से ऐसे समर्पित अस्पताल वार्डों/ब्लॉकों के विवरण आम लोगों को उपलब्ध कराए जाएं। सुझाव दिया गया है कि इस उद्देश्य के लिए संबंधित राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के साथ आवश्यक समन्वयन के लिए मंत्रालय से एक नोडल अधिकारी का नामांकन किया जाए और उनका संपर्क विवरण संबंधित राज्यों के साथ-साथ केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ भी साझा किया जाए। देशभर में कई राज्य और केन्द्रशासित प्रदेश कोविड-19 के मामलों और उससे होने वाली मौतों में पिछले कुछ सप्ताहों से बढ़ोतरी दर्ज करा रहे हैं।

कौन भाजपा शासित राज्य कोरोना में कर रहा छत्तीसगढ़ से बेहतर काम : सीएम बघेल

रमन ने अस्पताल में बेड ऑक्सीजन को लेकर किया था सवाल, जिसका दिया जवाब

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमित लोगों के लिए अस्पतालों में बेड की कमी, ऑक्सीजन के लिए परेशान लोगों और मौत के बाद लाश को जलाने की बदइंतजामी के बीच सियासत गर्म है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने बेड और दवा को लेकर सवाल किया तो मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक-एक सवालों का जवाब दिया। सीएम बघेल ने कहा कि कोरोना संकट से जूझने के हर संभव उपाय किए जा रहे हैं। जांच और वैक्सीनेशन में छत्तीसगढ़ सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों में से एक है। अगर हमें पर्याप्त संख्या में वैक्सीन एक सप्ताह पहले ही मिल जाए तो हम और बेहतर कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने पहले ताली-थाली बजवाई, मोमबत्ती जलाई, पटाखे फोड़े और अब वे गाल बजा रहे हैं।

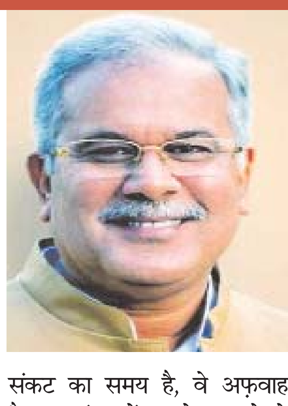

संकट का समय है, वे अफ़वाह फैलाना बंद करें। आरोप लगाने से पहले आंकड़े देकर बताएं कि कौन सा भाजपा शासित राज्य छत्तीसगढ़ से बेहतर कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश से अपील की थी कि टीका उत्सव मनाया जाए। थाली-ताली बजाने वाले लोग टीका उत्सव के लिए नहीं निकले। सर्वदलीय बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष तक नहीं आए। भाजपा के लोगों ने अब मोदी की बात मानना बंद कर दिया है।

रमन के ट्वीट पर कांग्रेस नेता हुए आक्रामक

कांग्रेस विधायक चंदन कश्यप ने कहा, कुछ अच्छा हो जाए तो कोरोना हराने का मोदी मंत्र। प्रधानमंत्री ने किया वैक्सीन प्रोग्राम का उद्घाटन, मोदी से डरा कोरोना। और स्थिति बिगड़ जाए तो राज्यों ने खराब कर दिया, हेल्थ मिनिस्टर करेंगें प्रेस कॉन्फ्रेंस और लोग जिम्मेदार है, प्रधानमंत्री चुप। कांग्रेस प्रवक्त ा धनंजय सिंह ने कहा, ससुर दमाद मिलकर 15 साल में स्वास्थ्य व्यवस्था को गिरवी रख दिया। डीकेएस को आपके दमाद ने नोच नोच कर खाया, गिरवी रख दिया। ससुर दमाद की कमीशनखोरी छत्तीसगढ़ पर भारी पड़ रही है।

15 साल सत्ता में रहने पर कितने अस्पताल बनवाए

कांग्रेस नेता रिया साहू ने कहा, अगर इतना ही शौक है कोसने का तो केंद्र सरकार को कोसो वो कौन सा झंडा गाड़ दिए हैं। उनको तो अभी भी सिर्फ चुनाव सत्ता से मतलब है। इंसानों की जान की कोई कीमत नहीं है। अच्छा हुआ छत्तीसगढ़ के जनता ने आपको धक्के मार के निकाला।

इससे पहले रमन ने ट्वीट किया था- छत्तीसगढ़ के निवासियों को न अस्पताल, न ऑक्सीजन, न वेंटिलेटर, न शव वाहन। असम के प्रत्याशियों को एसी रेस्ट हाउस, बकरा-भात, चखना-शराब, लग्जरी गाड़ियां। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इस संकट के समय में भी स्वास्थ्य सुविधाओं को छोड़कर असम के नेताओं के ऐशोआराम की व्यवस्था में लगे हैं। शर्मनाक!

स्वास्थ्य, बिजली, पानी और सुरक्षा सेवाओं पर एस्मा लागू

प्रदेश में आवश्यक सेवा संधारण और विच्छिन्नता निवारण कानून लागू कर दिया गया है। यह कानून स्वास्थ्य, स्वच्छता, बिजली, जल आपूर्ति और सुरक्षा सेवा में लगे कर्मचारियों पर लागू होगा। इसके बाद सरकारी आदेश की नाफरमानी अथवा कार्य बहिष्कार जैसी स्थितियों में जेल भी हो सकती है। गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू ने बताया, मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए श्स्रूका आदेश जारी कर दिया गया है। इसके उल्लंघन पर कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी। गृह विभाग के संयुक्त सचिव एन.डी. कुंदानी की ओर से जारी आदेश में विभाग ने 10 सेवाओं पर एस्मा के प्रावधान लागू किये हैं। उन सेवाओं में समस्त स्वास्थ्य सुविधाएं, डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्य कर्मी, स्वास्थ्य संस्थानों के सफाई कर्मी, मेडिकल उपकरणों की बिक्री, संधारण और परिवहन में लगे हुये लोग, दवाओं की बिक्री, संधारण और परिवहन में लगे हुये लोग और एम्बुलेंस सेवा प्रमुख है।

स्वास्थ्य विभाग लापरवाही, 15 दिनों में नहीं मिली जांच रिपोर्ट

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना जांच केंद्रों में टेस्ट कराने पहुंच रहे मरीजों को जांच रिपोर्ट देने में स्वास्थ्य विभाग लापरवाही बरत रहा है। चंगोराभाठा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंगोरा निवासी एक मरीज ने आरटीपीसीआर जांच कराई उसकी जांच रिपोर्ट 15 दिन बाद भी नहीं मिल पाई। परेशान मरीज ने जोन कमिश्नर को शिकायत कर अपनी रिपोर्ट जल्द दिलवाने का आग्रह किया। स्वास्थ्य विभाग की लेटलतीफी से जोन स्तर के अधिकारी भी हैरान हैं क्योंकि रिपोर्ट समय पर नहीं मिलने पर संबंधित लोग सीधे जोन कमिश्नर के पास अपनी फरियाद दर्ज कराने पहुंच रहे हैं। कालीबाड़ी में सड़क तक लगी जांच के लिए कतार कालीबाड़ी चौक स्थित जिला टीबी अस्पताल परिसर में कोरोना जांच के लिए शहरभर के अलग-अलग इलाकों से लोग अपने परिजन को साथ लेकर जांच कराने पहुंच रहे हैं। गुरुवार को हास्पिटल कैंपस से लेकर मुख्य सड़क तक कोरोना जांच कराने वालों की लंबी लाइन लगी रही। धूप में घंटों पारी का इंतजार करते लोगों को इस दौरान परेशान होते देखा गया। महिला एवं पुरुष मरीजों के लिए अलग-अलग लाइन लगवाई गई। रामनगर में रैपिड टेस्ट के लिए लंबी कतार, जांच के लिए किट मात्र 15 से 20 संत रामदास वार्ड के रामनगर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में वार्डवासियों के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा कोरोना जांच के लिए एंटीजन रेपिड टेस्ट की सुविधा प्रदान की गई है। इसके लिए सुबह 9 बजे से सैकड़ों की संख्या में लोग लाइन लगाकर अपना टेस्ट कराने पहुंच रहे हैं पर घंटों इंतजार के बाद मुश्किल से 15 से 25 मरीजों का ही रेपिड टेस्ट एक दिन में हो पा रहा है। बाकी लोगों को लाइन में लगने के बावजूद टेस्ट किट खत्म होने का हवाला देकर बैरंग लौटाया जा रहा है। इससे लोगों में भारी नाराजगी व्याप्त है। वार्ड पार्षद भोला साहू का कहना है कि 150 से 200 लोग यहां रेपिड टेस्ट के लिए रोज आ रहे हैं पर स्वास्थ्य विभाग मात्र 15 से 25 किट लेकर टेस्ट कराने स्टाफ भेजता है जो कि बहुत कम है। इस संबंध में सीएमएचओ को कई बार शिकायत की पर समस्या जस के तस है। गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा पार्षदों की वर्चुअल बैठक के दौरान भी पार्षद भोला साहू ने डॉ. मीरा बघेल और आला अधिकारियों के सामने रामनगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में किट की कमी को लेकर जमकर नाराजगी जताई।

सरकार ने कहा- छत्तीसगढ़ में ऑक्सीजन की कोई कमी नहीं

वर्तमान में ऑक्सीजन सपोर्ट वाले मरीजों को जरूरत पड़ रही है 110.30 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की, जबकि छत्तीसगढ़ में रोजाना हो रहा है कुल 386.92 मीट्रिक टन ऑक्सीजन गैस का उत्पादन

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य में कोरोना संक्रमित एवं अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए ऑक्सीजन गैस की कोई कमी नहीं है। 15 अप्रैल की स्थिति में राज्य में प्रतिदिन 386.92 मीट्रिक टन ऑक्सीजन गैस का उत्पादन राज्य में हो रहा है, जबकि वर्तमान में ऑक्सीजन सपोर्ट वाले 5 हजार 898 मरीजों के लिए प्रतिदिन 110.30 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की ही जरूरत पड़ रही है।

राज्य के सभी शासकीय एवं निजी चिकित्सालयों में डिमांड के अनुरूप ऑक्सीजन गैस की निरंतर आपूर्ति की जा रही है। कोविड-19 मरीजों के लिए स्थापित कोविड डेडिकेटेड हॉस्पिटल, कोविड केयर सेंटर्स में ऑक्सीजन प्लांट जम्बो ऑक्सीजन सेलेण्डर एवं ऑक्सीजन कंसनटेव्टर के द्वारा मरीजों को ऑक्सीजन की निरंतर उपलब्ध कराई जा रही है। कोरोना पीडित मरीजों की मृत्यु गंभीर संक्रमण एवं बीमारी की वजह से हो रही है। ऑक्सीजन की कमी की वजह से मरीजों की मृत्यु की बात बिल्कुल भ्रामक है।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में बीते 14 मार्च से ऑक्सीजन सपोर्ट वाले मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि होने से ऑक्सीजन खपत भी बढ़ी है। 14 मार्च की स्थिति में राज्य में

ऑक्सीजन सपोर्ट वाले मात्र 197 मरीजों के लिए 3.68 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आवश्यकता थी, जो आज 15 अप्रैल की स्थिति में बढ़कर 110.30 मीट्रिक टन हो गई है। 15 अप्रैल की स्थिति में ऑक्सीजन सपोर्ट वाले मरीजों की संख्या 5 हजार 898 है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में पी.एस.ए. ऑक्सीजन जनरेटर प्लांट की संख्या कुल 27 है, इनके द्वारा रोजाना 176.92 मीट्रिक टन ऑक्सीजन गैस का उत्पादन किया जा रहा है। इसके अलावा राज्य के दो लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन मैन्युफेक्चर्स द्वारा रोजाना 210 मीट्रिक टन एयर डेस्टीलेशन युनिट और पी.एस.ए. ऑक्सीजन जनरेट किया जा रहा है। इस प्रकार राज्य में कुल 29 प्लांट द्वारा 386.92 मीट्रिक टन ऑक्सीजन का प्रोडक्शन किया जा रहा है, जबकि वर्तमान में मात्र 110.30 मीट्रिक टन ऑक्सीजन गैस का ही उपयोग ऑक्सीजन सपोर्ट वाले मरीजों के लिए हो रहा है। निर्माता मेसर्स लूपिन गैस उरला द्वारा प्रतिदिन 9.32 मीट्रिक टन, मेसर्स स्टील अथॉरिटी आफ इंडिया लिमिटेड भिलाई स्टील प्लांट द्वारा 15 मीट्रिक टन, मेसर्स पी.एस गैस कुरांडी जगदलपुर द्वारा 2.8 मीट्रिक टन, मेसर्स विद्या गैस इंडस्ट्रिज सूरजपुर द्वारा 5.45 मीट्रिक टन, मेसर्स सर्वमंगला गैस रजगामर रोड कोरबा द्वारा 5 मीट्रिक टन, मेसर्स अतुल ऑक्सीजन कम्पनी रसमड़ा दुर्ग द्वारा 7.8 मीट्रिक टन, मेसर्स अतुल ऑक्सीजन कम्पनी नंदनी रोड भिलाई द्वारा 7.8 मीट्रिक टन, मेसर्स सिद्धि विनायक रायगढ़, मेसर्स सतुरू ऑक्सीजन कम्पनी बिलासपुर द्वारा 5-5 मीट्रिक टन, मेसर्स जीपी गैसेस जगदलपुर, मेसर्स जीएनएस गैसेस, मेसर्स श्री कृष्णा ऑक्सीजन उरला रायपुर एवं श्री रायपुर सीमेंट प्लांट सिमगा बलौदाबाजार, श्री बालाजी एयर प्रोडक्ट कोरबा द्वारा 1-1 मीट्रिक टन, मेसर्स ऋषि गैसेस द्वारा 2.95 मीट्रिक टन, मेसर्स श्री बालाजी गैसेस रजगामार रोड कोरबा, मेसर्स रामा गैसेस सोमनी राजनांदगांव तथा मेसर्स श्री बालाजी गैसेस सिरगिट्टी बिलासपुर द्वारा 2-2 मीट्रिक टन, मेसर्स विंध्याचल ऑक्सीजन गिरवानी रोड रायगढ़ द्वारा 5.4 मीट्रिक टन, मेसर्स गोदावरी पावर एण्ड इस्पात लिमिटेड रायपुर द्वारा 3.12 मीट्रिक टन, मेसर्स अमृत मेटल एण्ड गैसेस उरला रायपुर द्वारा 1.09 मीट्रिक टन, मेसर्स पंकज ऑक्सीजन लिमिटेड उरला रायपुर द्वारा 6.23 मीट्रिक टन, मेसर्स बजरंग पावर एण्ड इस्पात लिमिटेड तंडवा तिल्दा द्वारा 13.65 मीट्रिक टन, मेसर्स रायपुर कार्बोनिक्स उरला रायपुर द्वारा 3.64 मीट्रिक टन, मेसर्स महामाया स्टील सरोरा रायपुर द्वारा 1.87 मीट्रिक टन, मेसर्स नहाटा मेटल एण्ड एयर प्रोडक्ट द्वारा 34.2 मीट्रिक टन तथा मेसर्स साकेत इंडस्ट्रियल द्वारा 22.8 मीट्रिक टन ऑक्सीजन गैस का प्रोडक्शन रोजाना किया जा रहा है। मेसर्स जिंदल स्टील एण्ड पावर लिमिटेड खरसिया रोड रायगढ़ द्वारा 15 मीट्रिक टन तथा मेसर्स प्रॉक्सीया इंडिया लिमिटेड भिलाई स्टील प्लांट भिलाई द्वारा 195 मीट्रिक टन एलएमओ (लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन गैस) का उत्पादन प्रतिदिन किया जा रहा है।

कोविड जांच केंद्रों में आरटीपीसीआर की समय पर नहीं मिल रही रिपोर्ट

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

■ किट की किल्लत से परेशानी

कोरोना वायरस संक्रमण से जूझ रहे शहरवासियों को कालीबाड़ी के जिला अस्पताल और भाठागांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं खोखोपारा के पीएससी सेंटर में कोरोना जांच की रिपोर्ट समय पर नहीं मिल रही है। कहीं पर 3 से 4 दिन बाद जांच रिपोर्ट के लिए आने को कहा जा रहा है तो कहीं सप्ताहभर से लेकर पखवाड़े बीतने के बाद भी मरीज की जांच रिपोर्ट नहीं मिल रही। जबकि कोरोना जांच कराने शहर के अलग-अलग इलाकों से यहां लोग अपने परिजन को लेकर आरटीपीसी की जांच कराने पहुंच रहे हैं। खोखोपारा सेंटर में 4-5 दिन में मिल रही रिपोर्ट नगर निगम के जोन 5 अंतर्गत महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड स्थित पंकज उद्यान के पास खोखोपारा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कोरोना जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आरटीपीसीआर टेस्ट कराने लोग लाइन में लगकर रोज यहां टेस्ट कराने पहुंच रहे हैं पर उन्हें जांच रिपोर्ट के लिए 4 से 5 दिन बाद आने को कहा जा रहा है। वहीं भाठागांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कोरोना जांच कराने वालों को सप्ताहभर की वेटिंग दी जा रही है।

महिला की मौत के बाद गले से जेवर पार, जांच में जुटी पुलिस

रायपुर। राजधानी रायपुर में कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल कोरोना मरीज महिला की मौत के बाद उसके गले से सोने का जेवर चोरी हो गया। यह मामला मौदहापारा थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबेडकर अस्पताल के कोविड वार्ड का है, जहां एक वृद्ध महिला के मरने के बार उसके गले से सोने का चेन किसी ने चुरा लिया। अस्पताल का यह कोई पहला मामला नहीं है। इस अस्पताल के कोविड वार्ड में कई चोरियां पहले भी हो चुकी है। मौदहापारा पुलिस थाना प्रभारी यदुमणी सिदार ने बताया कि इस मामले की शिकायत थाने में हुई है लेकिन यह अंबेडर अस्पताल के कोविड वार्ड से जुड़ा मामला है तो पुलिस अभी इसकी सावधानी से जांच करेगी। स्वजनों ने बताया कि पांच दिन पहले मृतका तारा महाजन को अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां कल उनकी मौत हो गई। परिजनों को अस्पताल बुलाया गया और शव को ले जाने के लिए कहा गया, तभी परिजनों ने देखा कि मृतका के गले में सोने के जेवर नहीं है, जिसके बाद उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से बातचीत की और इस मामले की शिकायत मौदहापारा पुलिस थाने में की।

लॉक डाउन में खुले आम बिक रही फल सब्जियां, कोरोना स्प्रेड को बढ़ाएंगी

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमित मामलों में लगातार वृद्धि के चलते कलेक्टर रायपुर डॉ. आर. भारती दासन द्वारा 9 अप्रैल से 19 अप्रैल के मध्य कड़ा लॉक डाउन लगाया गया है। रायपुर में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या गत 24 घंटे में 3438 पार होने के बावजूद भाठागांव चौक से कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता महाविद्यालय जाने वाले मार्ग पर बीच में पड़ने वाले अनेक फ र्महाउसों के भीतर/ बाहर सब्जियां बेधड़क दुकान लगा कर वहां पहुंचने वाले लोगों को एवं गली मुहल्ले में बेचने वाले कोचियों को बेची जा रहीं है। सब्जियों के साथ अन्य वस्तुएँ भी महंगी कीमत में उपलब्ध हो रहीं है!

शहर के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों का हुजूम वहां पहुँच रहा है। क्या जिला प्रशासन को यह मालूम नही है ? अगर मालूम नही है तो, चौक - चौराहों के किनारे टेंट गाड़ कर, सड़कों को बाधित कर बैठे पुलिस के जवानों/अधिकारियों को हटा देना चाहिए और खोल देना चाहिए फल, फ्रूट, किराना, समेत पूरे बाजार को। लॉक डाऊन करने की भी क्या जरूरत है । ऐसा विचार अनेक नागरिकों ने व्यक्त करते हुए कलेक्टर रायपुर से लॉक डाउन का उल्लंघन करने वाले लोगों को रोकने के लिए डयूटी में तैनात प्रशासनिक जिम्मेदारों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही की मांग की है। जहां एक ओर जिला प्रशासन कोरोना संक्रमण की रफ्तार को रोकने के लिए दिन रात विभिन्न निजी एवं शासकीय चिकित्सा संस्थानो के जरिये युद्ध स्तरीय प्रयास कर रहा है। वहीं लॉक डाउन का उल्लंघन कर सब्जी फल बेचने वाले कोरोना संक्रमण को कम करने के बजाय स्प्रेड करने का काम ही कर रहे हैं।

आजादचौक में निकाला फ्लैग मार्च, कोरोना की चेन तोड़ने पुलिस ने कसी कमर

सड़कों पर दिन-रात डटी है पुलिस, बेवजह घूमने वालों की गाड़ियां जब्त

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए पुलिस ने भी पूरी ताकत झोंक दी है। लाकडाउन का सख्ती से पालन कराने राजधानी रायपुर की सड़कों पर जगह-जगह दिन-रात पुलिस बल तैनात है। आवाजाही कर रहे लोगों को रोक रही है। यहीं नहीं बेवजह घूमने वालों की बाइक भी जब्त कर रही है। बावजूद इसके कुछ लोग ऐसे हैं, जो तरह-तरह के बहाने बनाकर घरों से बाहर निकलने से बाज नहीं आ रहे है। लाकडाउन के छठवे दिन पुलिस बल ने आजादचौक अनुभाग के आजादचौक, सरस्वतीनगर, आमानाका, कबीरनगर पुलिस थाना इलाके में फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च में शामिल पुलिस अधिकारियों ने लोगों से लाकडाउन का पालन करने सहयोग की अपील की। पुलिस अफसरों ने चेताया कि आने वाले दिनों में सख्ती और बढाई जाएगी।

अभी केवल अपील के साथ समझाइश दी जा रही है। हालांकि समझाइश का असर भी देखने को मिल रहा है। दिन में सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। जबकि गली-मोहल्लों में लोगों का जमावड़ा लगा दिखाई दे रहा है। शहर के टिकरापारा के छत्तीसगढ़नगर समेत अन्य मोहल्लों में लोगों ने कोरोना संक्रमण से बचने गलियों को बांस-बल्ली लगाकर बंद कर दिया है ताकि

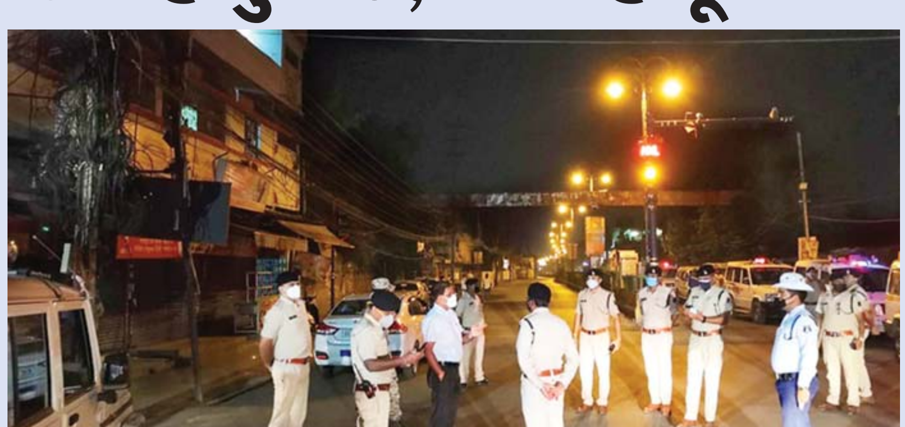

बाहरी लोग आवाजाही न कर सकें।

कोरोना संक्रमण के फैलाव को रोकने और महामारी पर नियंत्रण पाने जिला प्रशासन द्वारा नौ अप्रैल की शाम छह बजे से 19 अप्रैल की सुबह छह बजे तक रायपुर जिले में लाक डाउन घोषित कर रखा है। लाकडाउन के छठवें दिन गुरुवार को एसएसपी अजय कुमार यादव ने रायपुर पुलिस की टीम को ब्रीफ करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर लखन पटले के नेतृत्व में रायपुर पुलिस की टीम ने आजाद चौक अनुभाग के चार पुलिस थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च सीएसपी पुरानी बस्ती मनोज कुमार ध्रुव समेत सभी थानों के थाना प्रभारी, पेट्रोलिंग पार्टी सहित पुलिस बल शामिल रही। पुलिस टीम ने मुख्य सड़कों के अलावा गली-मोहल्लों के अंदर जाकर अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने और बाहर घुमने वालों को सख्ती से समझाइश देते हुये घर के अंदर रहने की हिदायत दी। रायपुर पुलिस लगातार आम जनता से अपील कर रही है कि कोरोना गाइड लाइन के दिशा-निर्देशों का सख्ती व कड़ाई से पालन करें। बिना कारण घर से बाहर न निकले। घर पर सुरक्षित रहकर अपने एवं अपने परिवार की सुरक्षा करते हुए कोरोना संक्रमण के बढ़ते चेन को तोड़ने में सहयोग करें।

एएसपी लखन पटले ने बताया कि अब तक बेवजह घरों से बाहर निकलने वालों को समझाइश देकर पुलिस बल लौटा रही थी, लेकिन अब बेवजह सड़क पर घूमने वाले की दोपहिया वाहन जब्त कर ली जाएगी। लाकडाउन खत्म होने तक यह अभियान जारी रहेगा। हालांकि अभी काफी कम लोग ही सड़क पर निकल रहे हैं। फिर भी अकारण घूमने वालों पर सख्ती से कार्रवाई करने एसएसपी ने आदेश दिए हैं।

एम्स अस्पताल के पार्किंग में खड़ी बाइक चोरी, अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर । एम्स अस्पताल के पार्किंग में खड़ी बाईक चोरी हो जाने की रिपोर्ट आमानाका थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार रेलवे कालोनी रावनभांठा जोन 02,चरौदा जिला दुर्ग निवासी पी.सत्यनारायण 29 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि प्रार्थी एम्स अस्पताल रायपुर में गार्ड का काम करता है। 28 मार्च को प्रार्थी ने अपनी मोटरसाइकिल सीबी साईन क्रमांक सीजी 07 बीजे 0370 एम्स अस्पताल के गेट नंबर 04 क पार्किंग में खड़ी कर हास्पिटल के अंदर ड्यूटी करने चला गया। जब दोपहर वापस आया तब बाईक गंतव्य स्थान पर नही मिली। घटना की रिपोर्ट 16 अप्रैल को थाने में दर्ज करायी गई है। जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 379 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

जिले में 26 तक रहेगा लॉकडाउन सीमाएं होंगी सील

मेडिकल ,दुग्ध पार्लर एवं दुग्ध वितरण सहित समाचार पत्र वितरण के लिए समय निर्धारित

पायनियर संवाददाता < बीजापुर
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रितेश कुमार अग्रवाल द्वारा जिले में संपूर्ण लॉकडाउन लगाने का निर्णय लिया गया है। यह लॉकडाउन 16 अप्रैल को शाम 6 बजे से तत्काल प्रभावशील होने के साथ ही 26 अप्रैल को प्रातः 6 बजे तक लागू रहेगी। इस अवधि में अत्यावश्यक सेवाओं को जारी रखा जायेगा। हालांकि यह सेवाएं भी सीमित अवधि के लिए ही जारी रहेगी। इस दौरान मेडिकल दुकानें, दुग्ध पार्लर , दुग्ध वितरण एवं समाचार पत्र वितरण सहित पेट्रोल पम्प इत्यादि का संचालन सीमित समय के लिए किया जा सकेगा। सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक आयोजन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेंगे। विवाह एवं अंत्येष्ठि के लिए सक्षम प्राधिकारी की अनुमति आवश्यक होगी। जिसमें 20 लोगों की उपस्थिति के साथ ही आयोजन किया जा सकेगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रितेश कुमार अग्रवाल द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि छत्तीसगढ़ शासन एवं भारत सरकार के गाईड लाईन अनुसार कोविड-19 नियंत्रण के सम्बन्ध में अधिकांश प्रतिबंधों पर समय-समय पर सशर्त छूट प्रदान की गयी थी। उपरोक्त आंशिक प्रतिबंधों की समीक्षा की गयी, जिसमें वर्तमान में कोरोना वायरस पॉजीटिव्ह प्रकरणों की संख्या में लगातार वृद्धि होने के फलस्वरूप जिला प्रशासन के द्वारा प्रत्येक स्तर पर पूर्व में अधिरोपित प्रतिबंधों-शर्तों का कड़ाई से पालन कराना एवं परिस्थिति के अनुरूप युक्तियुक्त प्रतिबंध अधिरोपित 25 मार्च 2021 को जारी किये गये हैं। वर्तमान में जिला बीजापुर के अंतर्गत कोविड प्रकरणों में लगातार वृद्धि होने के कारण उत्पन्न परिस्थितियों पर कड़े प्रतिबंध अधिरोपित किया जाना आवश्यक है। अतः दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144, आपदा प्रबन्धन अधिनियम 2005 की धारा 30, 34 सहपठित एपिडेविक एक्ट 1987 यथासंशोधित 2020 के तहत् लागू अधिकांश प्रतिबंधों की समीक्षा के पश्चात अधिरोपित प्रतिबंधों एवं शर्तों का कड़ाई से पालन कराना एवं परिस्थिति अनुरूप युक्तियुक्त प्रतिबंध अधिरोपित में आंशिक संशोधन करते हुए संपूर्ण बीजापुर जिले को 16 अप्रैल 2021 को शाम 6 बजे से 26 अप्रैल 2021 को प्रातः 6 बजे तक कंटेनमेंट जोन घोषित किया जाता है। उक्त अवधि में जिले की सभी सीमाएं पूर्णतः सील रहेगी। इस अवधि में केवल मेडिकल दुकानों को निर्धारित समय में खुलने की अनुमति होगी। मेडिकल दुकान संचालक मरीजों के लिए दवाई की होम डिलिवरी को प्राथमिकता देगें। पेट्रोल पम्प संचालकों द्वारा केवल शासकीय वाहन, शासकीय कार्य में प्रयुक्त वाहन, एटीएम कैश हेतु प्रयुक्त वाहन, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन एवं अंतर्राज्यीय बस स्टेण्ड के संचालित ऑटो, टैक्सी, विधिमान्य ई-पास धारित करने वाले वाहन, एडमिट कार्ड या कॉल लेटर दिखाने पर परीक्षार्थी एवं उनके अभिभावक, परिचय पत्र दिखाने पर मीडियाकर्मी, प्रेस वाहन, न्यूज पेपर हॉकर, दुग्ध वाहन तथा छत्तीसगढ़ में नहीं रूकते हुए एक राज्य से सीधे अन्य राज्य जाने वाले वाहनों को पीओएल प्रदान किया जायेगा। अन्य सभी वाहनों को पीओएल प्रदान करना

पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। दुग्ध पार्लर व दुग्ध वितरण तथा न्यूज पेपर हॉकर द्वारा समाचार पत्रों के वितरण की समयावधि प्रातः 6 बजे से प्रातः 8 बजे तक तथा संध्या 5 बजे से 7 बजे तक ही होगी। दुग्ध व्यवसाय हेतु कोई भी दुकान या दुग्ध पार्लर नहीं खोले जायेगे। केवल दुकान एवं पार्लर के सामने मास्क का उपयोग एवं फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए उक्त अवधि में दुग्ध विक्रय की अनुमति होगी। पैट शॉप एवं एक्वेरियम को केवल पशुचारा देने हेतु प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक तथा संध्या 5 बजे से साढ़े 6 बजे तक शॉप खोलने की अनुमति होगी। एलपीजी गैस सिलेण्डर की एजेंसी केवल टेलीफोनिक या ऑनलाइन आर्डर लेगें तथा ग्राहकों को सिलेण्डरों की घर पहुंच सेवा उपलब्ध करायेगें। औद्योगिक संस्थाओं एवं निर्माण ईकाईओं को अपने कैम्पस के भीतर श्रमिकों को रखकर व अन्य आवश्यक व्यवस्था करते हुए उद्योग संचालन में निर्माण कार्यो की अनुमति होगी। कंटेनमेंट जोन घोषित अवधि के दौरान सम्पूर्ण जिला अंतर्गत समस्त दुकानें बंद रहेगी। सभी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थल आम जनता के लिए पूर्णतः बंद रहेंगे। उक्त अवधि में जिले के अंतर्गत सभी केन्द्रीय, शासकीय, सार्वजनिक, अर्द्धशासकीय एवं निजी कार्यालय बंद रहेंगे तथापि टेलीकॉम, रेल्वे एवं एयर पोर्ट संचालन व रख-रखाव से जुड़े कार्यालय, वर्कशॉप, रेक प्वाइंट पर लोडिंग-अनलोडिंग का कार्य, खाद्य सामग्री के थोक परिवहन, धान मिलिंग हेतु परिवहन एवं शासन से अनुमति प्राप्त समस्त परीक्षाओं को छोड़कर अन्य समस्त शैक्षणिक गतिविधियां बंद रहेगी। किंतु अस्पताल एवं एटीएम पूर्ववत् चालू रहेंगे। सभी प्रकार की सभा, जुलूस, सामाजिक, धार्मिक एवं राजनैतिक आयोजन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। विवाह इत्यादि प्रयोजन हेतु पूर्व में अधिकतम 50 व्यक्तियों को शामिल होने की अनुमति प्रदान की गयी थी। कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के मद्देनजर विवाह इत्यादि प्रयोजन हेतु पूर्व में प्रदत्त समस्त अनुमति को निरस्त किया जाता है। विवाह कार्यक्रम वर अथवा वधु के निवास गृह में ही आयोजित करने की शर्त के साथ आयोजन में शामिल होने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या 20 निर्धारित की जाती है। इसी प्रकार अंत्येष्ठि, दशगात्र इत्यादि संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या 20 निर्धारित की जाती है। कोविड संक्रमण के रोकथाम हेतु जिले में समस्त कार्य कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग, एक्टिव सर्विलांस, होम आईसोलेशन, दवाई वितरण आदि पूर्वानुसार चलते रहेंगे। इन कार्यो में संलग्न सभी शासकीय कर्मचारियों की उपस्थिति पूर्ववत अनिवार्य होगी। कोविड केयर सेंटर से डिस्चार्ज होने वाले मरीजों के परिवहन में संलग्न वाहन पूर्वानुसार संचालित रहेंगे। अपरिहार्य परिस्थितियों में बीजापुर जिले से अन्यत्र आने-जाने वाले यात्रियों को ई-पास के माध्यम से पूर्वानुमति लेना अनिवार्य होगा तथापि प्रतियोगी एवं अन्य परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों हेतु उनका प्रवेश पत्र तथा टेलीकॉम संचालन एवं रख-रखाव कार्य या हॉस्पिटल अथवा कोविड-19 ड्यूटी में संलग्न चिकित्सकों एवं कर्मचारियों की दशा में नियोक्ता द्वारा जारी आईडी कार्ड ई-पास के रूप में मान्य किया जायेगा। उक्त अवधि में बस स्टैण्ड पर आने-जाने वाले यात्रियों को ई-पास की आवश्यकता नहीं होगी। इन यात्रियों को निवास या स्टेशन तक आने-जाने के लिए उनके पास उपलब्ध यात्रा टिकट ही उनका ई-पास माना जायेगा। कोविड-19 टीकाकरण हेतु पंजीयन, कोविड-19 जांच हेतु मेडिकल दस्तावेज या आधार कार्ड, विधिमान्य परिचय पत्र दिखाने पर कोविड-19 टीकाकरण केन्द्र, अस्पताल या पैथोलॉजी लैब आने-जाने की अनुमति होगी किंतु अनावश्यक भ्रमण सख्त प्रतिबंधित रहेगा। आपात स्थिति में यात्रा के दौरान चार पहिया वाहनों में ड्रायवर सहित चार व्यक्तियों, ऑटो में ड्रायवर सहित अधिकतम 3 व्यक्तियों एवं दुपहिया वाहनों में अधिकतम दो व्यक्तियों को यात्रा की अनुमति होगी। बस स्टैण्ड, हॉस्पिटल आवागमन हेतु ऑटो एवं टैक्सी परिचालन की अनुमति होगी किंतु अन्य प्रयोजन हेतु पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। इस निर्देश का उल्लंघन करने पर 15 दिवस के लिए वाहन जप्त कर चालानी एवं अन्य कानूनी कार्यवाही की जावेगी। मीडियाकर्मी यथासंभव वर्क फ्राम होम द्वारा कार्य सम्पादित करेंगे। आवश्यक स्थिति में कार्य के लिए बाहर निकलने पर अपना आईकार्ड साथ रखेंगे तथा मास्क का उपयोग एवं फिजिकल डिस्टेंसिंग के निर्देशों का कड़ाई के साथ अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।

बाल विवाह कानूनन अपराध, बचने की अपील

पायनियर संवाददाता < कांकेर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर चन्दन कुमार ने जिले के नागरिकों को बाल विवाह न करने और न ही बाल विवाह होने देने की अपील करते हुए कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा है, जिसे जड़ से खत्म करना होगा। बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का निर्मम उल्लंघन भी है।

बाल विवाह के कारण बच्चों के पूर्ण और परिपक्व व्यक्ति के रूप में विकसित होने के अधिकार, इच्छा स्वास्थ्य, पोषण व शिक्षा पाने और हिंसा, उत्पीड़न व शोषण से बचाव के मूलभूत अधिकारों का हनन होता है। कम उम्र में विवाह से बालिका का शारीरिक विकास रूक जाता है तथा कम उम्र की मां के नवजात शिशुओं का वजन कम रह जाता है, साथ ही उनके सामने कुपोषण व खून की कमी की भी आशंका बनी रहती है। बाल विवाह की वजह से बहुत सारे बच्चे अनपढ़ और अकुशल रह जाते हैं जिससे उनके सामने अच्छा रोजगार पाने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने की ज्यादा संभावना नहीं बचती है।

कलेक्टर ने कहा कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लडकी का विवाह प्रतिबंधित है। कोई व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, करता है, उसमें सहायता करता है, बाल विवाह को बढ़ावा देता है, उसकी अनुमति देता है अथवा बाल विवाह में सम्मिलित होता है, उन्हें 2 वर्ष तक का कठोर करावास अथवा जुर्माना जो कि 1 लाख रूपए तक हो सकता है अथवा दोनो से दण्डित किया जा सकता है।

बाल विवाह होने की सूचना ग्राम पंचायत के सरपंच, पंचायत सचिव, ग्राम के शिक्षक, कोटवार, आंगनबाडी कार्यकर्ता जो ग्राम पंचायत स्तरीय बाल संरक्षण समिति के सदस्य भी होते हैं, के द्वारा तत्काल पहुँचाई जा सकती है। बाल विवाह की सूचना बाल विकास परियोजना अधिकारी, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी, तहसीलदार, थाना प्रभारी, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अथवा जिला प्रशासन के अधिकारियों को दी जा सकती है।

नगर प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त रूप से चालानी कार्यवाही

पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

कोरोना का कहर तेजी से रफ्तार पकड़ रहा है और किरंदुल भी इससे अछूता नहीं है ऐसे में संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जिला प्रसाशन द्वारा किरंदुल नगरपालिका क्षेत्र में पूर्ण लॉकडाउन भी लगाई गई है जिसके बाद से ही नगर प्रसाशन एवं पुलिस प्रसाशन द्वारा लोगों को समझाइश के साथ ही सख्ती से लॉकडाउन का करने की अपील कर रहे है बावजूद इसके कई लोग सारे कोविड नियमों को दरकिनार करते हुए बिना मास्क के बेवजह स?कों पर घूम रहे है ऐसे लोगों पर नगर एवं पुलिस प्रसाशन द्वारा संयुक्त रूप से कल बीते देर रात केवीएस स्कूल हेविसेक्शन के

पास ताबड़तोड़ चालानी कार्य की गई जिसमें पुलिस बल द्वारा बिना मास्क के 06 लोगों पर 500-500 रु एवं बेवजह घूम रहे 12 लोगों को 200-200 रु तथा नगरपालिका द्वारा 09 लोगों से 100-100 रु का चालान काटा गया।

लॉकडाउन की ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों ने दो गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता < जगदलपुर
www.dailypioneer.com

शुक्रवार को लॉकडाउन की ड्यूटी मे तैनात पुलिसकर्मियों ने एसबीआई चौक से दो गांजा तस्करो को पकडने मे कामयाबी हासिल की पुलिस के द्वारा पहले भी गांजा तस्करो को गिरफ्तार किया जा चुका है लेकिन इस बार लांकडाउन के समय ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने दो गांजा तस्करो को दौडा कर पकडा सीएसपी हेमसागर सिदार ने बताया कि बस्तर जिले मे लगातार कोरोना महामारी के बढ़ते हुए संक्रमण को देखते हुए जिला प्रशासन के द्वारा जिले मे इस महामारी के रोकथाम के लिए

लॉकडाउन लगा दिया गया है और इस लांकडाउन की अवधि में सिर्फ मेडिकल सेवाएँ और अति आवश्यक कार्यों के लिए छुट गई है साथ लांकडाउन का पालन करवाने हेतु शहर के विभिन्न चौक चौराहों मे फिक्स पांइट बनाए गए हैं और पुलिस के जवानों को तैनात किया गया है जिसके द्वारा वहा से गुजरने वाले वाहनों की तलाशी के साथ लोगो से पूछताछ की जा रही इसी दौरान एसबीआई चौक में दो मोटरसाइकल सवार युवकों को पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो मोटरसाइकल सवार युवक चकमा दे कर भागने लगे जिन्हें पुलिस के जवानों ने दौडा कर पकडने की कोशिश की मोटरसाइकल की रफ्तार तेज होने से एक पुलिस का जवान गिर गया लेकिन मोटरसाइकल सवार आगे विपरीत दिशा से आ रही मोटरसाइकल से टकरा गई जिसके चलते दोनो युवको को पकड लिया गया और तलाशी ली गई तो उनके पास से 21 किलो गांजा बरामद किया गया जिसकी कीमत 1 लाख 5हजार आंकी जा रही जिसके बाद दोनो युवको को गिरफ्तार कर एनडीपीएस के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है गिरफ्तार किए गए युवको के नाम शिव प्रसाद गोड व गोपाल सिंह दोनो ही उत्तरप्रदेश निवासी बताए जा रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बागोडार ऊर्जा दक्ष स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में विकसित

कांकेर। विकासखण्ड कांकेर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बागोडार को क्रेडा विभाग द्वारा ऊर्जा दक्ष स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है, जिसे ऊर्जा की बचत की जा रही है। उक्त स्वास्थ्य केन्द्र में क्रेडा विभाग द्वारा अधिक ऊर्जा खपत करने वाले साधारण सिंलिंग पंखे को 27 नग बी.ई.ई. 5 स्टार रेटेड बीएलडीसी पंखें से परिवर्तत किया गया, 47 नग अत्यन्त पुराने एवं अधिक क्षमता के ट्यूब लाईट को बी.ई.ई. 5 स्टार रेटेड एलईडी ट्यूब लाईट से परिवर्तित किया गया है, साथ ही 23 नग अधिक ऊर्जा खपत करने वाले साधारण बल्ब को एलईडी बल्ब परिवर्तित किया गया एवं 05 नग एलईडी स्ट्रीट लाईट प्रदाय किया गया है।

भाजपा के नेता मुद्दे के अभाव में अब ओछी राजनीति पर उतर आए हैं : राजमन बेंजाम

पायनियर संवाददाता < जगदलपुर
www.dailypioneer.com

चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम ने पूर्व मंत्री और भाजपा प्रवक्ता केदार कश्यप तथा पूर्व विधायक लच्छू राम कश्यप के उपर पलटवार करते हुए कहा है की भाजपा के नेताओं को जिन्हें जनता ने खारिज़ कर दिया है अब ओछी राजनीति के लिए पुराने वीडियो को चित्रकोट गेस्ट हाउस का बता कर वायरल कर रहे हैं उन्होंने कहा की फर्जी काम करना तो भाजपा के पूर्व मंत्री और प्रवक्ता केदार कश्यप की पुरानी आदत है जिसमें उसी चित्रकोट से लगे लोहाण्डीगुडा में मुन्नी बाई फर्जी

परीक्षा प्रकरण पकड़ाया था पर पिछले पंद्रह सालों तक इनकी सरकार रहने के बाद भी इनकी सरकार मुन्नी बाई को ढूंढ नहीं पाई।

सांसद बस्तर दीपक बैज एवं विधायक चित्रकोट राजमन बेंजाम की लोकप्रियता से घबराकर उक्त पुराने वीडियो को वर्तमान में भाजपा नेता केदार कश्यप और लच्छूराम कश्यप सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए उसे अभी का बता कर वायरल करवा रहे हैं। वर्तमान समय में राज्य सरकार एवं सांसद विधायक सहित सभी जनप्रतिनिधि कोरोनावायरस संक्रमण से लडने में अपनी पूरी शक्ति लगा रहे हैं ऐसे समय में भाजपा नेताओं के द्वारा इस तरह की ओछी राजनीति करना उन्हें शोभा नहीं देता है हमारी सरकार कोरोनावायरस संक्रमण से लडने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। चित्रकोट विधायक राजमन बेंजाम ने कहा की उक्त वीडियो की प्रामाणिकता की जांच किए बिना आरोप लगाना भाजपा नेताओं की मानसिकता को दर्शाता है जिसकी कड़ी से कड़ी निन्दा की जानी चाहिए।

जोगी कांग्रेस को जोड़ने में तन-मन-धन से सेवा की

नरेंद्र भवानी बने जनता कांग्रेस पार्टी के सयुंक्त महासचिव विधानसभा वार प्रभारी

पायनियर संवाददाता < जगदलपुर
www.dailypioneer.com

जोगी पार्टी कि बस्तर में नीव रखने वाले नरेंद्र भवानी को जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे पार्टी के सयुंक्त महासचिव विधानसभा वार प्रभारी नियुक्त किये गए है । वहीं संतोष सिंह को बस्तर के युवा संभागीय अध्यक्ष जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जे पार्टी से बड़ी जिम्मेदारी दे नियुक्त किया गया है संतोष ने भी जबसे जोगी पार्टी में प्रवेश किया है तब से पार्टी बढ़ाने हेतु अपना तन मन धन सब कुछ निछावर कर मेहनत में कोई कमी नहीं रखी और तो और पार्टी आंदोलन के कारण कई पुलिसिया एफ आई आर तक भी जनहित में फेस करते आ रहे है और अब यह नई जिम्मेदारी को फिर से बखूबी निभाएंगे भी।

वहीं नरेंद्र भवानी ने काहा कि पार्टी ने यह नया जिम्मेदारी दे जगदलपुर के अलावा बाकी विधानसभाओ को भी मजबूती प्रदान करने में मेरी जी तोड़ मेहनत रहेगी, व जोगी पार्टी के गठन के बाद से ही मैंने पार्टी में युवा ग्रामीण जिलाध्यक्ष, के पद पर काम किया अच्छे कार्य के चलते प्रदेश सचिव जो स्वयं स्व अजित जोगी जी ने नियुक्त कर सम्मान दिए और फिर बस्तर जिलाध्यक्ष कि जिम्मेदारी के बाद दो बार चित्रकूट विधानसभा प्रभारी का भी जिम्मेदारी मिली थी और अब जिलाध्यक्ष के पद पर कार्य करते करते 2021 अप्रेल कि नई नियुक्ति में पार्टी कि रण रीती के अनुसार विधानसभा वार सयुंक्त महासचिव का बड़ी जिम्मेदारी दिया गया है, हर पद भार को भली भाँती मेहनत कर पार्टी को बढ़ाने काम मैने किया और जनता समाज के बिच अपना दब दबा एवं नाम बनाया और आगे भी अपने दाइत्व को निभाते हुए आम जन लोगो के लिए जनता के मुलभुत सुविधाओं कि जरूरते हेतु अपनी आवाज बुलंद करने को हमेशा रहूँगा तैयार।

आइये जानते है भवानी कि जोगी पार्टी का अब तक का सफर पार्टी के कई आंदोलन जो जन हित हेतु हुवा जिसमे हर बड़ आंदोलन में नरेंद्र भवानी ने अपने समूह संग मिलकर वन मेन आर्मी बन आंदोलन कर मांगे पूरी भी करवाइ है जनता को लाभ भी दिलाये जिसमें से कुछ ये बड़ी आंदोलन रही।

ग्राम पंचायत बादाम के उक्त पारा में लाइट कि समस्या के दौरान ग्रामीणों के साथ सी.एस.ई.बी.में अधिकारी के दफ्तर में धरना दे बैठे और जहां बिजली नहीं थी वहां नया बिजली लोगो को मिला

शहर कि जनता के मांग अनुसार शहर से बाहर किसी खाली जगह शराब कि दूकान बहार करने हेतु एक बार 7 दिन तो दूसरी बार पुरे 9 दिन अपने समर्थको साथ आमरण अनशन कर सरकार व जिला प्रशासन को हिला के रख दिए थे जिसके बाद आश्वाशन लिखित में मिलने के कारण यह आंदोलन को समाप्त किया गया थे जो भवानी के नेतृत्व में ही हुआ था। ईस्टर मिलन समारोह जहां विशेष समाज के धर्म लीडर एवं सदस्यों का साथ प्यार होने के कारण अब तक का जोगी पार्टी का सबसे बड़ा अगर भीड़ कही हुआ तो वो ईस्टर मिलन समारोह में भवानी के कार्यक्रम में ।

दरभा ब्लाक के लगभग 40 पंचायत के लोगों के साथ वन विभाग अन्याय अत्याचार कर रहा था बहुत ज्ञापन शासन से निवेदन एवं तमाम प्रकार का राह अपनाने के बाद भी जब न्याय नहीं मिला तभी सैकड़ों ग्रामीणों के साथ एन.एच.हाइवे का चक्का जाम कर ग्रामीणों को न्याय दिलाये और तो और स्वयं अपने ऊपर गंभीर पुलिस प्रशासन का कार्यवाही तहत केस भी आज तक फेस कर रहे है ।

सरगीपाल ग्राम पंचायत में हुए लाखो का घोटाले पे भ्रष्टाचारियों का चेहरा उजागर कर जिला कार्यलाय का सैकड़ों कि भीड़ के साथ घेराव कर मामले में वर्तमान सरगीपाल पंचायत वासियों का एवं सरपंच पंचो का समर्थन जितने में भी सफलता हासिल किये।

ग्राम पंचायत जाटम के दोगाम के निवासियों को साफ पानी दिलाने हेतु जगदलपुर जनपद के सी ई ओ का दफ्तर घेराव कर पानी कि सुविधा उपलबध कराने में भी महत्वपूर्ण योगदान भवानी कि रही, वहीं मारडूम, कलेपाल, जैसे इलाको में यह पानी कि सुविधा हेतु लोहंडीगुड़ा जनपद एवं तोकापाल जनपद का घेराव भी किया गया था जो भवानी के नेतृत्व में ही हुआ था जिसके तहत आज तक पुलिस प्रकरण में केसफेस करना पड़ता है।

मारेंगा बाईपास हाइवे सड़क कि दुर्दशा ऐसी थी कि ग्रामीणों का आना जान तक मुश्किल रहा किन्तु भवानी के नेतृत्व में पी डब्ल्यू डी विभाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी से मिल एक हफ्ते में अगर सड़क कि मरम्मत ना हुई तो आपके दफ्तर ग्रामीणों के संग आकर बैठेंगे कि चेतावनी देने के बाद 50 लाख कि राशि स्वीकृत कर सड़क का मरम्मत किया गया।

कोंडागांव में भी किसान आत्म हत्या मामले में परिवार को न्याय दिलाने हेतु भवानी के ही नेतृत्व में कोंडागांव में ही रोड किनारे समर्थको के साथ 7 दिन आमरण अनशन तक किये और कोंडागांव जिला प्रशासन को हिलाने में सफलता हासिल किय। ऐसे कई आंदोलन है ऐसे कई मामले है जहां आम जन मानस को न्याय दिलाने में सफलता मिली और अब भी अपनी यह मेहनत लगन और लड़ने कि क्षमता को और बढ़ाते हुए काम में तेजी लाने का पूरा प्रयास करूँगा।

शिक्षक के घर से तेंदुआ की खाल बरामद

दंतेवाड़ा । जिले में वन विभाग ने दबिश देकर पातररास से एक शिक्षक संतोष जायसवाल के घर से तेंदुआ की खाल बरामद किया गया है। वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी पातररास में एक शिक्षक अपने ही घर पर तेंदुए की खाल को घर में छिपा रखा है, जिसे जल्द ही बेचने की तैयारी में आरोपी शिक्षक संतोष जायसवाल था। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी शिक्षक संतोष जायसवाल दंतेवाड़ा के भोगाम में प्राथमिक विद्यालय में वर्ग 03 का शिक्षक है। जिसने वर्षभर पहले 25 हजार में तेंदुआ की खाल तस्करी के नियत से खरीदी थी, लेकिन उसे बेचने के लिए उसे ग्राहक नही मिल रहे थे। दंतेवाड़ा के एसडीओ अशोक सोनवानी ने मामले की पुष्टी करते हुए बताया कि आरोपी तेंदुआ की खाल को ही सोने का बिस्तर बनाया था, अंधविश्वास से वशीभूत शिक्षक का दावा था कि इस तरह सोने से उसकी मनोकामना पूरी होती है।

जनपद पंचायत फिंगेश्वर और छुरा ने दिए कोविड केयर सेंटर के लिए 47 आक्सीजन सिलेंडर

कोरोना काल में मरीजों की टूटती सांसों के लिए संजीवनी साबित होगी आक्सीजन सिलेंडर, सर्वस्त्र प्रशंसा

पायनियर संवाददाता < गरियाबंद
www.dailypioneer.com

जनपद पंचायत फिंगेश्वर और जनपद पंचायत छुरा की टीम ने सवेंदनशील पहल करते हुए 47 ऑक्सीजन सिलेंडर स्थानीय कोविड केयर सेंटर में उपलब्ध कराया है ।कोरोना में गंभीर मरीजों को सांस लेने में दिक्कत होती है और वर्तमान में ऑक्सीजन की किल्लत को देखते हुए यह सुविधा लोगों को एक नया जीवन देगी। छुरा जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रुचि शर्मा ने बताया कि जनपद पंचायत छुरा और फिंगेश्वर की टीम ने कोरोना के संकट को देखते हुए ऑक्सीजन सिलेंडर देने का मानवीय और संवेदनशील पहल किया है । जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर यह कोरोनावायरस मरीजों के लिए संजीवनी साबित होगी ।जनपद पंचायत फिंगेश्वर की अध्यक्ष पुष्पा जगन्नाथ साहू, उपाध्यक्ष योगेश साहू एवं सदस्यगणों द्वारा मुक्त हस्त से 25 आक्सीजन सिलेंडर का योगदान दिया गया है ।इसी तरह जनपद पंचायत छूरा के अध्यक्ष तोकेश्वरी मांझी एवं उपाध्यक्ष गौरव मिश्रा और सदस्यगणों द्वारा यह 22 सिलेंडर प्रदान किया गया है ।इन सिलेंडरों का उपयोग दोनो जनपद में तैयार किए जा रहे कोविड-19 केयर सेंटर में गंभीर मरीजों के उपचार में किया जाएगा । रुचि शर्मा ने कहा कि ऑक्सीजन सुविधा की उपलब्धता की कमी के कारण मरीजों को अपने इलाज के लिए गैर शासकीय महंगे अस्पतालो की ओर जाना पड़ता है । साथ ही सही समय मे इसकी उपलब्धता हो जाती ,तो कइयों का जीवन बचाया जा सकता है। इस प्रकार के सहयोग से ही शासकीय अस्पतालो का तात्कालिक क्षमता विकास करते हुए लोगो को राहत पहुचाने का यह संवेदनशील पहल है।

कलेक्टर ने किया टीकाकरण और आइसोलेशन केंद्रों का किया निरीक्षण

■ कोविड केयर सेंटर में सभी जरूरी सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश

पायनियर संवाददाता < गरियाबंद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी निलेश कुमार क्षीरसागर ने फिंगेश्वर और छुरा विकाशखण्ड में चल रहे टीकाकरण और आइसोलेशन केंद्र का सघन निरीक्षण किया ।कलेक्टर ने टीकाकरण अभियान का निरीक्षण करते हुए फिंगेश्वर विकासखंड के ग्राम चौबेबाँधा, सेन्दर और फिंगेश्वर में बनाए गए आइसोलेशन केंद्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने टीकाकरण केंद्र में कोरोना गाइडलाइन के अनुसार लोगो को टीका लगाने के निर्देश दिए।टीकाकरण केंद्र में लोगो को मास्क पहन कर आने तथा दो गज की दूरी बनाये रखने की बात कही।टीकाकरण केंद्र में अनावश्यक भीड़ न हो इस बात का ध्यान रखें।कोरोना संक्रमण के रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए सुरक्षा सहित अन्य गतिविधियों पर पर्याप्त सावधानी बरतने के निर्देश संबंधितो को दिए।इस दौरान कलेक्टर ने कोरोना टीकाकरण केंद्र में टीका लगाने आये लोगो से चर्चा भी किया और उनसे घर के आसपास रहने वाले लोगो को भी टीका लगाने प्रेरित करने कहा।टीका लग जाने के बाद भी कोविड के प्रति सतर्कता बरतते हुए कोविड नियमो का पालन करने कहा।उन्होंने 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को आवश्यक रूप से टीकाकरण कराने की बात कही।कलेक्टर द्वारा वैक्सीनेशन सेन्टर में वैक्सीन उपलब्धता के संबंध में पूछे जाने पर चिकित्सा अधिकारी ने पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होने की बात कही। कलेक्टर ने आइसोलेशन केंद्रों में गुणवत्ता पूर्ण भोजन, पानी और सभी जरूरी सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।इस दौरान एसडीएम जी डी वाहिले, तहसीलदार राकेश साहू व बीएमओ श्री कुदेशिया मौजूद रहे ।

छुरा विकासखंड के दौरे में कलेक्टर ने कोविड-19 सेंटर और टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण किया ।उन्होंने एकलव्य आवासीय विद्यालय को कोविड केयर सेंटर के लिए तैयारी करने के निर्देश एसडीएम अंकिता सोम को दिए । कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने समुदायिक सांस्कृतिक केंद्र छुरा में चल रहे टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण भी किया । यह बताया गया कि छुरा के 96 प्रतिशत नगरीय इलाकों में और 80त्न ग्रामीण इलाकों में टीकाकरण पूर्ण किया जा चुका है ।इसे शतप्रतिशत करने के निर्देश दिए गए । साथ ही कोविड केयर सेंटर में पहुंच कर जानकारी ली और भोजन, पानी सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम अंकिता सोम, जनपद सीईओ रुचि शर्मा और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद थे ।

वैक्सीनेशन में तेजी, लक्ष्य का 69 प्रतिशत टीकाकरण : जिले में अभी तक 94 हजार 171 लोगों ने टीके लगाए हैं। इनमें सबसे अधिक फिंगेश्वर ब्लॉक में 27963, गरियाबंद 21781 ,छुरा में 23891 मैनपुर में 12656 और देवभोग में 7845 लोगों ने वैक्सीन लगवाएं हैं ।

जांच रिपोर्ट आने तक अपने घर पर पृथकवास में रहें लोग : सीएमएचओ

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ खेमराज सोनवानी ने जाँच रिपोर्ट आने तक नमूना देने वाले लोगों को अपने घर पर पृथकवास (आइसोलेशन) में रहने को कहा है। उन्होंने खासकर आरटीपीसीआर और ट्रूनॉट तकनीक से जांच हेतु नमूना देने वालों के लिए ये बात कही है। सीएमएचओ ने कहा कि कोरोना बीमारी के होने अथवा न होने की पुष्टि हेतु फिलहाल जांच के तीन विधियां उपलब्ध हैं। एंटीजन टेस्ट, आरटीपीसीआर एवं ट्रूनॉट तकनीक हैं। मरीज के शरीर में वायरस की मात्रा यदि ज्यादा है, तो एंटीजन टेस्ट तुरन्त पकड़ लेता है। इसका परिणाम भी तुरंत खड़े-खड़े मिल जाता है। और संक्रमित व्यक्ति तत्काल प्रभाव से दवाई एवं सावधानियां लेना शुरू कर देता है। इसमें कोई दिक्क त नहीं है। लेकिन आरटीपीसीआर और ट्रूनॉट तकनीक से जांच रिपोर्ट मिलने में फिलहाल 1 से 5 दिन का समय लग रहा है। यदि व्यक्ति का रिपोर्ट पॉजिटिव आया और नमूना देने और रिपोर्ट आने की अवधि में उसकी हरकत आम दिनों की तरह रहा तो इस बीच वह अपने घर-परिवार सहित सैकड़ों लोगों को संक्रमित करने में सक्षम होगा। इसलिए रिपोर्ट आते तक हमें पृथकवास रहकर समय बिताना चाहिए। संयुक्त कलेक्टर एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी टेकचन्द अग्रवाल ने कहा कि जिले में नया आरटीपीसीआर लेब खोलने के साथ ही ट्रू नॉट की जांच क्षमता ब?ाने का काम अंतिम चरण में है। जिससे परिणाम जल्द मिलने लगेगा और यह समस्या दूर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह तथ्य है कि यदि किसी व्यक्ति का एंटीजन रिपोर्ट पॉजिटिव आया तो निश्चित रूप से वह कोरोना से संक्रमित हो चुका है। लेकिन यदि रिपोर्ट निगेटिव आया तो यह आवश्यक नहीं कि उसे कोरोना का संक्रमण नहीं हुआ है। और उसका आरटीपीसीआर एवं ट्रू नॉट रिपोर्ट भी निगेटिव आये। प्रायः यह देखा जा रहा है कि जांच रिपोर्ट का इंतजार किये बिना लोग-बाग खुले आम मेल-मिलाप कर रहे हैं, जिससे संक्रमण तेजी से फैल रहा है। जिला प्रशासन ने लोगों को कोरोना के लक्षण दिखने पर तत्काल जांच कराने का आग्रह किया है। जिले की सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर राज्य सरकार की ओर से निःशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध है।

वैक्सीन के अभाव में, टीकाकरण केंद्रों से लोग लौट रहे हैं बैरंग

■ मांग के अनुरूप नहीं आ रही है वैक्सीन

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

विगत तीन-चार दिनों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी वैक्सीन की कमी बनी हुई है वैक्सीन के अभाव में प्रतिदिन टीकाकरण केंद्रों की संख्या घटती जा रही है सप्ताह भर पूर्व 27 केंद्रों में टीकाकरण हो रहा था जो मात्र दो केंद्रों में सिमटकर रह गया है।वैक्सिन के अभाव के कारण आज फिर टीका लगवाने वाले लोग स्वास्थ्य केंद्रों से बैरंग लौटे। यदि कल टीकाकरण समय के पूर्व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वैक्सीन की डोज नहीं पहुंचती है तो कल टीकाकरण नहीं होगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायपाली में आवश्यकता अनुसार पर्याप्त व्यक्ति नहीं आने के कारण अंचल के बनाए गए कई वैक्सीनेशन सेंटर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उप स्वास्थ्य केंद्रों में टीका लगाना बंद हो गया है विगत सप्ताह भर पूर्व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहित 27 वैक्सीनेशन सेंटर में टीकाकरण लगाया जा रहा था लगातार वैक्सीन के अभाव के कारण वैक्सीनेशन सेंटर की संख्या भी घट रही है मांग के अनुरूप व्यक्ति नहीं मिलने के कारण आज मात्र 2 स्थानों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायपाली सेंटर बी एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बलौदा में 100 100 वैक्सीन का डोज लगाया गया अन्य सभी वैक्सीनेशन सेंटर में आज वैक्सीन की कमी के कारण टीकाकरण का कार्य बंद रहा अचानक वैक्सीन संकट आने के

कारण ग्रामीण अंचल के 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोग प्रतिदिन टीकाकरण केंद्रों से वापस लौट रहे हैं बड़ौदा क्षेत्र के टीका लगवाने के लिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे लोगों ने बताया कि उन्हें पहला टीका लग गया है दूसरा टीका की तिथि 14 अप्रैल थी लेकिन अभी तक उन्हें टीका नहीं लग पाया है वे लोग दूसरा टीका लगवाने नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र बलौदा पहुंचे थे लेकिन वैक्सीन खत्म हो जाने के कारण कल उन्हें टीका नहीं लग पाया उन्हें दूसरा टीका लगवाने के लिए वैक्सीन के आने का इंतजार करना होगा 45 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति जो पहला टीका भी नहीं लगवाए हैं उन्हें वैक्सीन की चिंता सताने लगी है कि कब व्यक्ति आएगा और टीका लगवाने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचेंगे ।

क्या करते हैं बीएमओ

वैक्सीन की कमी के संबंध में बीएमओ डॉ नारायण साहू ने बताया कि पर्याप्त वैक्सीन नहीं आने के कारण टीकाकरण कार्य प्रभावित हो रहा है। वैक्सीन आने का कोई टाइमिंग नहीं है। किसी भी समय वैक्सीन आ सकता है। अगर कल टीकाकरण लगाने के समय के पूर्व वैक्सीन नहीं पहुंचती है। तो टीकाकरण का कार्य प्रभावित होगा ।कल भी व्यक्ति खत्म हो गई थी .लेकिन आज वैक्सीन का 200 डोज आया और दो स्थानों पर टीकाकरण किया गया है।

सांसद सुनील सोनी ने की जिले में कोविड से उत्पन्न ताजा हालात की समीक्षा

■ नयी मण्डी में तैयार हो रहे कोविड अस्पताल का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

लोकसभा सांसद सुनील सोनी ने जिला कार्यालय में अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में कोविड महामारी से उत्पन्न ताजा हालात की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह मानवता की कठिन परीक्षा का वक्त है। हमें आपसी सहयोग एवं समन्वय के साथ पूरा ध्यान कोरोना पीड़ित लोगों की सेवा में लगाना है। उन्होंने जिला प्रशासन से हालात की जानकारी लेकर संकट से निपटने में हरसंभव सहयोग एवं सहायता का भरोसा दिलाया। सांसद सोनी ने बैठक में एम्बुलैंस की मांग आने पर तत्काल इसकी स्वीकृति प्रदान की और बैठक में ही सांसद निधि से 20 लाख रुपये की स्वीकृति पत्र जिला प्रशासन को सौंप दिया। बैठक के बाद सांसद श्री सोनी नयी मण्डी परिसर में तैयार हो रहे कोविड केयर अस्पताल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों और तकनीकी अफसरों के मार्गदर्शन में ही अस्पताल का काम कराने को कहा है। विधायक प्रमोद कुमार शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल, पूर्व विधायक सनम जांगड़े, जिला पंचायत सदस्य नवीन मिश्रा, नगरपालिका परिषद के सभापति संकेत शुक्ला एवं सांसद प्रतिनिधि मणिकांत भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

लोकसभा सांसद सोनी ने बैठक में कहा कि कोविड मरीजों की इलाज के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में स्थानीय समाजसेवी एवं औद्योगिक संस्थाओं का अच्छा सहयोग मिल रहा है। उन्होंने ऐसे सभी दानदाताओं के प्रति उदार सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इससे जरूरत के अनुरूप वेंटीलेटर, ऑक्सीजन बेड आदि सुविधा सुनिश्चित हुआ है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में फिलहाल जिला अस्पताल में ही केवल 8 वेंटीलेटर सुविधा है। बहुत जल्द 22 और वेंटीलेटर मिलने की संभावना है। वेंटीलेटर संचालन के लिए तकनीकी कर्मचारियों की जरूरत होने पर सांसद ने तत्काल विज्ञापन निकालकर भरती करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर विकराल रूप ले चुकी है। पूरी ताकत झोंकने का समय आ चुका है। अकेले स्वास्थ्य विभाग के जिम्मे की बात नही है। अन्य सरकारी विभागों, समाजसेवी और औद्योगिक संस्थाओं को भी सहयोग के लिए और हाथ बटाना होगा। सांसद सोनी ने कोविड जांच की वर्तमान गति को और बढ़ाये जाने के निर्देश दिए। यह प्रयास हो कि संक्रमित लोग एक बार में छंट जाएं तो इसका संक्रमण दर कम हो जाएगा। उन्होंने ऐसी हालात में पूरी संवेदनशीलता के साथ पुलिस विभाग को भी अपनी भूमिका निभाने के निर्देश दिए।

एसडीएम-बीएमओ ऑक्सीजन कंस्ट्रटेर मशीन समाज ने भेंट की

पायनियर संवाददाता < पिथौरा
www.dailypioneer.com

नगर के व्यवसायियो अनिल अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल व संदीप अग्रवाल ने अनुविभागीय अधिकारी राकेश कुमार गोलछा व खंड चिकित्सा अधिकारी तारा अग्रवाल को ऑक्सीजन कंस्ट्रटेर मशीन अग्रवाल समाज पिथौरा के माध्यम से भेंट की। उक्त मशीन ऑक्सीजन सिलेंडर का बेहतर विकल्प है। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुरेश बंसल, व्यापारी एकता मंच के अध्यक्ष अनूप अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। अनूप अग्रवाल ने बताया कि अभी कुछ और मशीने पिथौरा के दान दाताओं द्वारा कोरोना से निपटने स्थानीय प्रशासन को अतिशीघ्र भेंट की जाएंगी। एसडीएम गोलछा व बीएमओ तारा अग्रवाल न दान दाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

हरी सब्जियों को सुरक्षित रखने वैज्ञानिक अनुसंधान

लॉकडाउन में करें इंतजाम, धनिया पत्ती सिर्फ 72 घंटे, कटहल टिकेगा 20 दिन

पायनियर संवाददाता < भाटापारा
www.dailypioneer.com

रिसर्च के बाद मिली जानकारी। हरी सब्जियां 1 से 20 दिन तक ही सुरक्षित रखी जा सकती है। याने इनकी भी सेल्फ लाइफ की जानकारी अब सामने आ गई है। सब्जी वैज्ञानिकों ने अनुसंधान के बाद यह जानकारी साझा करते हुए बताया है कि इससे ज्यादा दिन तक रखे जाने पर सब्जियों की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट आने लगेगी। मिठाइयों की सेल्फ लाइफ तय हो जाने के बाद हरी सब्जियों की सेल्फ लाइफ पर काम कर रहे सब्जी वैज्ञानिकों ने मिली जानकारी को साझा करते हुए बताया है कि सबसे जल्दी खराब होने वाली सब्जियों में धनिया पत्ती और भाजी की सभी किस्मे मुख्य है। इनकी सेल्फ लाइफ मात्र 1 से 3 दिन का ही होना पाया गया है। सबसे ज्यादा दिन तक टिकने वाली सब्जी में कटहल मानी गई है। जानकारी में बताया गया है कि सभी सब्जियां मानक तापमान पर ही सुरक्षित रहेंगी। इससे ज्यादा होने पर खराब होने से इनको बचा पाना असंभव है।

किसकी, कितनी सेल्फ लाइफ

हरी सब्जियों में सबसे ज्यादा बोई जाने वाली और उत्पादन वाली टमाटर की सेल्फ लाइफ 8 से 10 दिन मानी गई है। यह हाइब्रिड की है। जबकि देसी प्रजाति की टमाटर की सेल्फ लाइफ होगी 3 से 4 दिन। बैगन 10 से 12 दिन सही रहेगा तो भिंडी की प्राकृतिक उम्र 3 से 4 दिन की है। लौकी 15 दिन तक सुरक्षित रखी जा सकती है। तोरई और मूली 2 से 3 दिन तक ही ठीक रहेगी। कुम्हड़ा 15 से 17 दिन तक स्वस्थ रहेगा। कोचई के लिए भी इतने ही दिन ठीक होंगे। परवल को 8 से 10 दिन तक ही सही माना गया है। पत्ता गोभी 10 से 15 दिन तो फूलगोभी की सेल्फ लाइफ 8 से 10 दिन होगी। बरबट्टी 3 से 4 दिन तक ही चलेगी। सेमी की सेल्फ लाइफ 3 से 7 दिन मानी गई है। ढेंस की उम्र 4 से 5 दिन और परवल को 8 से 10 दिन तक की सुरक्षित रखा जा सकता है। सबसे ज्यादा सेल्फ लाइफ 15 से 20 दिन कटहल के लिए मानी गई है। हरी मिर्च की उम्र मात्र 2 से 3 सही मानी गई है। सेल्फ लाइफ सब्जियों की तुड़ाई या कटाई के बाद तय की जा सकेगी।

सबसे कम सेल्फ लाइफ

अनुसंधान में भाजी की सभी प्रजातियां सेल्फ लाइफ के मामले में कमजोर मिली हैं। धनिया पत्ती, लाल भाजी, पालक भाजी, मेथी भाजी, कुसुम भाजी, खेड़हा भाजी, अमारी भाजी,चेंच भाजी सहित ऐसी सभी भाजी जो बोई या प्राकृतिक रूप से तैयार होती है उन सभी की सेल्फ लाइफ मात्र 1 से 3 दिन तक ही सही होंगी।

आइडियल टेंपरेचर

सेल्फ लाइफ के लिए 30 से 32 डिग्री सेल्सियस तापमान को आइडियल टेंपरेचर माना गया है। इससे ज्यादा टेंपरेचर होने पर यह खराब होने लगती है। साथ ही गुणवत्ता में भी कमी आने लगती है। याने तापमान का ध्यान रखा जाना बेहद जरूरी है।

रखें ऐसे सुरक्षित

हरी सब्जियों को निर्धारित सेल्फ लाइफ से ज्यादा दिन तक यदि रखना हो तो फीज या डीप फीजर की मदद ली जा सकती है। इसमें भी एक दिक्क त आ सकती है वह यह कि सब्जियां सुरक्षित तो रहेंगी लेकिन गुणवत्ता में कमी आने की संभावना है।

हरी सब्जियों की तुड़ाई या कटाई के बाद नैसर्गिक उम्र होने की जो जानकारी मिली है उसका ध्यान रखना जरूरी होगा। बाद के दिनों में गुणवत्ता में कमी आ सकती है। इसके अलावा आइडियल टेंपरेचर जरूरी है।

–डॉ.अमित दीक्षित, साइंटिस्ट, वेजिटेबल साइंस
कृषि महाविद्यालय, कुरूद

जिला स्तरीय मेडिकल ऑक्सीजन कंट्रोल रूम स्थापित

धमतरी। कोविड 19 से पीड़ित मरीजों के उपचार के लिए आवश्यक वस्तु 'मेडिकल ऑक्सीजन' का जिले के अस्पतालों में वितरण और परिवहन सुनिश्चित करने जिला स्तरीय 'मेडिकल ऑक्सीजन कंट्रोल रूम' स्थापित किया गया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जय प्रकाश मौर्य ने कंट्रोल रूम के सफ्ल ि यान्वयन के लिए समिति का गठन किया है। उन्होंने डिप्टी कलेक्टर श्री डी.सी.बंजारे कंट्रोल रूम का नोडल अधिकारी नियुक्त किया है, जिनका मोबाईल नंबर 93990-85162 है। समिति के सदस्य मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.डी.के.तुर्रे, मोबाईल नंबर 94255-92836, जिला परिवहन अधिकारी श्री गौरव साहू मोबाईल नंबर 97701-38394 और औषधि निरीक्षक सुश्री मीनाक्षी वैष्णव मोबाईल नंबर 81034-07883 होंगे। यह समिति जिले में संचालित अस्पतालों में 'मेडिकल ऑक्सीजन' की आवश्यकता का नियमित रूप से निगरानी के साथ ही उसकी उपलब्धता एवं निरंतरता सुनिश्चित करेगी।

क्विक न्यूज

तहसील आफिस के अधिकारी-कर्मचारियों ने राशि जोड़ी

दुर्ग। धमधा तहसील आफिस के अधिकारियों ने कोरोना काल में लोगों की सेवा के लिए समर्पण के लिए एक अच्छा कार्य किया है। उन्होंने सहयोग राशि जुटाई और दो आक्सीजन कंसट्रेटर खरीदे। यह आक्सीजन कंसट्रेटर उन्होंने धमधा केयर सेंटर को दिये हैं। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे धमधा कोविड केयर सेंटर देखने पहुँचे। यहाँ उन्होंने इस कार्य की प्रशंसा की। एसडीएम बृजेश क्षत्रिय ने बताया कि तहसील आफिस के अधिकारी-कर्मचारियों ने यह सोचा कि इस आपदा के अवसर में सामाजिक संगठनों की तरह ही आगे आकर कोरोना मरीजों के लिए कुछ बेहतर करने की आवश्यकता है इसलिए यह निर्णय लिया गया। इस दौरान धमधा तहसीलदार रामकुमार सोनकर तथा अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित थे।

कलेक्टर कावरे ने कहा, 18 से आगे बढ़ाया जा सकता है जिले में लॉक डाउन, निर्देशों का गंभीरता से करें पालन

- राशन, सब्जी, फल और दूध के लिए होम डिलीवरी की सुविधा दी जाएगी
- जिला प्रशासन हेल्प लाइन नंबर जारी करेगा घर पहुंच सेवा के लिए

पायनियर संवाददाता ◄ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

प्रदेश के अन्य जिलों के साथ ही जशपुर में भी कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए कलेक्टर महादेव कावरे ने 11 से 18 अप्रेल की सुबह तक 7 दिनों के लिए लगाए गए लॉक डाउन पीरियड को बढ़ाने की संभावना जताई है। उन्होंने यह साफ कह दिया है कि लॉक डाउन को बढ़ाने की पूरी संभावनाएं हैं और सभी निर्देशों का गंभीरता से पालन करते हुए कोरोना से लड़ाई में शासन-प्रशासन का सहयोग करें। कलेक्टर महादेव कावरे शुक्रवार को मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से कोरोना संक्रमण की सुरक्षा और लाकडाउन पालन के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। आनलाइन से पुलिस अधीक्षक बालाजी राव , जिला पंचायत सीईओ के एस मंडावी, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ विकास खंड चिकित्सा अधिकारी विकास खंड शिक्षा अधिकारी और जिला स्तरीय अधिकारीगण सीधे जुड़े थे। उन्होंने मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी से ट्रू-नॉट टेस्ट, एंटीजन टेस्ट ,आर टीपीसीआर, टेस्ट और टीकाकरण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण की सुरक्षा को देखते हुए सभी विकास खंड को दिए गए लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं । उन्होंने कहा कि कोरोना जांच में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी। साथ ही विकास खंड बीएमओ से एक-एक करके कोरोना टेस्ट किट की खपत और मांग की जानकारी ली।

लॉक डाउन बढ़ाने के संकेत – कलेक्टर ने अधिकारियो से लाकडाउन बढ़ाने के संबंध में चर्चा की कोरोना संक्रमण को देखते हुए सभी लोग ने लाकडाउन बढ़ाए जाने के लिए अपनी सहमति प्रदान की। कलेक्टर ने कहा कि 18 अप्रैल के बाद फिर से लाकडाउन बढ़ाया जा सकता है। और लोगों को सख्ती से नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

होम डिलीवरी की सुविधा– लॉकडाउन का गंभीरता से पालन करवाने के लिए और इस अवधि में लोगों को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राशन सब्जी दूध ,फल आदि जरूरत की वस्तुएं उपलब्ध कराने के लिए होम डिलीवरी घर पहुंच सेवा का लाभ दिया जाएगा । ताकि लोग सब्जी ,दूध ,राशन, और अन्य चीजों के लिए घर से बाहर न निकले । लोगों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाएगा ताकि उस नम्बर का उपयोग करके लोग जरूरत की वस्तुएं अपने घर पर मंगा सके।

दुकानदार पर गिरेगी गाज

उन्होंने सभी एसडीएम को अपने अपने क्षेत्र में शादी एवं अन्य समारोह के लिए केवल 10 लोगों को ही अनुमति देने के निर्देश दिए हैं। और जिनके द्वारा लाकडाउन नियमों का पालन नहीं किया जा रहा । शादी समारोह में 10 से अधिक लोगों की भीड़ इकट्ठा करते पाए जा रहे हैं तो जुर्माना लगाए और सख्त कार्रवाई करे साथ ही दुकानदार अपने दुकान को बंद तो किया है लेकिन घर के अंदर से समान विक्रय करते पाया जाता है तो ऐसे दुकानदार पर भी कारवाही करने के निर्देश दिए हैं।

गलत जानकारी पर कार्रवाई

कलेक्टर ने कान्ट्रैक्ट ट्रैसिंग के संबंध में विकास खंड शिक्षा अधिकारियों से जानकारी ली । उन्होंने कहा कि कान्ट्रेक्ट ट्रैसिंग के दौरान किसी व्यक्ति द्वारा गलत नम्बर दिया जाता है तो सख्त कार्रवाई करे इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी और गलत नम्बर देने वाले पर 188 धारा के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने फरसाबहार बीएमओ को अपने क्षेत्र में टेस्ट गंभीरता से करने के लिए कहा क्यों कि फरसाबहार में बहुत ज्यादा पाजीटिव केस निकल कर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाले लोगों को अनिवार्य रूप से कोरोना टेस्ट करें और क्वारंटाईन सेंटर में रखने के निर्देश दिए हैं और इसकी आनलाइन डाटा दर्ज करने के लिए कहा गया है।

कोई भी यात्री बिना कोरोना टेस्ट के प्लेटफार्म से बाहर ना जाय : कलेक्टर

- चांपा, नया बाराद्वार और सक्ती के रेलवे स्टेशनों का कलेक्टर एसपी और सीईओ ने किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ◄ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर यशवंत कुमार, एसपी पारुल माथुर और जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह ठाकुर ने आज रेलवे स्टेशन चांपा, नया बाराद्वार और सक्ती का निरीक्षण किया। वहां उपस्थित स्वास्थ्य कर्मचारियों और पुलिस जवानों से कलेक्टर ने कहा कि पाली में लगी ड्यूटी के अनुसार समय पर प्लेटफार्म पर उपस्थित रहें। यह सुनिश्चित करे कि कोई भी यात्री बिना कोरोना टेस्ट के सफर ना कर सके और बाहर से आने वाले यात्री स्टेशन से बाहर बिना टेस्ट के ना जा सके। कलेक्टर ने कहा कि किसी यात्री का कोरोना टेस्ट पाजिटिव आने पर सुरक्षित रूप से अन्य लोगों से अलग बैठाने की व्यवस्था कर लें तथा इसकी सूचना तत्काल दें। मरीज को अलग बिठाने के लिए स्टेशन मास्टर से समन्वय कर पृथक कमरे को चिन्हांकित करवा लें। उन्होने जिला पंचायत सीईओ से कहा कि आवश्यकता अनुसार स्टेशन में कर्मचारियों की संख्या बढ़ा सकते हैं। पुलिस और स्वास्थ्य कर्मचारियों की सुविधा और जरूरी संसाधन शीघ्र उपलब्ध कराएं। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि आरपीएफ के जवानो से समन्वय स्थापित कर कार्य करें। स्वयं की स्वास्थ्य सुरक्षा का ध्यान रखते हुए अपनी ड्यूटी करें। मास्क लगाकर, सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए और सेनेटाईजर का उपयोग अनिवार्य रूप से करे। निरीक्षण के दौरान संबंधित स्टेशन मास्टर, पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

आरटीपीसीआर लेब शीघ्र तैयार करें : कलेक्टर

पायनियर संवाददाता ◄ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर यशवंत कुमार, एसपी पारुल माथुर और जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह ठाकुर ने जांजगीर के पुराना जिला चिकित्सालय परिसर के भवन में बनाये जा रहे आरटीपीसीआर लैब की तैयारी का निरीक्षण किया। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी से कहा कि भवन में आवश्यक मरम्मत कर स्वास्थ्य विभाग के प्रोटोकॉल के अनुसार लैब को सुव्यवस्थित तैयार करें। कार्य पूर्ण होते ही स्वास्थ्य विभाग के निरीक्षण उपरांत आरटीपीसीआर लेब चालू किया जा सके। आरटीपीसीआर टेस्ट के लिए अन्य जिलों के लेब पर निर्भर नही रहना पड़ेगा। जिससे कोरोना टेस्ट का रिपोर्ट लोगों को जल्दी मिलेंगी। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर केएस पैकरा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ पुष्पेंद्र लहरें सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

सत्तीगुड़ी में 30 पॉजिटिव हुए रिकवर, शेष पॉजिटिव मरीजों का उपचार जारी स्वास्थ्य में हो रहा है तेजी से सुधार, गांव को किया गया सील

पायनियर संवाददाता ◄ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

जिले के बलोदा विकास खंड के ग्राम सत्तीगुड़ी में कोरोना पाजिटिव 30 मरीज स्वस्थ होकर सामान्य हो गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा की गई इलाज की त्वरित ब्यवस्था से अन्य संक्रमित लोगों को तेजी से स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। गुरुवार को कलेक्टर श्री यशवंत कुमार ने सत्तीगुड़ी गांव का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सत्तीगुड़ी के ग्रामीणों से उनके स्वास्थ्य के संबंध जानकारी लेते हुए उनका कुशल क्षेम पूछा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एस आर बंजारे को संक्रमितों का गंभीरता से इलाज करने और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर संक्रमितों के स्वास्थ्य पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। जांजगीर-चांपा जिले के विकासखंड बलौदा अंतर्गत ग्राम सत्तीगुड़ी के लोग अप्रैल के प्रथम सप्ताह से अलग-अलग वैवाहिक कार्यक्रम सम्मिलित हुए थे। कार्यक्रम में सम्मिलित गांव के ही एक व्यक्ति 7 अप्रैल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलौदा में जांच के दौरान कोरोना संक्रमित पाया गया। कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग के आधार पर कार्यक्रम में सम्मिलित अन्य ग्रामीणों का भी कोविड टेस्ट किया गया। जिसमें संक्रमितों की संख्या में वृद्धि की जानकारी हुई। संख्या बढ़ने पर ग्राम में ही स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा कैंप लगाकर ग्रामीणों की कोरोना जांच की गयी। कुल 680 की आबादी वाले गांव में 450 से अधिक लोगों का टेस्ट किया

गया, जिसमें अब तक 135 ग्रामीण कोरोना संक्रमित मिले । एस डी एम मेनका प्रधान ने बताया कि कोरोना संक्रमितों की संख्या में वृद्धि के कारण जिला प्रशासन द्वारा, राज्य शासन से प्राप्त निर्देश एवं जिला मजिस्ट्रेट के मार्गदर्शन में पूरे गांव को सुरक्षा की दृष्टि से जनहित में सील किया गया है। गांव के सभी प्रवेश द्वार पर बैरिकेट्स लगाए गए हैं। पूरे गांव में मुनादी कराई गई है। सभी कोरोना संक्रमित स्वास्थ विभाग की निगरानी में होम आइसोलेशन में हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा मोबाइल एवं व्हाट्सएप के माध्यम से संक्रमितों को आवश्यक परामर्श दिया जा रहा है। ग्रामीणों और अन्य बाहरी व्यक्तियों का गांव में आवागमन पर प्रतिबंध लगा गया है। आवश्यक दवाओं एवं अन्य जरूरी सामग्री का वितरण जिला प्रशासन की निगरानी में किया जा रहा है। गांव की सीमा पर कोटवारों एवं रोजगार सहायकों की ड्यूटी लगाई गई है। पूरा गांव स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासन की निगरानी में है। वर्तमान में 30 कोरोना संक्रमित मरीजों की रिकवरी हो चुकी है। शेष संक्रमित मरीजों का स्वास्थ्य भी पहले से बेहतर है और उनके स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है।

रेल यात्रियों की होगी कोविड टेस्ट

- कोरोना जांच के लिए 24 घंटे कर्मचारियों की लगी ड्यूटी

पायनियर संवाददाता ◄ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट यशवंत कुमार ने छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार अन्य जिले से रेल मार्ग से जांजगीर-चांपा जिले में रेल मार्ग से आने वाले यात्रियों का कोविड टेस्ट की अनिवार्यता संबंधी दिशानिर्देश जारी किया है। जांजगीर-चांपा जिले के रेलवे स्टेशन अकलतरा, जांजगीर नैला, चांपा, नया बाराद्वार एवं सक्ती में बाहर से आने वाले यात्रियों का कोविड-19, जांच अनिवार्य किया गया है। इसके लिए डिप्टी कलेक्टर सुमित गर्ग को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

जारी आदेश के अनुसार स्टेशनों पर 24 घंटे निगरानी दल की ड्यूटी लगाई गई है। दल में स्वास्थ विभाग, पुलिस सहित विभिन्न विभागो के कर्मचारियो की तीन पालियो में तैनात रहेंगे। संबंधित तहसीलदारों को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। रेल मार्ग से बाहर जाने वाले यात्रियों को अधिकतम 72 घंटे के भीतर का कोविड निगेटिव रिपोर्ट लाना होगा।

ऐसे यात्री जो कोविड निगेटिव सर्टिफिकेट नहीं लाएंगे उनका कोरोना टेस्ट कराया जाएगा। निगेटिव रिपोर्ट आने पर उन्हें आगे की यात्रा की अनुमति होगी। पॉजिटिव आने पर उसे क्वारंटीन सेंटर भेजा जाएगा। इसके लिए परिवहन की व्यवस्था की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

लॉकडाउन में उचित मूल्य दुकानों से राशन वितरण के लिए निर्देश जारी

पायनियर संवाददाता ◄ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

उचित मूल्य दूकानों से अप्रैल माह के राशन वितरण हेतु निर्देश जारी कर दिए गये हैं,जिसके अनुसार टोकन, सेनिटाइजर, फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुए सुरक्षात्मक उपायों के साथ राशन वितरण किया जाएगा।

खाद्य ,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 15अप्रैल 2021को जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के दृष्टिगत विभिन्न जिलो में लॉकडाउन जारी करते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए है। राज्य की सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत किए जाने वाले खाद्यान्न एवं अन्य वस्तुओं वितरण के द्वारा राज्य के जरूरतमंद व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की गई है अतएव राज्य की सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत हितग्राहियों को खाद्यान्न एवं अन्य वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खाद्यान्नों के परिवहन, भण्डारण, वितरण, लोडिंग-अनलोडिंग एवं उससे संबंधित सहायक गतिविधियों, जिसमें शासकीय उचित मूल्य दुकानें/भण्डारगृह एवं उसमें प्रयुक्त व्यक्तियों संचालन सम्मिलित है, द्वारा निर्देशों के अनुपालन के साथ माह अप्रैल, 2021 का राशन वितरण सुनिश्चित कराया जाए।

1. उचित मूल्य दुकानों से खाद्यान्न वितरण के लिए भौगोलिक क्षेत्र जैसे वार्ड/मोहल्ला/ग्रामवार हितग्राहियों को टोकन जारी कर नियंत्रित तरीके से राशन वितरण किया जाए।

2. उचित मूल्य दुकानों में राशन वितरण के समय सामाजिक दूरी का पालन कराने के लिए हितग्राहियों द्वारा मास्क पहनना एवं उनके खड़े होने के स्थान का चिन्हांकन सुनिश्चित करते हुए कतारबद्ध कराकर खाद्यान्न वितरण किया जाए।

3. वितरण के समय हितग्राहियों के सैनिटाईजेशन के लिए उचित मूल्य दुकानों में सैनिटाइजर की पर्याप्त व्यवस्था की जाए।

कोविड-19, मरीजों के उपचार के लिए मिले दो ऑक्सीजन कन्संट्रेटर

- कलेक्टर के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने आगे आ रहे निजी प्रतिष्ठान

पायनियर संवाददाता ◄ जांजगीर-चांपा
www.dailypioneer.com

वैश्विक महामारी कोविड-19, की रोकथाम, नियंत्रण एवं उपचार के लिए जिला प्रशासन द्वारा हर संभव सतत प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्री यशवंत कुमार के मार्गदर्शन में कोविड-19, संक्रमित मरीजों को बेहतर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निजी प्रतिष्ठान भी आगे आ रहे है। आज कलेक्टर कार्यालय में महिंद्रा पावर प्राइवेट लिमिटेड जांजगीर चांपा द्वारा 2 नग ऑक्सीजन कन्संट्रेटर प्रदान किया गया। यह उपकरण कोविड-19, संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर सचिन भूतड़ा, सीएमएचओ डॉ एसआर बंजारे, महिंद्रा पावर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंधक मंडल भी उपस्थित थे।

सुपेला अस्पताल में मरीजों की देखभाल के लिए सुविधाओं का किया जा रहा विस्तार

पायनियर संवाददाता ◄ भिलाईनगर
www.dailypioneer.com

लाल बहादूर शास्त्री अस्पताल सुपेला में सुविधाओं में लगातार बढ़ोत्तरी की जा रही है। अस्पताल के प्रभारी डॉ पीयूम सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देश पर 50 बिस्तर की व्यवस्था की गई है! यहां कोविड के मरीजों को नहीं रखा जाएगा बल्कि सामान्य मरीज जिन्हें सांस लेने में तकलीफ या ऑक्सीजन लेवल में कमी या अन्य प्रकार की समस्या हो उन्हें भर्ती किया जाएगा! इधर निगमायुक्त ऋतुराज रघुवंशी की लगातार मॉनिटरिंग से सुपेला की व्यवस्थाओं में लगातार सुधार किया जा रहा है तथा आने वाले लोगों की सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है! निगम द्वारा ब?ते हुए

गर्मी को देखते हुए अस्पताल के वार्डों में कूलर की व्यवस्था की गई है ताकि भर्ती मरीजों को गर्मी से राहत मिल सके, वहीं रात में आने वाले मरीजों की संख्या को देखते हुए पूरे परिसर में लाइट लगाकर रोशनी के पर्याप्त इंतजाम किये गये है। आयुक्त रघुवंशी द्वारा अस्पताल की व्यवस्था सही करने के लिए अस्पताल प्रबंधन को लगातार निर्देश देकर व्यवस्थाओं में सुधार लाया जा रहा है। सुपेला अस्पताल में कोरोना जांच के लिए आने वाले मरीज जो लाइन में ख? रहते है, उनके लिए छाव प्रदान करने ग्रीन नेट और गर्मी से राहत दिलाने कूलर की व्यवस्था की गई है। जोन 01 के आयुक्त सुनील अग्रहरि ने बताया कि सुपेला अस्पताल में मरीजों व कोरोना जांच के लिए आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ गई है, ऐसे में आने वाले मरीजों के लिए गर्मी में परेशानी न हो इसके लिए निगम आयुक्त के निर्देश पर पर्याप्त इंतजाम किये गये है। अस्पताल के वार्ड में सभी कूलरों की मरम्मत कराई गई है तथा आवश्यकता अनुसार 8 नग नये कूलर भी लगाए गए है जिससे भर्ती मरीजों एवं कोविड जांच के लिए आने वाले लोगों को गर्मी से राहत मिल सके।

स्वास्थ्य और सुरक्षा के दृष्टि से घर पर रहे

कलेक्टर एवं एसपी ने चेक पॉइंट का किया निरीक्षण

पायनियर संवाददाता ◄ सक्ती
www.dailypioneer.com

जिले में कोरोनावायरस के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए कोरोना वायरस के संक्रमण के बचाव एवं रोकथाम एवं आमजन की सुरक्षा की दृष्टिकोण से जिले में 13 अप्रैल मंगलवार की शाम 6.00 से 23 अप्रैल की रात 11.59 तक कंटेनमेंट जोन लॉक डाउन जारी है, इसी क्रम में 16 अप्रैल शुक्रवार को दोपहर 2ः00 बजे जिले के कलेक्टर यशवंत कुमार और एसपी श्रीमती पारुल माथुर जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह ठाकुर ने आज जनपद मुख्यालय शक्ति के अग्रसेन चौक में चेक पोस्ट , फिक्स चेकप्वाइंट का निरीक्षण किया। कलेक्टर और एसपी ने निरीक्षण के दौरान आने जाने वाले लोगों से घर से बाहर निकलने का कारण पूछा। बिना कारण अथवा बिना ई-पास के सफर करने वालों को वापस घर जाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर यशवंत कुमार ने थाना प्रभारी रविंद्र अनंत से सभी चेकप्वाइंट की स्थिति की जानकारी लेते हुए कड़ाई से नियमों का पालन करने हेतु निर्देश दिया,कलेक्टर ने कहा कि स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए कंटेनमेंट के नियमों का कड़ाई से पालन करें। स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से घर पर ही रहे केवल स्वास्थ्य गत कारणों से ही बाहर निकलें। कलेक्टर ने कहा कि कोविड-19, टीकाकरण के लिए घर से केन्द्र तक जाने और वापस घर आने की छुट है। इस दौरान उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी पुलिस विभाग के अधिकारी कर्मचारी नगर पालिका परिषद के अधिकारी कर्मचारी को ड्यूटी के दौरान स्वयं की स्वास्थ्य की सुरक्षा का भी गंभीरता से ध्यान रखें। मास्क पहनें, सैनिटाइजर का समय समय पर उपयोग करें, फिजिकल डिस्टेंस का भी पालन अवश्य करें। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ गजेंद्र सिंह ठाकुर,अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बीएस मरकाम ,प्रभारी अनुविभागीय अधिकारी पुलिस रजत नाग ,शक्ति थाना प्रभारी रविंद्र अनंत ,खंड चिकित्सा अधिकारी,डॉ.अनिल सिंह चौधरी , पुलिस विभाग , राजस्व विभाग ,नगर पालिका के अधिकारी कर्मचारी एवं जिले के आला अधिकारी कर्मचारी जिले के कलेक्टर एवं एसपी के के द्वारा किए जा रहे निरीक्षण के दौरान शक्ति क्षेत्र में उपस्थित रहे।

यदि हमको बेड की जरूरत पड़ती है तो भवनों को किया जाएगा अधिग्रहण– बढ़ते कोरोना मरीजो के केस को देखते हुए अब बेड की कमी होती नजर आ रही हैं। जिसपर कलेक्टर जनमेजय महोबे ने कहा कि बीच में प्रभारी मंत्री जी ने बैठक लिया था। जिसमे सामाजिक संस्था व यहाँ के व्यापारियों ने भी अपनी मंशा जाहिर की थी। कि वो यहाँ पर जनसहयोग से कोविड केयर स्थापित करना चाह रहे हैं।

48 घंटे के भीतर निजी अस्पताल अपने 20 प्रतिशत बेड गरीबों के इलाज के लिए करें खूबचंद बघेल योजना के अंतर्गत आरक्षित

पायनियर संवाददाता ◄ दुर्ग
www.dailypioneer.com

निजी अस्पताल के प्रबंधकों के साथ हुई बैठक में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने 48 घंटे के भीतर अपने 20 प्रतिशत बिस्तर खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत गरीबों के इलाज के लिए रखने के निर्देश इन प्रबंधकों को दिये। कलेक्टर ने कहा कि यह प्रतिशत सभी तरह के बेड में होगा। मसलन आईसीयू में जितने बेड्स हैं उनकी संख्या का 20 प्रतिशत, एचडीयू में जितनी संख्या में बेड हैं उनका 20 प्रतिशत इस तरह से। कलेक्टर ने कहा कि जो अस्पताल अभी इस योजना से इम्पैनल नहीं हैं वे 24 घंटे के भीतर अपना एम्पैनलमेंट करा लें, यदि उन्होंने ऐसा नहीं किया तो इन्हें स्वतः ही इम्पैनल मान लिया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि सीएमएचओ

इन आरक्षित बिस्तरों के लिए खूबचंद बघेल योजना के हितग्राहियों को भेजेंगे। यदि इस योजना का कोई हितग्राही सीधे ही अस्पताल में पहुँच जाता है तो इसे भर्ती कर सकते हैं लेकिन बाद में इसका एप्रूवल सीएमएचओ से जरूर लेना होगा। कलेक्टर ने कहा कि वेंटीलेटर में भी यह प्रावधान लागू होंगे। मसलन यदि अस्पताल में पाँच वेंटीलेटर हैं तो एक वेंटीलेंटर में इसकी आवश्यकता वाले खूबचंद बघेल स्वास्थ्य योजना के हितग्राही का इलाज होगा। यद्यपि 48 घंटे वाले प्रावधान में अस्पताल प्रबंधन को लगता है कि इस अवधि के भीतर वेंटीलेटर उपलब्ध करा पाना संभव नहीं होगा तो वे नोडल अधिकारी से इसकी छूट ले सकते हैं।

चेक-एटीएम कार्ड से पेमेंट भी स्वीकार करें– कलेक्टर ने कहा कि लाकडाउन की वजह से कई बार मरीज के परिजनों के पास नगद राशि की दिक्कत हो सकती है अतएव अस्पताल प्रबंधन चेक एवं एटीएम कार्ड से भी पेमेंट स्वीकार करें।

संपादकीय

स्वागतयोग्य फैसला, विदेशी कोविड टीकों की खरीद

सरकार ने विदेशों से कोविड टीकों की खरीद का निर्णय लिया है। इसका अनेक कारणों से स्वागत किया जाना चाहिए। भारत सरकार की 'वैक्सीन मैत्री' ने भले ही 6.45 करोड़ टीके प्राप्त कर दुनिया भर के देशों से प्रशंसा पाई हो, पर भारत में टीके लगाने के लिए उसे कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। नए स्ट्रेनों के कारण पूरे भारत में कोरोनावायरस मामलों तथा इसके कारण होने वाली मौतों में असाधारण वृद्धि से केन्द्र सरकार को आलोचना का सामना कर पड़ रहा था। उसने भले ही वैश्विक स्तर पर प्रशंसा प्राप्त की हो, पर सभी नागरिकों को पहले टीकाकरण सुनिश्चित करने के बजाय टीकों के वितरण से देश में उसकी छवि खराब हो रही थी। संक्रमणों की दूसरी लहर के देश पर भारी पड़ने के साथ ही टीकाकरण प्रक्रिया सबके लिए खोलने का दबाव भी बढ़ रहा था क्योंकि नए स्ट्रेन से इस बार बच्चे और नौजवान भी बच नहीं रहे थे। इस प्रकार कोविड टीकों की कमी का सामना कर रही केन्द्र सरकार ने पहले रूस निर्मित वैक्सीन स्पुतनिक के आपातकालीन प्रयोग को अनुमति दी, फिर उसने कोविड-19 टीकों के चयन को विस्तार देते हुए अमेरिका, ब्रिटेन और जापान में निर्मित वैक्सीनों के आपातकालीन प्रयोग की अनुमति दे दी। कोविड-19 वैक्सीन प्रशासन पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह-नेगवैक ने संस्तुति की है कि विदेशों में निर्मित वैक्सीनों को अनुमति दी जाए जिनको वहां अनुमति मिली है। इस प्रकार 'यूएसएफ्डीए, ईएमए, यूके, एमएचआरए, पीएमडीए जापान द्वारा सीमित आपातकालीन प्रयोग के लिए अनुमति प्राप्त वैक्सीनों को भारत में अनुमति दी जा सकती है।' समझा जाता है कि 'विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा आपातकालीन प्रयोग के लिए सूचीबद्ध वैक्सीनों को भी भारत में आपातकालीन प्रयोग के लिए अनुमति मिल सकती है।'

सही समय पर लिए इस निर्णय से बड़े पैमाने पर औषधीय सामग्री का आयात प्रोत्साहित होगा जिससे घरेलू दवा निर्माण क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। इससे वैक्सीन निर्माण क्षमता भी बढ़ेगी जिसका लाभ देश की जनता को होगा। केन्द्र नागरिकों को शांत रखने के सर्वोत्तम प्रयास कर रहा है। उसने जनता को आश्वस्त किया है कि वैक्सीनों की कोई कमी नहीं है तथा अभी 1.67 करोड़ खूराकें उपलब्ध हैं। हालांकि, इस तर्क में कुछ दम है कि सरकार को पहले अपने नागरिकों की चिन्ता करनी चाहिए, पर यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि वर्तमान स्थिति के लिए स्वास्थ्यरक्षा और अधिकारी तथा जनता भी एक स्तर तक जिम्मेदार है। सबसे पहले यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि आज हमें वैक्सीनों की बहुत आवश्यकता है, अतः ऐसे में भारत में 6.5 प्रतिशत वैक्सीनों की बरबादी आपराधिक है। यदि जनता सरकार की बात माने तथा बड़ी संख्या में टीके लगवाने के साथ ही सतर्कता से कोरोना व्यवहारों का पालन करे तो कोरोना मामलों में इतनी वृद्धि नहीं होगी। जब पहली लहर के बाद रोगियों की संख्या घट गई थी तब यदि हमने वैक्सीन के प्रति हिचक छोड़ दी होती तो चीजें आज पूरी सटीकता के साथ बेहतर होतीं तथा जनसंख्या के बड़े हिस्से को अब तक टीके लग गए होते। हालांकि, अभी भी बहुत देर नहीं हुई है। केन्द्र नागरिकों को शांत रखने और सांत्वना देने के सारे प्रयास कर रहा है। ऐसे में सारी जनता की जिम्मेदारी है कि वह शांत रह कर जिम्मेदार नागरिकों की तरह व्यवहार करे तथा यथासंभव सरकार की अधिकाधिक सहायता करे। कुल मिला कर देखें तो आज जैसी स्थिति हमारे सामने आई है, उसकी कल्पना हम में से किसी ने नहीं की थी।

कोरोना आपदाकाल में कहां हैं हमारी सिविल सोसायटीज ?

नर्सेज, स्वास्थ्य कर्मचारी, पुलिस कर्मी अपवादों को छोड़ कर, सभी अपनी जान जोखिम में डालकर अभूतपूर्व वीरता से चौबीस चौबीस घंटे काम करते हुए इस महामारी से जूझ रहे हैं।

डॉ. राजाराम त्रिपाठी
राष्ट्रीय संयोजक
अखिल भारतीय
किसान महासंघ
(आईफा)

आज हम सब बेहद असाधारण परिस्थितियों में सांसें ले रहे हैं। जिस तरह हमारे चारों ओर कोरोना हमलावर हुआ है,और जिस तरह दिन- प्रतिदिन हमारे प्रियजनों, मित्रों रिश्तेदारों, जानकारों को एक-एक कर हमसे छीन रहा है, उससे जीवन तथा मृत्यु को लेकर हमारी सारी स्थापित मान्यताएं ध्वस्त होते जा रही हैं। आज मानवता अपने सबसे कठिन परीक्षा के दौर से गुजर रही है। वैश्विक महामारी कोरोना ने हमारे देश में लगभग सभी सिविल सोसाइटीज के अस्तित्व को ही बेमानी साबित कर दिया है। देश की नागरिक सुरक्षा संस्थाएं आखिर कहां हैं और क्या कर रही हैं? समूचे एक साल का अनमोल समय गंवाने के बावजूद कोरोना से मुकाबले में आज हम पहले से भी बदतर स्थिति में आखिर क्यों हैं? कोरोना से बचाव के मामले में हम अनमने, अवैज्ञानिक तरीके से, विकसित देशों की आधी अधूरी नकल करने की कोशिशों के अलावा एक कदम भी आगे नहीं बढ़े हैं। हमारे हरावल दस्ते के सेनापति, नेतागण इससे लड़ने की कारगर कार्य नीति बनाने तथा इस पर समुचित सटीक वार करने के बजाए आपदा में अवसर अर्थात राजनीति, सत्ता, व्यापार, मुनाफे के अंतहीन लालच के मकड़जाल में उलझे हुए हैं। फलतः आज भी हमारे पास आपदा प्रबंधन की कोई बहु-आयामी कारगर रणनीति तैयार नहीं है, जबकि यह स्थापित तथ्य है कि,÷असरदार आपदा प्रबंधन के लिए समुदाय आधारित आपदा तैयारी प्रमुख है।

हमें अतीत की आपदाओं से भी सबक़ सीखने की जरूरत थी, ओडिसा ने सन 1999 में सुपर साइक्लोन का सामना किया था जिसमें दस हजार से भी ज्यादा लोगों की मौतें हुई थी, इसके बाद यहां की नागरिक सुरक्षा समितियों ने जबरदस्त तरीके से बचाव कार्य किया था। पर अफसोस हमने न अतीत से कुछ सीखा न वर्तमान से। यह सच है कि, कोरोना के चलते,आज देश-विदेश में जिस तरह के हालात हैं, ऐसे अभूतपूर्व हालातों से वर्तमान जीवित पीढ़ियां कभी रुबरु नहीं हुई हैं,और ऐसी किसी भयावह बहुआयामी वैश्विक त्रासदी का उदाहरण इतिहास में भी नहीं मिलता है।

देश की 94प्र से अधिक आबादी आज भी वैक्सीन व दवाइयों के लिए तरस रही है। पर हमारे देश की दवा कंपनियांआपदा में अवसर ढूंढ कर वैक्सीन व दवाइयों को निर्यात कर तिजोरी भरने में लगी हुई हैं। यह धतकरम बिना सरकार से मर्जी,मिली भगत या अनुमति के नहीं हो सकता। पर यह हुआ,जबरदस्त तरीके से हुआ और आज भी डंके की चोट पर हो रहा है, जबकि दूसरी ओर दवाइयों की कालाबाजारी रोकने के लिए गैर जमानती वारंट तथा जेल तक के कठोर कानूनी प्रावधान भी बनाए जा रहे हैं, फिर भी कालाबाजारी जारी हैं। दरअसल जब सरकार स्वयं, ऐसे हालातों में आपदा में ऑप्शन ढूंढने का नारा देकर, अपने देश के नागरिकों की जान की परवाह बिना किए कंपनियों की तिजोरी भरने के लिए, दवाइयां व वैक्सीन निर्यात करने की अनुमति देती है, तो इस तरह की कालाबाजारी रुकने से रही।आज अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में ना बेड हैं, ना दवाइयां है, ना वेंटिलेटर है। वैक्सीन की विश्वसनीयता पर भी भी संदेहों के घेरे हैं। दोनों वैक्सीन लगाने के बाद, लगातार मास्क तथा सेनीटाइजर का उपयोग करते रहने के बावजूद देश के सर्वोच्च अस्पतालों के दर्जनों डॉक्टर्स कोरोना से पीड़ित हो गए हैं। छत्तीसगढ़ में तो स्वास्थ्य विभाग के संचालक डॉक्टर साहब पूर्व में कोरोनावायरस पाज़ीटिव हुए, फिर ठीक भी हुए, और वैक्सीन की दोनों डोज लगवाने के बावजूद फिर से कोरोना ग्रस्त हो गए और अंततः सारे प्रयासों के बावजूद बचाए भी नहीं जा सके। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि, कहीं यह प्रयोगशालाजन्य असाध्य बीमारी, इसके इलाज की ये तमाम दवाइयां और वैक्सीन केवल आपदा में अवसर ढूंढने की कंपनियों की प्रयोगशालाओं तथा विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर की गई विश्वव्यापी गहरी फुलप्रूफ साजिश तो नहीं?

एक ओर जहां डॉक्टर्स , नर्सेज, स्वास्थ्य कर्मचारी, पुलिस कर्मी अपवादों को छोड़ कर, सभी अपनी जान जोखिम में डालकर अभूतपूर्व वीरता से चौबीस चौबीस घंटे काम करते हुए इस महामारी से जूझ रहे हैं, और शहीद भी हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर हमारी सरकारें पूरी तरह से किंकर्तव्यविमूढ़ हो गई हैं। केंद्र सरकार तथा राज्य सरकारों में ऐसी भयावह महामारी से लड़ने के लिए जो समन्वय तथा टीम भावना होनी चाहिए उसका नितांत अभाव है। राज्य सरकारें केंद्र सरकार पर संसाधनों के बंटवारे में भेदभाव का तथा गलत बयानी का आरोप लगा रही है वहीं केंद्र सरकार राज्य सरकारों पर केंद्र की नीतियों तथा योजनाओं का समुचित क्रियान्वयन व संसाधन का समुचित प्रबंधन न कर पाने का दोषारोपण कर रही है। दोनों पक्ष एक ओर तो तो जनता के ऊपर लापरवाही का आरोप लगाकर अपनी जिम्मेदारियों से बच रहे हैं, दूसरी ओर एक दूसरे के पाले में नाकामी की गेंद डालकर अपनी अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहते हैं। इस राजनैतिक फुटबॉल में, मैदान की घास की तरह बेचारी बेबस जनता बेतरह रौंदी जा रही है। कैसी विडंबना है कि देश की जनता इस महामारी से कीड़ों मकोड़ों की तरह पटापट मर रही है, शमशान अटे पड़े हैं। अस्पतालों में जगह नहीं है। बावजूद इसके यह सरकारें तथा राजनैतिक पार्टियां, इसके लिए जनता को ही जिम्मेदार ठहरा कर, पूरी बेशर्मी से सत्ता की कुर्सी दौड़ के खेल में व्यस्त हैं।सारी पार्टियां बस चुनाव लडने लड़ाने में लगी हुई हैं। इस महामारी से जनता की जान बचाने की कारगर कोशिशें करने के बजाए, सरकार जनहित में तीव्र गति से अधिकाधिक श्मसान बनाकर देने कि बात कर रही है, यहां यह भी गौरतलब है कि, हाल में ही देश की राजधानी में जो एक नवनिर्मित श्मशान भवन के ढह जाने से पच्चीस लोगों की मौत हो गई थी, उसके निर्माता ठेकेदार ने सरकार को 40त्न तक कमीशन देने की बात खुलेआम स्वीकारी थी, यानी कि आपदा में अवसर ढूंढने के लिए हम शमशान तक जाने को तैयार हैं। सरासर लानत है इस प्रवृत्ति पर।

आज के दौर की महती आवश्यकता है कि देश की सभी राजनैतिक पार्टियां मिलजुल कर इस आपदा का सामना करें, लेकिन आज भी यह पार्टियां अपने राजनीतिक दुराग्रहों में कैद हैं तथा सत्ता के लिए कुत्ते बिल्लियों की तरह लड़ रही हैं, तथा उस जनता-जनार्दन को, जो इन्हें लगातार सिंहासनों पर आसीन करती रही है, महामारी के फैलने का ठीकरा उस उसी के सिर पर फोड़ कर, उसे निरुपाय मरने के लिए छोड़ दिया है। विश्व का सबसे बड़ा सिविल सोसायटी संगठन होने का दावा करने वाले राष्टवादी संगठन जो दशकों से रोज सुबह हवा में लाठियां भांजते रहे हैं, आज इस आपदा से मुकाबले में यह कहां दुबके हुए हैं ? जबकि आज लोगों को जागरूक करने, पीड़ित मानवता की सेवा में इनके अनुशासित विशाल जमीनी संगठन की इस मुकाबले में महत्वपूर्ण सकारात्मक भूमिका हो सकती है? देश को आजाद कराने का दावा करने वाली व सत्ता पर सबसे लंबे समय तक आसीन पार्टी का वह गौरवशाली जमीनी संगठन ÷सेवादल÷ कहां है? जिसने प्लेग की महामारी के समय गांवों तथा शहरों की गली कूचों में, घर-घर जाकर अभूतपूर्व सेवा कार्य किया था? क्या यह संगठन अब मात्र 15 अगस्त तथा 26 जनवरी को गांधी टोपी पहन कर झंडारोहण कार्यक्रम में शिरकत करने तक ही सीमित रहेगा? इस महा विपत्ति में विश्व के सबसे बड़ी सदस्य संख्या वाली पार्टी का दावा करने वाली, अनुशासित केडर वाली पार्टी का वह अपरिमित केडरबल कहां है भला ? क्या वह केवल गलाबाज नेताओं की रैली-सभाएं करने तथा बूथ प्रबंधन हेतु ही सक्रिय होगा? कहां बिला गईं वह सारी बजटजीवी तथाकथित समाजसेवी एनजीओज़ जो पिछले कई दशकों के देश के सकल बजट का एक बड़ा हिस्सा चट कर गई हैं। कौशल विकास के कार्य में लगी राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार में पंजीकृत सभी अनगिनत एनजीओज़ को कोरोना के बचाव का व्यावहारिक प्रशिक्षण देने में युद्ध स्तर पर क्यों नहीं लगा दिया जाता। यह सवाल भी क्यों नहीं उठाया जाना चाहिए, कि इतनी सारी प्रयोगशालाओं तथा डॉक्टरों, वैज्ञानिकों के बावजूद, हमारा भारी-भरकम स्वास्थ्य मंत्रालय तथा आयुष मंत्रालय द्वय कोरोनावायरस को नियंत्रित करने की अचूक कारगर आयुर्वेदिक औषधियों का विकास क्यों नहीं कर पाया है? इस ट्विन मंत्रालय के खाते में कोरोना से बचाव के लिए दादी अम्मा के परंपरागत काढ़े की सलाह तथा बाबा रामदेव को गोद में बिठा कर उन्हें और उनकी दवाइयों को क्लीनचिट देने के अलावा और कोई उपलब्धि आखिर क्यों नहीं है? सबसे महत्वपूर्ण बात यह है, कि जब देश का समग्र प्रशासन स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य सभी विभाग इस महामारी से जूझने के लिए एकजुट तथा सक्षम नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे में देश की सिविल सोसाइटीज को आगे बढ़कर अपनी सक्रिय व प्रभावी जिम्मेदारी निभानी होगी। इस आपदा में अब अवसर ढूंढने के बजाय हम सबको इससे लड़ने हेतु निस्वार्थ एकजुटता बनानी होगी। केंद्र तथा राज्य में, सरकारी विभागों में, सिविल सोसायटीज, समाजसेवी संस्थाओं में परस्पर समन्वय स्थापित करना प्रथम प्राथमिकता होनी चाहिए। इन समस्त संस्थाओं को, तथा देश चलाने वालों को यह याद रखना चाहिए कि राष्ट केवल भूमि का टुकड़ा नहीं होता है राष्ट्र अपनी जनता से होता है, और आज इस महामारी की मार से यह जनता बेबस जरूर है, लेकिन यह सभी के आचरण तथा क्रियाकलापों को बारीकी से देख परख रही है, और उनकी इस दौर की चूकें निश्चित रूप से भावी इतिहास में दर्ज होगी, बशर्ते की इतिहास लिखने और पढ़ने के लिए आने वाली पीढ़ी इन षड्यंत्रों से, प्राकृतिक प्रकोपों से, महामारियों से सुरक्षित बची रहे।। यह समझ से परे है कि,आखिर हम इस बिंदु पर क्यों शोध नहीं करते कि खानपान तथा रहन-सहन की वह कौन सी विशेषता है कि,आज भी हमारे वनवासी,जनजातीय समुदायों में, धुर ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना अपना मारक प्रभाव क्यों नहीं दिखा पाता है। हमने बस्तर के कई सुदूर गांवों का भ्रमण व सर्वेक्षण किया और पाया कि कोरोना के तमाम बदलते घातक स्वरूपों से राष्ट्रीय राजमार्ग से करीब 10 किलोमीटर दूर, गांवों में रहने वाला हमारा जनजातीय समुदाय लगभग शतप्रतिशत इस महामारी की मारक क्षमता से बचा हुआ है। आखिर वह कौन सा रक्षा कवच है तथा अमोघ अस्त्र है इन जनजातीय समुदायों के पास। प्रकृति के साथ सहजीवन कि इनकी जीवनशैली से हमें अभी बहुत कुछ सीखने समझने और अनुकरण करने की जरूरत है। । भविष्य को लेकर मनुष्य इतना आशंकित कभी नहीं रहा है। हमारे इर्द-गिर्द कोरोना के आकस्मिक झपट्टे के शिकार साथियों का हश्र को देखकर तो यह भी दावे से नहीं कहा जा सकता, कि ,मैं भविष्य में फिर कभी अपने लेख के जरिए आप से निश्चित रूप से आपसे मिलूंगा ही। हालांकि चट्टान पर उगने वाली दूब की आशावादिता अभी भी पूरे यकीन के साथ मुझमें कायम है, सो उम्मीद अभी जिंदा है, कि इन कठिन हालातों की काली रात का अंत जल्द होगा, तथा नई आशाएं लेकर नया सूरज उगेगा ,और जब तक ये सूरज चांद रहेंगे, तमाम दुश्वारियों के बावजूद हमारी मानव सभ्यता तथा मानवता ज़िंदा रहेगी और फलते, फूलते रहेगी।

म्यांमार संकट में भारत की भूमिका

रवींद्र पाल सिंह
(लेखक सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी हैं)

इस साल 1 फरवरी को म्यांमार की सेना (टाटमाडॉ) के राजनीतिक सत्ता संभालने और चुने हुए प्रतिनिधियों की गिरफ्तारी के परिणामस्वरूप, म्यांमार के लोग तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए हजारों की संख्या में निकले। सेना का दावा है कि इसने कथित चुनावी धोखाधड़ी के कारण 2008 के संविधान (सेना द्वारा लिखित) के आपातकालीन खंड के तहत सत्ता संभाली। हालांकि, चुनाव आयोग ने नवंबर 2020 के चुनावों को स्वतंत्र और बड़े पैमाने पर निष्पक्ष घोषित किया था।

जनमत की अदालत ने अपना फैसला स्वैच्छिक प्रदर्शनों के माध्यम से सुनाया, जो फरवरी की शुरुआत में लगभग 500 जीवन का दावा करते थे। लोगों के गुस्से से पता चलता है कि आंग सान सू की की अगुवाई वाली नेशनल लीग ऑफ डेमोक्रेसी (एनएलडी) को चुनावों में भारी सफलता मिली, उनके परिवार के सदस्यों के नाजायज धंधों को बचाने के लिए सेना के आरोप सत्ता पर काबिज होने के बहाने मात्र हैं। हालांकि, आपातकाल और सेना के अधिग्रहण को सही ठहराने के लिए सार्वजनिक अशांति या कानून-व्यवस्था के टूटने के मामले नहीं थे, लेकिन सेना प्रमुख, सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग ने राष्ट्रपति को गिरफ्तार कर लिया और उनकी जगह उनके कठपुतली उपराष्ट्रपति को नियुक्त किया, जिन्होंने आपातकाल की घोषणा की सत्ता लेने के लिए सेना के लिए। चुने गए प्रतिनिधियों को 1 फरवरी को पद की शपथ लेने से रोका गया था। जाहिर है, वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग और अन्य जनरलों द्वारा तख्तापलट सू की के खिलाफ नहीं बल्कि म्यांमार के लोगों के खिलाफ था।

तख्तापलट के परिणाम तब से सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों और सैनिकों द्वारा बेतरतीब गोलीबारी के माध्यम से खेले गए हैं, जिन्हें अपने मूल अधिकारों को आत्मसमर्पण करने के लिए आबादी को आतंकित करने और ज़बरदस्ती करने के लिए एक मुफ्त हाथ दिया गया है। 1962 में पहले सैन्य तख्तापलट से म्यांमार में राजनीतिक संघर्ष में तातामाव के बीज प्राप्त हुए। वर्षों में सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तनों के बाद, जनरलों

ने 2008 के संविधान के तहत चुनाव की अनुमति दी। इसमें लगभग 35 प्रावधान थे जो केंद्र और प्रांतीय सरकार के स्तर पर सेना को राजनीतिक निर्णय लेने में प्रधानता रखने की अनुमति देते थे।

लगभग 35 प्रतिशत आबादी के साथ, म्यांमार के क्षेत्र के बड़े क्षेत्रों में लगभग 18 प्रमुख जातीय समुदायों का निवास था, बहुसंख्यक बारमार आबादी में इरावदी और साल्वेन नदियों के केंद्रीय उपजाऊ घाटियों का निवास था। 1960 के दशक के बाद से अल्पसंख्यकों ने आत्म-सुरक्षा के लिए अपने स्वयं के जातीय सशस्त्र संगठनों (ईएओ) को खड़ा किया, जिसने तातमाडव को राष्ट्रीय अखंडता के केंद्र चरण को धारण करने का औचित्य दिया। 2008 के संविधान ने सेना प्रमुख, सीनियर जनरल मिन आंग हलिंग के उम्मीदवारों द्वारा राष्ट्रीय और क्षेत्रीय / राज्य दोनों संसदों में 25 प्रतिशत सीटों पर कब्जा करके इसे राजनीतिक अधिकार दिया। समय में, तातमाडॉ म्यांमार के लोगों के नहीं, जनरलों और कर्नलों के निजी व्यावसायिक हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए आया था। तख्तापलट के बाद तेजी से सामने आई घटनाओं की ओर बढ़ते हुए, सैन्य लक्ष्य पर निर्वाचित विधायक देश छोड़कर भाग गए। विधायकों का एक समूह भूमिगत हो गया और खुद को सीआरपीएच, या (संसद) का प्रतिनिधित्व करने वाली समिति के रूप में संगठित किया। सैन्य, नागरिक विरोध को नियंत्रित करने के लिए, आम तौर पर मोबाइल फोन संचार और इंटरनेट को बंद करने की रणनीति का पालन किया गया है, बिना किसी परीक्षण के प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करने के लिए आपातकाल और मार्शल कानून की घोषणा, और प्रदर्शनकारियों की यादृच्छिक हत्याओं से सदमे और खौफ। देर से, इसकी रणनीति में एक बदलाव देखा गया है। इसने मुख्य ईएओ से प्रतिक्रियाओं को भड़काने के लिए जातीय गांवों पर बमबारी शुरू कर दी है। इसका लक्ष्य बहुसंख्यक बामर्स के रक्षक के रूप में सेना के हस्तक्षेप को सही ठहराना होगा।

म्यांमार में नागरिक समाज के लिए विकल्प क्या हैं, इसके चुने हुए नेताओं और ईएओ के साथ टाटमाडॉ द्वारा हमला किया जा रहा है? सैन्य नियंत्रण बनाए रखने के लिए इसका मुख्य तर्क यह है कि ईएओ म्यांमार को जातीय-क्षेत्रीय पहचान में विभाजित करना चाहते हैं।

अल जज़ीरा द्वारा 27 मार्च को साक्षात्कार में, एनएलडी विधायक सरसा (अब छिपने में) ने म्यांमार को स्थायी लोकतांत्रिक शांति और स्थिरता के रास्ते पर वापस लाने के लिए वैकल्पिक रणनीति प्रदान करने में वैश्विक मदद मांगी। यूएन स्पेशल रैपर्टॉरिटी टॉम एंड्रयूज, हालांकि, कोई वैकल्पिक समाधान देने में असमर्थ था। यूएन सचिव, अमेरिकी राष्ट्रपति, यूरोपीय संघ और आसियान देशों द्वारा असहायता और नाराजगी की एक समान अभिव्यक्ति की गई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को म्यांमार में चल रही हिंसा का इलाज करने की आवश्यकता है, न कि एक संघर्ष समाधान मुद्दे पर बातचीत के लिए उपयुक्त, बल्कि दोषपूर्ण संविधान की समस्या के रूप में। यह दोष म्यांमार जनरलों द्वारा अपने हथियारों के बिंदु पर अपने लोगों के संप्रभु अधिकारों को स्थायी रूप से छीनने के लिए एक जानबूझकर डिजाइन है। इसलिए, भारत को एक पड़ोसी के रूप में, एक लोकतंत्र के रूप में और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य के रूप में क्या करना चाहिए? भले ही सरकार ने एक राजनीतिक दृष्टिकोण अपनाया हो, भारत के लोगों और मुक्त प्रेस को म्यांमार से भागे अशांत शरणार्थियों को लोकतांत्रिक शांति और मानवीय राहत बहाल करने के लिए कदम उठाना होगा।

फरमाया

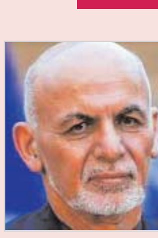

मैं तालिबान से पुनः लड़ाई और दुश्मनी छोड़कर स्थायी रूप से युद्धविराम स्वीकार करने का आह्वान करता हूं जो अफगानिस्तान की जनता की मांग है।

- अशरफ ग़नी
अफगानिस्तान के रारष्ट्रपति

मोदीनीत राजग सरकार के सातवें वर्ष की समाप्ति किस अंदाज में हुई : बढ़ती महंगाई, गिरता औद्योगिक उत्पादन, गिरता रुपया और डूबता शेयर बाजार।

- पी चिदंबरम
कांग्रेस नेता

अस्पतालों में जांच नहीं और बिस्तर नहीं, वेंटीलेटर और आक्सीजन नहीं और वैक्सीन भी नहीं, मगर सरकार टीका उत्सव मना रही है।

- राहुल गांधी
कांग्रेस नेता

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल से
pioneer.editorial@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

www.dailypioneer.com

बच्चों को खतरा

अभी हम देख रहे हैं कि कोरोन की रफ्तार दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है। नए केसों में लगातार बढ़ोतरी होने से अलग-अलग जगहों पर कर्फ्यू लगाया गया है और कई नए तरीके के प्रतिबंध देखने को मिल रहे हैं। यह स्थिति बहुत ही भयावह हो रही है। ऐसे में हमें लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए खासकर कि यह जो नई लहर कोरोना की हमारे सामने आई है उससे बच्चे बहुत अधिक हद तक प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में बच्चों को सतर्कता बरतना बहुत जरूरी हो गया है। हम देख रहे हैं कि बहुत सारे लोग बिना मास्क लगाए ही बाजारों में घूम रहे हैं और सोशल डिस्टेंसिंग वह अन्य मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं ऐसे में स्थिति और भी भयानक होती जाएगी और संक्रमण की रफ्तार बहुत ही तेजी से बढ़ेगी। उनको देखकर बच्चे भी इन मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं जिस कारण से वह बहुत जल्द ही इस लहर की चपेट में आ रहे हैं और उनमें उनके लक्षण दिखाई देने पड़ रहे हैं। अगर ऐसी ही स्थिति रही तो हमारी बहुत प्रतिशत तक आबादी कोरोना संक्रमित हो जाएगी और फिर हमें बहुत जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में हम जागरूक रहें और औरों को भी जागरूक करें और बच्चों के प्रति खासतौर से जागरूकता फैलाएं।

- सुदर्शन सोराड़ी, नैनीताल

लाश कहा रोती है, रोते हैं जलाने वाले

पिछले साल से ज्यादा इस साल खतरनाक मंजर को , मैं कभी नहीं भु ला पाऊंगा.. मैंने करीब से देखा, कही श्मशान घाट में लाशे जलती देखी..कही अस्पताल की मर्चुरी में लाशों का अंबार देखा, कही मर्चुरी के बाहर ट्रकों में लाशों को ले जाते देखा, कहीं उन परिवारों को रोते देखा, जिनका अपना इस दुनिया से चला गया, कहीं अस्पतालों के बाहर इंजेक्शन लेने के लिए लंबी कतारें देखी, कहीं अस्पतालों के मर्चुरी में शव को सड़ते देखा, कहीं बेड नहीं तो , अस्पताल के बाहर ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर सोते देखा, कहीं रेलवे स्टेशन में मजदूरों को सब कुछ छोड़ कर अपने घर जाते देखा, कहीं स्टेशन के बाहर हजारों लोगों की लंबी लाइनें देखी, कहीं स्टेशन के बाहर जमीन पर बच्चों को रोटी खाते देखा ..कहीं इंजेक्शन के लिए भर लोगों को जागते देखा, कहीं इंजेक्शन के लिए लोगों को भटकते देखा, कहीं इंजेक्शन के लिए हजारों रुपए देकर ब्लैक में लेते देखा, कहीं मैंने सबको कुछ दूरी ले जाने के लिए लूट देखा, कई पुलिसवालों को कुर्बानी देते देखा, कई डॉक्टरों को कुर्बानी देते देखा, कई व्यापारियों को इस दुनिया से जाते देखा, पत्रकारों को रिपोर्टिंग के दौरान इस दुनिया से जाते देखा...

इतनी भयावह स्थिति मैंने कभी नहीं देखी....इस बार कोविड-19 में हमें बहुत नुकसान देखने को मिला.. बुजुर्ग ,युवा ,बच्चों सबको इस वायरस ने अपनी चपेट में ले लिया...

आप सभी अपना ख्याल रखें, सुरक्षित रहे, मास्क लगाएं, सोसल डिस्टेंस का पालन करें, सरकार की गाइडलाइन का पालन करें, आप घबराइए मत वह दिन दूर नहीं हम भी एक बार फिर से जंग जीतेंगे.

-सोमेश पटेल, रायपुर

बालोद में 100 बिस्तर कोविड डेडिकेटेड हॉस्पिटल और देवरी में 50 बेड के बाद अब दल्लीराजहरा एकलव्य विद्यालय में 100 बेड ऑक्सीजनयुक्त कोविड सेंटर खोलने की तैयारी

- जो होम आइसोलेशन में उनको ऑक्सीमीटर रखना अनिवार्य- जनमेजय महोबे
- जिले में बढ़ते कोरोना के ग्राफ को लेकर कलेक्टर बेहद ही गंभीर व सजग
- पायनियर के माध्यम से कलेक्टर महोबे ने की अपील
- बिना डॉक्टर रिकमेंड व सलाह के न ले रेमिडेसीवर इंजेक्शन

रवि भूतड़ा ◀ बालोद
www.dailypioneer.com

जिले में बढ़ते कोरोना संक्रमण के ग्राफ और मौत के आंकड़े को लेकर जिला प्रशासन बेहद ही गंभीर और सजग हैं। लगातार बढ़ते कोरोना संक्रमितों को लेकर कलेक्टर जनमेजय महोबे ने भी चिंता जताई है। तो वही कलेक्टर यह भी कह रहे है कि इससे घबराने की जरूरत नहीं हैं। सिर्फ जारी की गई कोविड व लॉकडाउन गाइडलाइन का शत-प्रतिशत पालन करे। जिससे कोरोना संक्रमण की इस चेन को तोड़ा जा सके। महोबे लगातार कोविड अस्पतालों व कोविड सेंटरो का निरीक्षण कर जायजा भी ले रहे हैं। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दे रहे है। बढ़ते कोरोना संक्रमण के ग्राफ और ऑक्सीजनयुक्त बेड व आईसीयू की कमी को लेकर कलेक्टर जनमेजय महोबे ने पायनियर को खास चर्चा में बताया कि जिले में होली के बाद से केसेस बढे हैं। लगभग 200-300 के आसपास एवरेज केसेस आ रहे हैं। गुरुवार को आकड़ा कुछ कम हुआ था। लेकिन हम पूरे तरीके से तैयारी कर रहे हैं, कि यहाँ पर किसी भी तरह से मरीज को ऑक्सीजन युक्त बेड की जरुरत पड़ती है। तो हम यहाँ सेल्फ डिपेंडेंट रहें। बाहर में भी सभी बेड भर चुके हैं। इसलिए हम कोशिश कर रहे कि हम आत्मनिर्भर रहें। इसके लिए हमारी तैयारी जैसे 100 बिस्तर हमारा तैयार है।

कोविड हॉस्पिटल, जो डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल है। इसके अलावा देवरी में हमने 50 बेड की तैयारी की है। अभी वर्तमान में वहां पर 12 मरीज हैं। जैसे-जैसे जम्बो सिलेंडर की व्यवस्था हो रही है। वहां पर बेड हम ब?ाते जायेंगे। और एचआर की भी व्यवस्था वहां पर कर दी गई हैं। श्री महोबे ने आगे चर्चा में बताया कि इसी तरह दल्लीराजहरा एकलव्य हॉस्टल में ऑक्सीजनयुक्त 100 बेड की हमने वहां व्यवस्था की है। जो 3 दिन में सम्भवतः कम्पलीट हो जायेगा और वहां पर हम कोशिश कर रहे हैं कि 2 आईसीयू उपलब्ध हो जाए। अगर वो हो तो और

पायनियर चर्चा

साथ में एचआर की व्यवस्था हो जाती है, तो दल्लीराजहरा और डौंडीलोहारा क्षेत्र के मरीज वहां जा सकेंगे। इसी तरह कोविड केयर सेंटर में लगभग हमारे पास 700 से 800 बेड हैं। जहां पर मेडिसिन और अन्य तरीकों से मरीजों का इलाज और देखरेख हो रही है। श्री महोबे ने कहा कि होम आइसोलेशन में जो मरीज हैं, एक से डेढ़ हजार के आसपास। उन मरीजों के लिए भी हमारी टीम है। होम आइसोलेशन में डिप्टी कलेक्टर प्रभारी हैं और ब्लॉक लेवल उसके लिए हेल्पलाइन नंबर स्थापित किया गया है। उनकी कॉउंसलिंग की जा रही है। कोशिश की जा रही है कि होम आइसोलेशन में जो लोग रह रहे हैं। उनको भी प्रॉपर ट्रीटमेंट मिलता रहे। पायनियर के माध्यम से मैं बालोद जिले के निवासियों को ये अनुरोध करना चाहूंगा कि कृपया मास्क निरंतर पहने और घर से जब तक आवश्यक ना हो तब तक ना निकलें। अभी तो लॉकडाउन है, तो ठीक है। उसके बाद जब भी मार्केट खुलेगा, तो और जब भी लॉकडाउन खत्म होगा। तो घर से जब भी बाहर निकलें, जब बहुत आवश्यक हो और सामाजिक दूरी का पालन करें। श्री महोबे ने आगे कहा कि होम आइसोलेशन हमारा सबसे इम्पोर्टेन्ट एक वर्क है। जिसमे जितने भी मरीज हैं। उनको अगर थोड़ी भी कोई भी प्रॉब्लम आती है, तो वो कृपया हमारी हेल्थ टीम से तुरंत संपर्क करें। होम आइसोलेशन में उनको ऑक्सीमीटर रखना अनिवार्य है। बीपीएल के लोग जो होमआइसोलेशन में रह रहे हैं। उनको हमने खुद सरकारी खर्च पर ऑक्सीमीटर वगैरह और स्कैनर वगैरह उपलब्ध करवा रहे हैं और यदि वो नॉन बीपीएल हैं तो उनको अपने पास रखना चाहिए। ताकि उनको अपने ऑक्सीजन लेवल की जानकारी रहे। महोबे ने आगे कहा कि मरीज अचानक सीरियस होने पर हॉस्पिटल में आते हैं। तो काफी समस्या और सीरियस हो जाते हैं। तो हेल्थ टीम को भी काफी कोशिश करना पड़ता है, और एकदम आईसीयू में पहुँच जाते हैं। होम आइसोलेशन में जो रह रहे हैं। उनसे मेरा ये आग्रह रहेगा की वो अपने हेल्थ का ध्यान रखें और कोई भी समस्या आने पर तुरंत खबर करें।

बिना डॉक्टर रिकमेंड सलाह के न ले रेमिडेसीवर इंजेक्शन : महोबे

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने पायनियर को चर्चा में बताया कि रेमिडेसीवर इंजेक्शन के बारे में पहली बात तो यह है कि टेक्निकल आदमी ही जानता है। मतलब डॉक्टर या विशेषज्ञ ही बता सकते है कि कब रेमिडेसीवर इंजेक्शन की जरुरत हैं। श्री महोबे ने आगे कहा कि मुझे लगता है की भ्रम की स्थिति है, कुछ लोगो के द्वारा। जैसे मुझे भी फोन किया जाता है और कुछ डॉक्टरों को भी फोन किया जाता है। भ्रम की स्थिति के कारण ऐसा होता है, कि रेमिडेसीवर इंजेक्शन उनके पेसेंट को नहीं लग रहा है। ये डॉक्टर बेहतर ढंग से ही बता पाते हैं, की कब लगना है और वो कर भी रहे हैं। महोबे ने आगे कहा कि हमारे जिले में आपात की स्थिति के लिए रेमिडेसीवर इंजेक्शन उपलब्ध है। और जहाँ जरुरत प? रही है। उनको लगाया भी जा रहा है। और मरीजों की स्थिति में भी सुधार हो रहा है। लेकिन किसी भी व्यक्ति को किसी भी पेसेंट को रेमिडेसीवर लगाना, जब तक डॉक्टर का परमिशन मतलब डॉक्टर की ओर से सजेशन नहीं होगा या वो रिकमेंड नहीं करेंगे या रेफर नहीं करेंगे। तब तक लगाना संभव नहीं हो पायेगा। मेरे ख्याल से ये भ्रम की स्थिति हैं। आपके पायनियर के माध्यम से भी बता रहा हूँ। जब तक डॉक्टर रिकमेंड न करे, जब तक डॉक्टर से आप जो फिजिशियन होता है जब तक उनसे न पूछे उनसे सलाह न ले। तब तक इंजेक्शन खरीदना भी नहीं चाहिए। मार्केट में शायद उपलब्ध भी नहीं है। किन्तु हमारे हॉस्पिटल में उपलब्ध है और इमरजेंसी वाले जितने भी पेशेंट है उनको लगाया भी जा रहा है। जैसा फिजिशियन सजेस्ट करते हैं।

श्री पाटीदार समाज कर रहा है पुलिस कर्मियों के लिए पेयजल की व्यवस्था

पायनियर संवाददाता ◀ बालोद
www.dailypioneer.com

कोरोना महामारी में जिला प्रशासन के साथ कई सामाजिक संस्थाए आगे आकर मदद कर रही हैं। श्री पाटीदार समाज बालोद के द्वारा कोरोना की इस विकट परिस्थिति में जन-जागरण एवं सुचारु व्यवस्था बनाने वाले जिला मुख्यालय में तैनात पुलिस कर्मियों हेतु पेयजल की व्यवस्था की जा रही हैं। 14 अप्रैल से 20 लीटर ठंडे पानी का जार नगर के 8 चेक पोस्ट पर प्रदान किया गया हैं। जिसे प्रतिदिन सुबह प्रदान कर शाम को ख़ाली जार एकत्रित किया जा रहा हैं। समाज द्वारा शुरू इस छोटे से प्रयास के तहत जिला मुख्यालय के दल्ली चौक, जयस्तंभ चौक, ट्रैफ़िक कार्यालय, मधु चौक, पाररास, बघमरा चौक, बुधवारी बाज़ार, झलमला चौक में पानी प्रदान किया जा रहा हैं। इस नेक व सराहनीय कार्य की प्रशंसा नगर में हो रही हैं।

प्रवासी श्रमिकों के लिए आइसोलेशन सेंटर में सुविधाएं सुनिश्चित करें : कलेक्टर

पायनियर संवाददाता ◀ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण के प्रसार को देखते हुए जिले से अन्य राज्यों में गए प्रवासी श्रमिकों का आगमन होने की संभावना है। इसे ध्यान में रखते हुए जिले के प्रत्येक ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत के द्वारा आइसोलेशन सेंटर/क्वारेंटाइन सेंटर श्रमिकों के आगमन के पूर्व तैयार रखा जाए। कलेक्टर महोबे संयुक्त जिला कार्यालय के स्वान कक्ष में वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विकासखण्ड स्तरीय स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग, जनपद पंचायत आदि विभागों के संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। कलेक्टर ने कहा कि आइसोलेशन सेंटर/क्वारेंटाइन सेंटर हेतु चिन्हांकित भवन में बिजली, पेयजल, शौचालय जैसे मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित किया जाए ताकि आगन्तुक श्रमिकों को वहां निर्धारित अवधि तक रखा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रवासी श्रमिकों की पंचायतवार सूची संधारित कराए।

विवाह एवं अंत्येष्टि जैसे कार्यक्रमों के आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें- कलेक्टर महोबे ने कहा कि विवाह कार्यक्रम वर अथवा वधू के निवास-गृह में ही आयोजित करने की शर्त के साथ आयोजन में शामिल होने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या दस निर्धारित की गई है। इसी प्रकार अंत्येष्टि, दशगात्र, इत्यादि मृत्यु संबंधी कार्यक्रम में शामिल होने वाले व्यक्तियों की अधिकतम संख्या दस निर्धारित की गई है।

विवाह एवं अंत्येष्टि जैसे कार्यक्रमों के लिए जिला प्रशासन द्वारा जारी आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि होम आईसोलेशन में रह रहे मरीजों से सम्पर्क कर नियमित रूप से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लें। उन्होंने समस्त विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु जारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अपने कर्तव्य का निर्वहन करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर संयुक्त जिला कार्यालय के स्वान कक्ष में कोविड-19 टीकाकरण के जिला नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर अभिषेक दीवान, डिप्टी कलेक्टर सुब्रत प्रधान, जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी हेमंत ठाकुर सहित अन्य संबंधित अधिकारी और जनपद पंचायतो के स्वान कक्ष में एसडीएम, तहसीलदार, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, जनपद पंचायतों के सीईओ, नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी आदि मौजूद थे।

कोविड केयर सेंटर, आइसोलेशन केन्द्र में नोडल अधिकारी नियुक्त

पायनियर संवाददाता ◀ बालोद
www.dailypioneer.com

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने आदेश जारी कर कहा है कि कोविड-19 से संक्रमित पॉजिटिव मरीज के उपचार हेतु जिला मुख्यालय में कोविड हॉस्पिटल तथा विकासखण्ड स्तर पर कोविड केयर/ आइसोलेशन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। मरीजों के उपचार संबंधी सुविधाओं की सतत् मॉनीटरिंग कर कठिनाईयों के निराकरण संबंधी समन्वय हेतु कोविड केयर/आइसोलेशन केन्द्रों हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी आदेश के अनुसार लाईवलीहुड कॉलेज पाकुरभाट हेतु नोडल अधिकारी सुनील नामदेव, कार्यपालन अभियंता पीएमजीएसवाई (मोबाइल नम्बर 9981508885) को बनाया गया है। इसी प्रकार पीडब्ल्यूडी कॉलोनी बालोद हेतु नोडल अधिकारी आदर्श साव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंत्यावसायी (मोबाइल नम्बर 9981849309), आईटीआई धनोरा हेतु नोडल अधिकारी नरेन्द्र सिंह ठाकुर खेल अधिकारी (मोबाइल नम्बर 9685200210), आईटीआई खलारी हेतु नोडल अधिकारी प्रदीप कुमार महेश्वरी प्रभारी क्रेडा (मोबाइल नम्बर 9407908955), स्पोर्ट्स क्लब दल्लीराजहरा हेतु नोडल अधिकारी प्रवीण चन्द्राकर सहायक खनिज अधिकारी (मोबाइल नम्बर 9754133541), शहीद अस्पताल दल्लीराजहरा हेतु नोडल अधिकारी पीसी मरकले राजीव गांधी शिक्षा मिशन समन्वयक (मोबाइल नम्बर 9425259187) और आईटीआई बटेरा हेतु नोडल अधिकारी नदीम काजी, उप संचालक समाज कल्याण (मोबाइल नम्बर 7974658279) को बनाया गया है।

बढ़ते कोरोना संक्रमण के आंकड़ों को लेकर जिला प्रशासन गंभीर

- कलेक्टर ने महावीर आईटीआई का किया निरीक्षण, 50 बेड कोविड सेंटर खोलने की तैयारी

पायनियर संवाददाता ◀ बालोद
www.dailypioneer.com

जिले में बढ़ते कोरोना संक्रमण के आंकड़ों को लेकर जिला प्रशासन बेहद गंभीर और सजग नजर आ रहा हैं। लगातार सामने आ रहे कोरोना संक्रमित मरीजो के लिए नए कोविड सेंटर खोलने की तैयारी सहित व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने जिला प्रशासन जुटा हुआ हैं। कलेक्टर जनमेजय महोबे स्वयं कोविड अस्पताल और कोविड सेंटरो का निरीक्षण कर जायजा ले रहे हैं। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दे रहे हैं। गुरुवार को कलेक्टर जनमेजय महोबे ने महावीर आईटीआई और कुर्मी भवन का निरीक्षण किया। इन भवन में 50-50 बेड कोविड सेंटर तैयार किया जाएगा। महावीर आईटीआई के लिए तो प्रबंधन ने कोविड सेंटर के लिए हामी भर दी है। वही कुर्मी भवन में कोविड सेंटर खोले जाने के लिए वार्ड के कुछ लोग आपत्ति जता रहे हैं। क्योकि कुर्मी भवन के आसपास कई परिवार निवासरत हैं। हालांकि अभी महावीर आईटीआई में कोविड सेंटर खोले जाने की तैयारी की जा रही हैं। वही श्री महोबे ने कहा कि जरूरत पड़ी तो सामाजिक भवन सहित अन्य भवनों को अधिग्रहण भी किया जाएगा। महोबे ने लोगों से अपील भी की हैं कि आपदा के इस घड़ी में सब एकजुट होकर आगे आये। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने आगे अपील करते हुए कहा कि लॉकडाउन की गाइडलाइन का सभी पालन करे। अपने घरों में ही रहे। नियमित हाथ धोएं और अतिआवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकले। मॉस्क का उपयोग करें। श्री महोबे ने आगे कहा कि कोरोना की इस चेन को हमे कैसे भी तोड़ना है। हमे मिलकर कोरोना को हराना हैं। जिसमे सबका सहयोग जरूरी हैं।

ऑक्सीजन बेड की जिले में कमी नहीं, चंदूलाल चंद्राकर कोविड हास्पिटल में अभी 50 आक्सीजन बेड उपलब्ध

- 25 बेड का वेंटिलेटर युक्त आईसीयू भी बनाया जा रहा अस्पताल में

दुर्ग। जिले में कोविड पाजिटिव एवं कोविड संदिग्ध मरीजों के लिए आक्सीजन बेड की कमी नहीं है। अभी चंदूलाल चंद्राकर कोविड हास्पिटल में 50 आक्सीजन बेड उपलब्ध है। यहाँ 25 बेड का वेंटिलेटर युक्त आईसीयू भी बनाया जा रहा है। आज कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने चंदूलाल कोविड केयर हास्पिटल का निरीक्षण किया और यहाँ पर व्यवस्था की मानिटरिंग की। उन्होंने अस्पताल प्रबंधकों से मरीजों के परिजनों की काउंसिलिंग की व्यवस्था भी बेहतर रखने के निर्देश दिये ताकि उन्हें समय-समय पर अपडेट्स मिलते रहें।

शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को खोलने का आदेश जारी

- टोकन सिस्टम से संचालित होगी दुकानें
- राशन दुकान के सामने बांस-बल्ली और चूना से घेरा करना होगा अनिवार्य

पायनियर संवाददाता ◀ बालोद
www.dailypioneer.com

जिला प्रशासन ने जारी लॉकडाउन व बढ़ते कोरोना संक्रमण के बीच शासकीय उचित मूल्य की दुकान खोलने का आदेश जारी किया हैं। अब राशन दुकान का संचालन टोकन सिस्टम से नियमित रूप से होगा। राशन दुकान के सामने बास-बल्ली और चुना से घेरा करना अनिवार्य होगा। राशन दुकान के संचालक को कोरोना गाईडलाईन का पालन करना होगा।

साथ ही राशन दुकान के संचालक सहित हितग्राहियों को मॉस्क का उपयोग और सोशल डिस्टेसिंग का भी ध्यान रखना होगा। कलेक्टर जनमेजय महोबे द्वारा 12 अप्रैल को जारी किए गए आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए जिले में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को टोकन सिस्टम से नियमित रूप से संचालन करने का आदेश जारी किया गया हैं। श्री महोबे द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन के समय दुकान के सामने रस्सी, बांस, बल्ली का घेरा लगाना आवश्यक होगा। दुकान संचालक को मास्क एवं सेनेटाईजर का उपयोग करना आवश्यक होगा तथा विक्रेता को भी मास्क एवं सेनेटाईजर का उपयोग करना आवश्यक होगा तथा विक्रेता को भी मास्क का उपयोग के साथ ही साथ 2 गज की दूरी बनाये रखना अनिवार्य होगा। जारी आदेश में आगे कहा गया है कि राशन दुकान के सामने विक्रेताओं के लिए चुने का घेरा कराना आवश्यक होगा। शासन द्वारा जारी कोविड-19 के समस्त दिशा-निर्देशों का पालन करना आवश्यक होगा। निर्देशों का उल्लघंन किये जाने की स्थिति में कठोर कार्यवाही की जायेगी जिसकी, जिम्मेंदारी संबंधित व्यक्ति की होगी।

कार्यालय, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जिला-बालोद (छ.ग.)

निकुम के आइसोलेशन सेंटर का निरीक्षण करने पहुँचे कलेक्टर, हनोदा में हो रही टेस्टिंग देखी

ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण पर रोक लगाने हो रहे कार्यों की मॉनिटरिंग करने पहुँचे कलेक्टर

- कहा पहले बुजुर्गों की टेस्टिंग कराएं, ग्राम अंडा भी पहुँचे, यहाँ भी कोरोना संक्रमण की स्थिति देखी

पायनियर संवाददाता ◀ दुर्ग
www.dailypioneer.com

कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर यहाँ कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए हो रहे प्रयासों की मानिटरिंग की। उन्होंने वैक्सीनेशन, टेस्टिंग और ट्रीटमेंट तीनों ही पक्षों में हो रहे कार्यों के संबंध में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों की जानकारी ली, ग्रामीणों से फीडबैक लिया और एसडीएम विनय पोयाम तथा बीएमओ से इस संबंध में चर्चा की। उन्होंने दुर्ग ब्लाक के विभिन्न गाँवों में आए कोरोना के मामलों और इस पर की गई प्रशासनिक कार्रवाई की जानकारी ली। सबसे पहले वे निकुम पहुँचे। यहाँ 20 बेड का आइसोलेशन सेंटर कोरोना सस्पेक्टेड मरीजों के लिए बनाया गया है। यहाँ उन मरीजों को रखा जाएगा जिनका एंटीजन टेस्ट निगेटिव आया है लेकिन कोविड के लक्षण हैं साँस लेने में दिक्कत है और सैंपल आरटीपीसीआर तथा ट्रूनाट के लिए भेजा गया है। यहाँ पर चिकित्सक तथा स्टाफ नर्स की व्यवस्था रहेगी। कलेक्टर ने निकुम में कोरोना संक्रमण की स्थिति के बारे में बीएमओ से पूछा। उन्होंने कहा कि मरीजों के आक्सीजन लेवल पर नजर रखें और किसी तरह की दिक्कत आने पर तुरंत जिला मुख्यालय स्थित हायर सेंटर रिफर करने की कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने एसडीएम से स्थानीय अमले के माध्यम से व्यापक चिन्हांकन अभियान जारी रखने कहा। उन्होंने कहा कि पल्स आक्सीमीटर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं ग्राम पंचायतों में उपलब्ध कराये गए हैं। इनके माध्यम से व्यापक चिन्हांकन कराएं ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में संक्रमण को पूरी तरह से रोका जा सके। प्रिजंप्टिव मरीज का इलाज भी आरंभ कर दिया जाए।

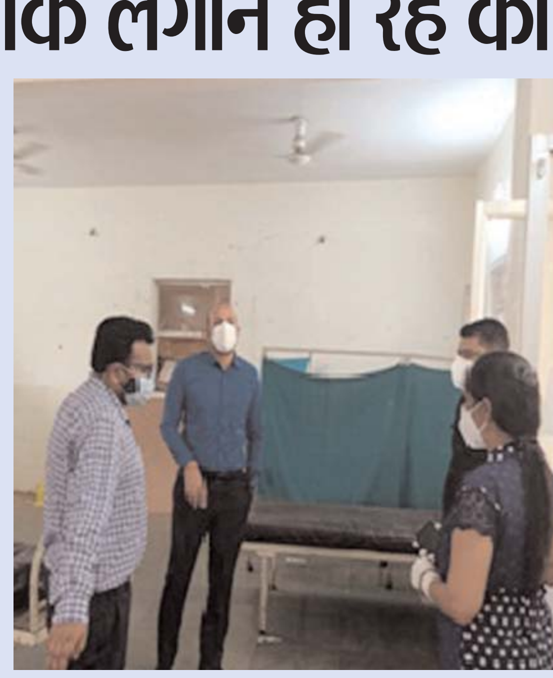

हनोदा में देखी टेस्टिंग- कलेक्टर ने हनोदा में टेस्टिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि टेस्टिंग में सबसे पहले उन बुजुर्गों की टेस्टिंग करें जिनकी तबियत अच्छी नहीं है। साथ ही वहीं मौके पर आक्सीजन लेवल की जाँच भी करें। यदि आक्सीजन देने की कार्रवाई की जानी है तो वहीं पर आक्सीजन भी दें। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को कहा कि टेस्टिंग की व्यवस्था मुकम्मल करें ताकि इसमें काफी कम समय लोगों को देना पड़े। टेस्टिंग बिल्कुल समय पर शुरू हो जानी चाहिए और जल्दी जल्दी होनी चाहिए।

अंडा भी पहुँचे, यहाँ वैक्सीनेशन की ली जानकारी- कलेक्टर ग्राम अंडा भी पहुँचे। यहाँ उन्होंने वैक्सीनेशन की स्थिति की जानकारी ली। यहाँ स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि वैक्सीनेशन का लक्ष्य काफी हद तक पूरा कर लिया गया है।

क्विक न्यूज

वैक्सिन का दूसरा टीका लगाने की जनता से अपील

मुंगेली। स्वतंत्र मिश्रा शहर कांग्रेस कमेटी मुंगेली के जिला हास्पिटल मुंगेली में कोविड 19 वैक्सिन का दूसरा टीका लगवाकर मुंगेली की आम जनता से अपील किया कि मैंने अपने एवं अपने परिवार के प्रति जिम्मेदारी को निभाया आप भी अपना एवं अपने लोगों की सुरक्षा के लिए वैक्सीन जरूर लगवाएं। सभी लोगो से अपील की दो गज की दूरी,मास्क है जरूरी, सैनिटाइजर का उपयोग बार-बार करे अपनी बारी आने पर वेक्सीन जरूर लगवाये।

पीडीएस दुकानों के संचालन की मिली अनुमति

रायगढ़। कलेक्टर भीम सिंह ने कोरोना वायरस के संक्रमण से बचावधोकथाम एवं सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए 16 से 22 अप्रैल तक शासकीय उचित मूल्य दुकानों को सशर्त शर्तों के साथ संचालन के लिए अनुमति दी है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिले में संचालित समस्त शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को 16 से 22 अप्रैल तक प्रातः सात बजे से दोपहर 12 बजे तक हितग्राहियों को टोकन जारी कर खाद्यान्न सामग्री वितरण करने की अनुमति होगी। सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों के बाहर सोशन डिस्टेंसिंग का पालन किए जाने के लिए दो गज की दूरी पर घेरा बनाकर वितरण करना सुनिश्चित करेंगे। शासकीय उचित मूल्य दुकान के हितग्राहियों को वितरण के पूर्व शा.उ.मू.दुकान के संचालक द्वारा टोकन जारी किया जाएगा। तत्पश्चात ही खाद्यान्न का वितरण किया जाएगा। ताकि दुकान में अनावश्यक भीड़ न हो। शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक के द्वारा दुकान के बाहर सेनेटाईजर एवं हाथ धोने के लिये साबुन की व्यवस्था करना अनिवार्य होगा।

हाइड्रा की ठोकर से ढही दीवार, मजदूर की मौत

रायगढ़। पूंजीपथरा थाना क्षेत्र स्थित विमल फैक्ट्री में सुरक्षा व्यवस्था को दरकिनार कर काम करवाया जा रहा था। तभी दर्दनाक घटना घटित हुई। जहां लापरवाही पूर्वक हाइड्रा को बैक करते समय हाइड्रा ईट के दीवाल से टकरा गई जिससे चार दिवारी के अंदर थकावट मिटाने के लिए आराम कर रहे एक मजदूर के ऊपर दीवार गिरने से अकाल मौत हो गई, तो वहीं एक अन्य मजदूर लोचन चौहान को भी चोंट आयी है। इस संबंध में मिली जानकारी अनुसार ग्राम गोधना थाना नवागढ़ जिला जांजगीर चांपा निवासी ठंडा राम साहू विगत 4 माह से परिवार सहित सराईपाली में रहकर विमल फैक्ट्री में रोजी मजदूरी का काम करता था।

निधन
प्रशांत शर्मा

मुंगेली। मुंगेली (पौसरी) निवासी प्रषांत शर्मा (व्याख्याता) पिता स्व. चन्द्र किषोर शर्मा उम्र 59 वर्ष का हार्ट अटैक से मंगलवार को आकस्मिक निधन हो गया। श्री शर्मा प्रवीण व विजय शर्मा के बड़े भाई थे।

सायबर सेल की सक्रियता से पेटीएम गेट-वे ने वापस किए ठगी के 4,69,000

■ रिटायर्ड एएसआई से हुआ था ऑनलाइन ठगी का शिकार

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

एसपी संतोष सिंह की पहल पर ठगी का शिकार हुए रिटायर्ड एएसआई के बैंक खाता में 4.69 लाख रूपये पेमेंट गेट वे पेटीएम द्वारा वापस कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पिछले साल माह सितम्बर 2020 को रिटायर्ड एएसआई फकीर चंद सिदार को अज्ञात कॉलर द्वारा पेंशन के संबंध में जानकारी देने का झांसा देकर उनसे ए.टी.एम. कार्ड का नम्बर पूछकर दिनांक दो एवं 03-09-20 को 6 लाख 44 हजार रूपये तथा उनकी पत्नी के खाते से 3,78,000 का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन किया गया था। पत्नी का बैंक खाता ज्वाइंट एकाउंट था। इस प्रकार एएसआई फकीरचंद सिदार से कुल 10,22,000 की ऑनलाइन ठगी हुई थी। घटना के संबंध में थाना पुसौर में अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध धारा 420 भादंवि के तहत रिपोर्ट दर्ज किया गया था। पुसौर पुलिस एवं सायबर सेल संदिग्धों के मोबाइल कॉल रिकॉर्ड सीडीआर, एनालिसिस कर झारखंड से संदेही खिरोधर महतो उर्फ मिथुन पिता महरु महतो उम्र 22 वर्ष, श्रवण कर्मकार पिता झगरू कर्मकार 28 वर्ष एवं अपचारी बालक सभी निवासी ग्राम ठाकुरचक थाना निनियाघट जिला गिरिडीह झारखंड को पूछताछ कर रायगढ़ लाया गया। आरोपियों द्वारा प्रात कबूल कर इनके गिरोह का मुखिया आरोपी लक्ष्मण मंडल को बताये जो गिरफ्तारी के भय से लगातार लुकछिप रहा है। पुसौर पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों का चालान न्यायालय प्रस्तुत किया जा चुका है। सायबर सेल को अज्ञात आरोपियों द्वारा ऑनलाइन ट्रांजैक्शन में जितने पेमेंट गेट-वे का उपयोग कर रूपए प्राप्त किए हैं, उन्हें होल्ड कराने तथा फाल्स ट्रांजेक्शन होने का लेटर सभी गेट-वे को लिखकर रूपए वापस करने की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया गया। सायबर सेल द्वारा पुलिस अधीक्षक की ओर से बैंक व पेमेंट गेट को लेटर ई-मेल किया गया। पेमेंट गेट-वे पेटीएम द्वारा एफआईआर व पुलिस जांच के आवश्यक दस्तावेजों की मांग की गई जिसे सायबर सेल द्वारा उपलबध कराया गया, अपनी पूरी जांच के बाद गेट-वे द्वारा भी ट्रांजेक्शन को फाल्स पाए और फरवरी 2021 को पीड़ित एएसआई के खाते में उस गेट-वे से ट्रांजेक्शन हुए 4,69,000 रूपये वापस कर दिया गया है। अन्य गेट-वे अपनी जांच प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। रिटायर्ड एएसआई फकीरचंद सिदार ने बताया कि उनको खाते में रूपये आने का मैसेज नहीं आया था तो जानकारी नहीं हुई। अप्रैल माह में जानकारी होने पर सायबर सेल जाकर पता किया तो, स्टाफ बताए। फकीरचंद सिदार ने यह भी बताया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा उन्हें बैंक लोकपाल में शिकायत करने की सलाह दिए थे। जिस पर वे वकील के माध्यम से बैंक लोकपाल, रायपुर व उपभोक्ता फोरम रायग? में शिकायत किये हैं, जहां जांच प्रक्रियाधीन है।

गणगौर के गीतों ने ऑनलाइन समा बांधा

पायनियर संवाददाता ◄ सक्ती
www.dailypioneer.com

माता गणगौर के गीतों का आंनद ही कुछ और है,लॉक डाउन के कारण श्री माहेश्वरी सभा रायपुर द्वारा 15 अप्रैल को गणगौर तीज उत्सव पर जूम के माध्यम से गणगौर गीतों की संध्या का आयोजन किया गया,समाज के लोगो ने आनंद उमंग के साथ भाग लिया व गीतों की मनमोहक प्रस्तुति दी,भक्ति गीतों की श्रृंखला की शुरुवात डॉ दंपत्ति सतीश एवम् छाया जी के गणेश वंदना रनक भवन थोरो देश, पधारो जी गणेश के साथ प्रारंभ किया। इसके पश्चात भाई जीतेश ने चंग एवम् ढफ की ताल के साथ सुगणा रो बाजा बाजे के माध्यम से माता को रिझाया। एक बार आवो जी गवरजा म्हारे आंगणे, दीपक डागा एवम् परिवार, आशा राठी बधाओं रामा आंगणे, हर्षिका मल्ल एवं परिवार आतो तीजां रो त्योहार हरखायो. प्यारो लागे तालोटा की तर्ज पर डॉ सतीश राठी एवम् परिवार ने हे मां गवरल घर आवो, इसर जी ने सागे लावो आदी प्रस्तुत भजनों के माध्यम से माहौल बना दिया। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष सम्पत काबरा, सचिव कमल राठी, कार्यक्रम संयोजक-संदीप मर्दा, सूत्रधार-गोपाल बजाज, ज्योति राठी राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अ.भा. महिला संगठन, डॉ शरद चांडक, छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा के प्रदेश मंत्री सुरेश मूंधड़ा, भूपेन्द्र करवा, दिनेश डागा, अजय सारडा-जिला अध्यक्ष, सूरज प्रकाश राठी, शीलू राठी सहित समाज के माता के भक्तजन उपस्थित रह लॉक डाउन में ऑनलाइन के माध्यम से आनन्द उत्साह से मनाया,उक्ताशय की जानकारी सूरज प्रकाश राठी माहेश्वरी सभा रायपुर प्रचार प्रसार प्रभारी ने दी है।

मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा की सेवाभावी नागरिकों से अपील

पायनियर संवाददाता ◄ सक्ती
www.dailypioneer.com

मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा द्वारा शहर सहित आसपास के सेवाभावी नागरिक बंधुओं से अपील की गई है कि वे वर्तमान समय में कोविड 19 के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए एवं ऑक्सीजन सिलेंडर इत्यादि की समय-समय पर होने वाली जरूरतों के मद्देनजर अपना भी यथा संभव बढ़-चढ़कर सहयोग करें।

तथा शक्ति शाखा के अध्यक्ष मनीष कथुरिया एवं ऑक्सीजन सिलेंडर के प्रभारी कैलाशचंद्र अग्रवाल (पुष्पा) ने कहा है कि मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा द्वारा विगत दो दशकों से निरंतर शहर सहित आसपास के क्षेत्र में आपातकालीन ऑक्सीजन सिलेंडर सेवा संचालित की जा रही है, तथा वर्तमान कोविड-19 के संक्रमण की

परिस्थिति को देखते हुए इस सेवा कार्य को और अधिक विस्तारित किया जा रहा है, तथा शहर सहित आसपास के जो भी सेवाभावी, दानदाता बंधु अपने प्रियजनों की स्मृति में या की सेवा में उद्देश्य से मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा को ऑक्सीजन सिलेंडर या की ऑक्सीट्रेटेट मशीन दान करना चाहते हैं,वे तत्काल मारवाड़ी युवा मंच शक्ति शाखा से संपर्क कर इस सेवा के स्थाई कार्य में सहभागी बन सकते हैं।

लॉकडाउन का असर, मुख्य सड़कें सूनी, गलियों में बेखौफ घूमते लोग

पायनियर संवाददाता ◄ मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिले में तीसरे दिन भी लाकडाउन का असर देखा गया जहां नगर की मुख्य सड़कें सूनी रही वही गलियों में बेखौफ घूमते लोगों कोरोना से दो-दो हाथ करने का मन बना कर गलियों में घूमते नजर आये, लगातार बढ़ते संक्रमण के इस दौर में जहां प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती कोरोना वारियर्स और अपने अमले को सुरक्षित रखने की तो है ही , वही दूसरी तरफ ऐसे लोगों पर भी नजर रखने की है जो कभी भी कोरोना विस्फ ोट का करण बन सकते है। बीते कल स्वास्थ विभाग द्वारा जारी आकड़ों के मुताबिक गुरूवार को 1821 सेम्पल में 288 प्रकरण संक्रमित पाये गए हैं। जिनमें से 149 मुंगेली विकास खण्ड में, 113 लोरमी विकास खण्ड के तथा 26 पथरिया विकास खण्ड के है। जिससे कुल संक्रमित केस के संख्या 6574 हो गई है। राहत की बात यह है कि आज 36 लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए है। कुल डिस्चार्ज होने वाले की संख्या 4422 है। कोरोना से अभी तक जिले में 38 मौत हो चुकी है। गुरूवार को कुल एक्टिव केस की संख्या 2114 पहुच गई है। टीका लगाने का लक्ष्य 215951 है जिनमें से आज 918 लोगो ने वैक्सिन लगवाया। अब तक प्रथम डोज के 119062 लोगो ने टीके लगवाए जिसका प्रतिशत 55 रहा। वहीं द्वितीय डोज में 5546 लोगो ने टीके लगवाये जिसका प्रतिशत3 रहा। वहीं जिला अस्पताल में 1 महिला, 1 पुरूष, सीएचसी पथरिया 1, सीएचसी सरगांव 1 में संक्रमित मिले। लाकडाउन का असर दिखा सामनो पर भी - अब धीरे धीरे लाकडाउन का असर फ्ल, हरी सब्जियो,आलू प्याज, सहित पान मसाला के उत्पादो में झलकने लगा है, लाक डाउन से पहले जहां आलू प्याज की कीमत लगभग 15से 20 रूप्ये तक थी वही इस समय आलू लगभग 30 से 40 रू. तक पहुच गया है, इसी तरह हरी सब्जियों के आवक में कमी होने से इनके दामो में भी बढ़ोत्तरी देखी जा रही है। इसके अलावा पान मसाला सहित टुबैको के उत्पादो में भी बढोत्तरी देखी जा रही है। बता दे कि जिला कलेक्टर द्वारा कालाबाजारियो के खिलाफ कार्यवाही के निर्द्रेष दिये गये थे अब लाकडउन की अवधी में सामानो के दाम यकायक बढने से लोगो कार्यवाही की उम्मीद जता रहे है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रत्येक नगर में इलेक्ट्रिक शवदाहगृह का निर्माण : अशोक चौधरी

पायनियर संवाददाता ◄ सक्ती
www.dailypioneer.com

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी कंजूमर अफेयर डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्ष अशोक चौधरी चाम्पा ने छत्तीसगढ़ शासन से मांग की है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रत्येक शहरों में पांच- पांच की संख्या में वर्तमान कोविड-19 के संक्रमण की परिस्थितियों को देखते हुए इलेक्ट्रिक शवदाहगृह का निर्माण होना चाहिए, अशोक चौधरी चांपा ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सहित सभी राज्यों में ऑक्सीजन की आपूर्ति में परेशानी आ रही है, और ऐसे में आज कोविड-19 से मरने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है, इससे दाह संस्कार में भी लकड़ियों की परेशानी देखने को मिल रही है वही शमशान घाटों के आस पास बेजाकब्जाधरियों की संख्या बढ़ते जा रही है, इनके द्वारा शवों को शमशान घाट पर दाह संस्कार का विरोध किया जाता है, और साथ ही इन लकड़ियों की जरूरत को देखते हुए ऐसा महसूस हो रहा है कि पूरे देश सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश की भी हरियाली नष्ट हो जावेगी प्रकृति की आबो हवा व उससे मिलने वाला आक्सीजन हरियाली खत्म होती दिख रही है, ऐसे में अशोक चौधरी ने छत्तीसगढ़ शासन से मांग की है कि इन बातों को ध्यान में रखते हुए सभी शहरों में पांच-पांच इलेक्ट्रिक शवदागृह का निर्माण हो, जिससे हमारी छत्तीसगढ़ की हरियाली को नष्ट होने से बचाया जा सके। एवम आगामी भविष्य में लोगों को इससे ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी व छत्तीसगढ़ की हरियाली नष्ट होने से बच जावेगी।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) की कार्यकारिणी घोषित

पायनियर संवाददाता ◄ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश में तेज़ी से बढ़ते कोरोना महामारी के संकट को ध्यान में रखते हुए हिंदू नववर्ष (चैत्र नवरात्रि) और रमज़ान शरीफ़ की पूर्व संध्या के शुभ दिन को जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने अजीत जोगी के स्वर्गवास के बाद भंग किए गए संगठन का पुनर्गठन कर दिया है। पार्टी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को कोरोनाकाल में ज़रूरतमंदों की हरसंभव मदद करने का आह्वान किया ताकि कोई भी प्रदेशवासी को भूखा न सोना पड़े,जनता कॉंग्रेस छत्तीसग? जे में 174 सदस्यों की प्रदेश कार्यकारिणी (32) उपाध्यक्ष, 3 महामंत्री, 10 विभाग अध्यक्ष, 1 मुख्य प्रवक्ता, 11 महासचिव, 2 संभागीय कोर कमिटी अध्यक्ष, 5 संभागीय कोषाध्यक्ष, 5 संभागीय प्रवक्ता, 11 संयुक्त-महासचिव, 71 सचिव और 23 संगठन-मंत्री), 38 ज़िला अध्यक्ष और 9 नवगठित 'अजीत जोगी मोर्चा संगठन' के 39 पदाधिकारी बनाए गए है जिनकी कुल संख्या 250 है। प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने बताया कि राष्ट्र का सबसे नवोदित क्षेत्रीय दल होने के नाते हमने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर रेणु जोगी और विधायक दल के नेता धरमजीत सिंह के मार्गदर्शन में 'देश का सबसे युवा और सबसे शिक्षित राजनीतिक संगठन' बनाने का प्रयास किया है। JCCJ.2 में प्रदेश के सभी क्षेत्रों के अनुसूचित जाति, जनजाति, अति-पिछड़ा वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को अन्य दलों की अपेक्षा 75त्न अधिक महत्व दिया गया है। साथ ही छ्ष्टष्छ्ठ.2 में वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं के बीच संतुलन भी रखा गया है। स्वर्गीय श्री अजीत जोगी जी की 75वीं जयंती 29.4.21 को 'अनुग्रह' में विधिवत पद की शपथ, नियुक्ति पत्र और छत्तीसगढ़-वंदन के साथ उनकी प्रथम पुण्यतिथि 29.5.21 तक का एक महीने का 'सुरता जोगी माह' का शुभारंभ किया जाएगा। वहीं जनता कांग्रेस नेता अर्जुन राठौर को प्रदेश संगठन मंत्री चुनाव विभाग एवं नगर पंचायत बाराद्वार निवासी युवा नेता तुलेश त्रिवेदी को प्रदेश सचिव ,चांपा विधानसभा का प्रभार दिया गया है , अर्जुन राठौर ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जो दयित्व मुझे दिया है उस पर मैं सच्ची लगन से कार्य करुंगा और आगामी विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस की सभी प्रत्याशियों को चुनाव जीतने के लिए मेहनत करुंगा और स्व.जोगी जी के अधूरे सपनो को पुरा करने के लिए हर संभव प्रयास करुंगा। तुलेश त्रिवेदी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने मुझे जो जवाबदारी दी है उसका सच्ची निष्ठा से पालन करूंगा।

दूसरे राज्य से ट्रेन व सड़क के रास्ते आने वालों को जाना होगा क्वारेंटीन सेंटर

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

ट्रेन व सड़क मार्ग से दूसरे राज्य से जिले में पहुंचने वालों को क्वारेंटीन सेंटर में रहना होगा। कोविड-19 प्रोटोकॉल का अनिवार्य रूप से पालन करना होगा। नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत स्तर पर क्वारेंटीन सेंटर स्थापित करने के निर्देश कलेक्टर भीम सिंह ने सभी एसडीएम, जनपद सीईओ व सीएमओ को दिए हैं। कलेक्टर भीम सिंह ने कोविड-19 रोकथाम, नियंत्रण, इलाज की व्यवस्था और वैक्सीनेशन पर स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान शासन के निर्देशानुसार दूसरे राज्य से जिले में ट्रेन व सड़क माध्यम से पहुंचने वाले लोगों का अनिवार्य रूप से कोविड-19 जांच करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान लक्षण पाए जाने वाले यात्रियों की कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करने या फिर होम आइसोलेट करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह जिनकी रिपोर्ट नेगेटिव आती है उन्हें सात दिनों तक क्वारेंटीन सेंटर में रहना होगा। इसके लिए कलेक्टर ने शहर, नगरीय निकाय एवं ग्राम पंचायत स्तर पर क्वारेंटीन सेंटर बनाने के निर्देश सभी एसडीएम, जनपद पंचायत सीईओ एवं नगरीय निकाय सीएमओ को दिए गए। दूसरे राज्य से आने वालों को संबंधित ग्राम पंचायत तक छोडने के लिए वाहनों की व्यवस्था करने ज्वाइंट कलेक्टर सुमित अग्रवाल को निर्देशित किया गया। इस दौरान क्वारेंटीन सेंटर में पानी, लाइट, भोजन, गद्दे एवं लोगों के रहने आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। बैठक में कलेक्टर ने कोविड-19 की इलाज को लेकर जिले के अस्पतालों में उपलब्ध बेड की संख्या पर चर्चा की। इस दौरान बताया गया कि एमसीएच, मेडिकल कॉलेज, केआईटी, जिंदल हॉस्पिटल, अपेक्स हॉस्पिटल, बालाजी, मेट्रो, जेएमजे मॉर्निंग, राजप्रिय हॉस्पिटल, सिद्धेश्वर नेत्रालय, श्री राधा कृष्णा केयर, शिव हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर और लोकेश हॉस्पिटल इन सभी में कोविड मरीजों के इलाज के लिए कुल 1534 बेड वर्तमान में उपलब्ध है। इसमें 56 बेड आईसीयू और 404 बेड ऑक्सीजनेटेड बेड हैं, बाकी 1074 सामान्य बेड है, जहां आवश्यकता पडने पर ऑक्सीजन सिलेंडर लगाकर ऑक्सीजनेटेड बेड बनाया जा सकता है। कलेक्टर भीम सिंह ने रेमडेसीविर की उपलब्धता की भी समीक्षा की।

खरसिया, भूपदेवपुर व किरोडीमल में लॉकडाउन की व्यवस्था देखने पहुंचे एसपी

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन के पहले दिन जिला मुख्यालय में पुलिस व्यवस्था की जांच कर गुरूवार को लॉकडाउन के दूसरे दिन एसपी संतोष सिंह खरसिया शहर, भूपदेवपुर एवं किरोडीमलनगर क्षेत्र में लगाई गई पुलिस व्यवस्था को देखे और ड्यूटी में तैनात जवानों को प्रोत्साहित कर गंभीरतापूर्वक ड्यूटी करने निर्देशित किया। पुलिस अधीक्षक रायगढ़ गुरूवार की सुबह रायगढ़ और जांजगीर जिला के बार्डर पर बने पलगढ़ा चेकपोस्ट पहुंचे। उनके साथ एसडीओपी खरसिया पितांबर पटेल, चौकी प्रभारी खरसिया थे। चेकपोस्ट में राजस्व विभाग और खरसिया पुलिस स्टाफ मौजूद थे। पुलिस अधीक्षक द्वारा बेरियर में लगे स्टाफ को इंटर डिस्ट्रक चेकपोस्ट की ड्यूटी महत्वपूर्ण है, मास्क लगाकर डिस्टेंस बनाकर आने-जाने वालों को परिचय प्राप्त कर गंभीरतापूर्वक ड्यूटी करने निर्देशित किया, जिसके बाद पूरे खरसिया शहर में लगे पुलिस चेक पांइट जाकर जवानों को प्रोत्साहित किया गया।

खरसिया के बाद पुलिस अधीक्षक भूपदेवपुर थानाक्षेत्र की व्यवस्था देखने पहुंचे। जहां उनके द्वारा भूपदेवपुर पुलिस द्वारा बनाए गए चेक पाइंट को जाकर चेक किया गया। उनके द्वारा थाना प्रभारी भूपदेवपुर को थानाक्षेत्र के प्लांटों में नियमित रूप से बिना मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग की जांच करने के निर्देश दिया। भूपदेवपुर के बाद नगर पंचायत किरो?ीमलनगर की व्यवस्था देखे, जहां ड्यूटी में तैनात अधिकारियों को बहाना बनाकर बाहर निकलने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिया गया। पुलिस

अंबेटिकरा मंदिर के पट भक्तों के लिए हुआ बंद

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोरोना ने सभी परम्परा को तोड़ दिया है। क्योंकि किसी भी स्थिति में मन्दिर द्वार कभी बंद नहीं होते थे। लेकिन वैश्विक महामारी कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए जारी दिशा निर्देश में सार्वजनिक स्थलों एवँ मन्दिरों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। कोरोना की आपदा के बावजूद मंदिर परिसर में आस्था के ज्योति कलश अब भी प्रज्वलित है। धरमजयगढ़ अंबेटिकरा मन्दिर के मुख्य द्वार को बंद कर दिया गया है। माण्ड नदी के तट पर स्थित माता का दरबार कई दशकों पुराना है। बहुत दूर दूर से श्रद्धालुगण माता का दर्शन करने आते हैं। वहीं प्रतिवर्ष दोनों नवरात्र में सैकड़ों ज्योति कलश प्रज्वलित होते हैं। चैत्र नवरात्रि में तो यहाँ भव्य मेला लगता है। लेकिन इस वर्ष कोरोना के कारण सभी को स्थगित कर दिया गया है। बता दें कि नवरात्रि के अवसर पर ज्योति कलश प्रज्वलित तो हो रहे हैं।लेकिन श्रद्धालुओं के लिए मन्दिर के पट बंद कर दिए गए हैं।

नौकरी लगाए जाने के नाम पर धोखाधड़ी

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

बिलासपुर एयरपोर्ट में नौकरी लगाए जाने के नाम पर हजारों रूपए की ठगी करने के मामले में पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ जुर्म दर्ज कर प्रकरण को विवेचना में ले लिया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार थाना तमनार में रिपोर्टकर्ता आरती चौहान पिता परमानंद चौहान उम्र 25 वर्ष साकिन मडवाडूमर थाना तमनार द्वारा अज्ञात व्यक्ति द्वारा बिलासपुर एयरपोर्ट में चेकर पोस्ट में सेलेक्ट होना बता कर 72,100 रूपये की ठगी किए जाने के संबंध में आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया है। रिपोर्टकर्ता बताई कि 03 मार्च को अज्ञात व्यकित मोबाईल न. पर 874581... से काल कर बोला कि इसे आथोरिटी आफ इंडीया की तरफ से बिलासपुर एयरपोर्ट में चेकर पोस्ट के लिये सलेक्ट कर लिया गया है। जिसके लिये रजिस्ट्रेशन फीस देना होगा। अज्ञात व्यक्ति लमे इंदा का एकाउंट नंबर 07435110000... में रजिस्ट्रेशन फी 2,600 रू जमा करने को कहने पर जमा की, उसके बाद दो अलग-अलग मोबाईल नम्बर से काल आया और कहा गया कि आपका रजिस्ट्रेशन हो गया है। ड्रेसेस आदि के लिये 15,000 रू देने होंगे। तब 8000 रूपये रिर्पोटकर्ता उनके खाता में जमा की। अगले दिन आपका सामान तैयार है, अधिकारियों का सील, साईन बाकी है। जिसके लिये लेट फीस सहित 26500रू पेड करना होगा बोले उनकी बातों में आकर एकाउंट में रूपये जमा कराई, पुनः कॉल कर सैलेरी चार्ज, पास बुक के लिये 20 हजार की मांग किया तो 20 हजार रूपये जमा की। अज्ञात व्यक्तियों द्वारा ज्वाइनिंग लेटर आप के घर पहुंच जाएगा बोले और इसके मोबाईल पर एक फर्जी ज्वाईनिंग लेटर व्हासअप किया। इस तरह रिपोर्टकर्ता से नौकरी दिलाने के नाम पर कुल 72100 रूपयों की ठगी कर लिए। घटना के बाद मामले की सूचना पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध थाना तमनार में धारा 420 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

क्विक न्यूज

बिना अनुमति के अधिकारी-कर्मचारियों के जिले से बाहर जाने पर प्रतिबंध

बीजापुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रितेश कुमार अग्रवाल द्वारा कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु सभी शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों को बगैर अनुमति के जिले से बाहर जाने पर प्रतिबंधित किया गया है। अनुमति पर प्रस्थान के पश्चात जिले में वापसी के दौरान अपनी यात्रा का पूर्ण विवरण देना होगा एवं नोवेल कोरोना जांच अनिवार्य रूप से कराना होगा। किसी भी प्रकार की जानकारी छुपाये जाने पर सम्बन्धित के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 एवं 270, आपदा प्रबन्धन अधिनियम 2005 की धारा 51-60 तथा अन्य सुसंगत विधि अनुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जावेगी।

तेंदूपत्ता परिवहन एवं तालपत्री किराया पर लेने आवेदन आमंत्रित

कांकेर। मुख्य वन संरक्षक एवं पदेन मुख्य महाप्रबंधक कांकेर के द्वारा कांकेर वृत्त अंतर्गत संग्रहण वर्ष 2021 के तेंदूपत्ते का फड़ से मुख्य गोदाम तक परिवहन करने एवं किराया की तालपत्री के लिए 23 एवं 26 अप्रैल के दोपहर 01 बजे तक आवेदन आमंत्रित किया गया है।

लॉकडाउन में चोरी छुपे सामान बेचने वालों पर कार्रवाई, 15 लोगों से वसूला जुर्माना

■ **बेवहज बहानेबाजी कर निकलने वालों पर दिखाई जा रही है सख्ती**

पायनियर संवाददाता ◄ भिलाईनगर
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन की अवहेलना करने पर ऐसे लोगों पर सख्ती बरती जा रही है! भिलाई निगम की टीम लगातार मॉनिटरिंग कर रही है, निरीक्षण के दौरान लॉकडाउन में चोरी छुपे सामान ले जाकर विक्रय करने वालों को पकड़ा गया और अर्थदंड लेकर समझाईश दी गई दोबारा ऐसा न करें अन्यथा उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निगम आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी के निर्देश पर निगम की मोबाइल टीम लगातार दोनो पालियों में संपूर्ण निगम क्षेत्र का निरीक्षण कर लॉकडाउन के नियमों का पालन कराने मुस्तैदी से कार्य कर रहे है। स?क पर बेवहज घूमने वालों पर नजर रखी जा रही है तथा बेवजह बहाना बनाकर बाहर निकलने वालो से सख्ती से पूछताछ करते हुए मास्क लगाए है या नहीं जांच की जा रही है। मोबाइल टीम लगातार शहर का भ्रमण कर लोगों को घर पर ही सुरक्षित रहने की अपील भी कर रहे है। लॉकडाउन की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने निगम की मोबाइल टीम घूम-घूम कर निरीक्षण कर रही है। आज टीम, सुपेला, नेहरूनगर, रामनगर, शांतिनगर, कृष्णानगर, पॉवरहाउस, केम्प एरिया, सेन्ट्रल एवेन्यू सहित भिलाई निगम के विभिन्न क्षेत्रों निरिक्षण किए एवं लॉकडाउन के नियमों का पालन नहीं करने वाले 15 लोगों से 9900 सौ रूपए अर्थदंड वसूलने की कार्यवाही किए। निगम की टीम आवश्यक कार्य से बाहर निकलने वाले लोग मास्क लगाए है या नहीं यह भी जांच रहे है। घनी आबादी वाले गली-मोहल्लों का भी निरीक्षण कर लोगों से अपील कर रहे है कि घर पर सुरक्षित रहें और मास्क लगाए रखे तथा अनावश्यक घर से बाहर न निकले। निगम की मोबाइल टीम सभी क्षेत्रों में घूम-घूम कर निरीक्षण कर रहे है! लॉकडाउन के बाद भी कई लोग चोरी छुपे सामान बेचकर लोगों की भी? इकटठा कर रहे थे ऐसे लोगों से जुर्माना वसूला गया जिसमें नेहरू नगर के रिन्कू से 200 रूपए, नीतेश से 200 रूपए, पदुम सोनकर से 500 रूपए, कोहका के नरेन्द्र साहू से 1000 रूपए, सिन्हा परिपार से 200 रूपए, शांतिनगर के मुकेश से 200 रूपए, रामनगर के सोनू से 200 रूपए, सुपेला के पप्पू कुमार से 200 रूपए, बनवारी सोनकर से 500 रूपए, जितेन्द्र सोनकर 200 रूपए, जयराम से 200 रूपए, अनिल से 200 रूपए, सुपेला के राजेश साव से 2000 हजार रूपए, सुपेला में अमर से 200 रूपए, हुडको के अब्दुल गनी से 3000 हजार रूपए सहित कुल 15 लोगों पर लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन करने के कारण 9900 रूपए अर्थदंड वसूलने की कार्यवाही की गई।

दुर्ग पुलिस ने बिना मास्क के घूमने वाले के विरूद्ध कार्यवाही की, मास्क वितरण किया गया

पायनियर संवाददाता ◄ दुर्ग
www.dailypioneer.com

जिला दण्डाधिकारी दुर्ग डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के आदेश पर कोरोना महामारी के संक्रमण को रोकने हेतु जिले में लॉकडाउन लगाया गया है जिसके तारतम्य में प्रशांत ठाकुर, पुलिस अधीक्षक, दुर्ग के निर्देश में दुर्ग पुलिस द्वारा लॉकडाउन व महामारी अधिनियम के उल्लंघन करने वालो के विरूद्ध 06 अप्रैल से निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में दुर्ग पुलिस द्वारा जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में बिना मास्क के बाहर घुमते हुए पाये गये 112 लोगों पर महामारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर कुल 56000 रुपये अर्थदण्ड वसुल किया गया एवं साथ ही प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराये गये मास्क का 127 लोगों को वितरण किया गया। इस प्रकार दण्डात्मक कार्यवाही के साथ आमजन के स्वास्थ्य का भी प्रशासन ध्यान रख रहा है। यह कार्यवाही आगामी लॉकडाउन के 19 अप्रैल तक प्रभावशील रहेगी। अपीलः- जिला प्रशासन दुर्ग आम नागरिकों से अपील करती है कि कोरोना महामारी को देखते हुए घर से बाहर न निकलें, बाहर निकलते समय मास्क अवश्य लगाये एवं सोशल डिस्टेसिंग का पालन करें तथा लॉकडाउन के नियमों का पालन करें।

जिले में शाम 6 बजे से 26 अप्रैल को प्रातः 6 बजे तक सभी मदिरा दुकानें बंद रहेंगी

पायनियर संवाददाता ◄ बीजापुर
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रितेश कुमार अग्रवाल द्वारा कोरोना वायरस के पॉजीटिव्ह प्रकरणों की संख्या में लगातार वृद्धि होने के कारण संक्रमण से आम जनता को सुरक्षित रखने हेतु सम्पूर्ण बीजापुर जिले को 16 अप्रैल को शाम 6 बजे से 26 अप्रैल को प्रातः 6 बजे तक के लिए कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। उक्त अवधि में जिले की समस्त देशी एवं विदेशी मदिरा दुकानें तथा एफएल-7 सैनिक कैंटीन पूर्णतः बंद रहेंगी। इस दौरान समस्त देशी मदिरा दुकानों सीएस-2 (घघ), विदेशी मदिरा दुकानों एफएल-1 (घघ) एवं सैनिक कैन्टीनों एफएल-7 में मदिरा विक्रय, परोसना एवं परिवहन पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। उक्त आदेश का कड़ाई से परिपालन सुनिश्चित किये जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये गए हैं।

डॉ. खूबचंद बघेल योजना और आयुष्मान के तहत पंजीकृत उपचार दर निर्धारित

मुंगेली। डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना और आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के तहत पंजीकृत शासकीय एवं निजी अस्पतालों में कोविड-19 उपचार हेतु दरो का निर्धारण किया गया है। जनरल वार्ड .आइसोलेषन के साथ ईलॉज कराने पर दो हजार रूपये, एचडीयू में ऑक्सीजन के साथ ईलॉज कराने पर 5 हजार 500 रूपये, आईसीयू में बिना वेंटिलेटर के साथ 7 हजार रूपये और आईसीयू में वेंटिलेटर के साथ ईलॉज कराने पर 9 हजार रूपये प्रतिदिन वहन करना होगा।

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में टीकाकरण सहित कोविड जांच के लिए लोगों को किया जा रहा है प्रेरित

■ **योगा एवं अन्य गतिविधियों के जरिये स्वास्थ्य के प्रति जनजागरुकता को बढ़ावा**

पायनियर संवाददाता ◄ बीजापुर
www.dailypioneer.com

जिले में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में कोविड टीकाकरण सहित कोविड जांच के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

वहीं कोविड संक्रमण से बचाव हेतु मास्क का अनिवार्य रुप से उपयोग, सोशल डिस्टेंस का पालन, साबुन से हाथों की धुलाई करने, भी? वाली जगहों पर जाने से बचने की समझाईश जनसाधारण को दी जा रही है। इसके साथ ही योगा एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से आम जनता को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीआर पुजारी ने इस बारे में बताया कि जिले में 51 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स स्थापित किये गये हैं, जिसमें मातृत्व जांच, शिशु एवं मातृत्व टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच इत्यादि सेवाओं के साथ ही गैर संचारी रोग के चिन्हाकन एवं उपचार हेतु आवश्यक प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्य रुप से उच्च रक्तचाप, मधुमेह, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर एवं मुख कैंसर के पीडितों को चिन्हांकित किया जा रहा है। जिले के 51 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में से 19 में वर्तमान में राज्य शासन द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य संगठक की पदस्थापना की गयी है। इनके द्वारा जिले में अपनी सेवाएं देने सहित आम जनता को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया जा रहा है। जिले में गैर संचारी रोग चिन्हाकन के तहत अब तक उच्च रक्तचाप के 1739, सर्वाइकल कैंसर के 164, मधुमेह के 1745 तथा स्तन कैंसर के 1065 पी?तो को चिन्हीत किया गया है। सीएमएचओ डॉ. पुजारी ने बताया कि जिले में कोविड वैश्विक महामारी के मद्देनजर सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स में कोविड दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए वेलनेस की गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। योगा एवं अन्य गतिविधियों के जरिये जनमानस को स्वास्थ्य के प्रति जागरुक किया जा रहा है। वहीं जागरुकता की श्रृंखला में कोविड टीकाकरण सहित कोविड जांच के बारे में विस्तृत जानकारी देकर लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सम्बन्धी गतिविधियों में ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में जन आरोग्य समिति का गठन किया जा चुका है। जिसके माध्यम से ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य से सम्बन्धित आवश्यक कार्ययोजना को अंतिम रुप प्रदान किया जायेगा।

संक्रमण काल में स्कूली बच्चों को मिलेगा 40 दिवस का सूखा राशन

पायनियर संवाददाता ◄ बीजापुर
www.dailypioneer.com

कोविड संक्रमण स्थिति के मद्देनजर जिले के स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के तहत 40 दिवस का सूखा राशन प्रदान किया जायेगा। इस दिशा में 1 मार्च से 30 अप्रैल 2021 तक कुल 40 शालेय दिवस का सूखा राशन बच्चों के घर-घर जाकर वितरित किये जाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को दिये गए हैं। ज्ञातव्य है कि राज्य शासन द्वारा कोविड संक्रमण से बचाव एवं नियंत्रण हेतु स्कूलों को आगामी आदेश पर्यन्त बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। मध्यान्ह भोजन नियम 2015 में दिये प्रावधानों के अंतर्गत बच्चों को शाला बंद रहने की अवधि में खाद्य सुरक्षा भत्ता प्रदान किया जाना है। बच्चों को भारत सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा का सूखा चावल एवं निर्धारित कुकिंग कास्ट की राशि से अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री दाल, तेल, सूखी सब्जी वितरित किया जाना है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रमोद ठाकुर ने बताया कि जिले में 28 फरवरी 2021 तक की अवधि के लिए बच्चों को सूखा राशन वितरण किया जा चुका है। अब 1 मार्च से 30 अप्रैल 2021 तक कुल 40 शालेय दिवस हेतु सूखा राशन का वितरण मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के लाभार्थी सभी बच्चों को किया जायेगा। उक्त योजनान्तर्गत गाईड लाईन के अनुसार कक्षा पहली से कक्षा 8वीं तक उन बच्चों को जिनका नाम शासकीय स्कूलों, अनुदान प्राप्त अशासकीय शाला अथवा मदरसा में दर्ज है, उन्हे मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम से लाभान्वित किया जाना है।

उत्तम साहू छजकां के धमतरी जिलाध्यक्ष नियुक्त, कार्यकर्ताओं ने बधाई दी

पायनियर संवाददाता ◄ नगरी
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस (जोगी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रेणु जोगी और विधायक दल के नेता धर्मजीत सिंह के मार्गदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष अमित अजीत जोगी ने पार्टी के जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की है।

नगरी निवासी उत्तम साहू संस्थापक सदस्यों में एक है उन्होंने पार्टी गठन के समय से ही अजीत जोगी से जुड़ कर पार्टी के लिए काम करते आ रहे है।

साहू के संगठन के प्रति समर्पण को देख कर धमतरी जिला के कमान सौंप कर जिला अध्यक्ष बनाया गया है। जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर उत्तम साहू ने पार्टी के नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस मकसद से जिम्मेदारी मिली है उसका बखूबी निर्वहन कर पूर्व मुख्यमंत्री स्व.अजीत जोगी के सपने को साकार कर छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़िया हितों की रक्षा करने संघर्ष जारी रख कर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जायेगा।

उत्तम साहू ने धमतरी जिला के कार्यक्रताओं का आभार व्यक्त कर अपील करते हुए 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव में अभी से जुट कर तैयारी करने पर बल दिया है।

उत्तम साहू को धमतरी जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई देने वालों मे उदय चरण बंजारे अनुसूचित जाति के प्रदेश अध्यक्ष,ओबीसी महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक सिन्हा,काशिम अजमेरी,पूनम प्रजापति, खिलेश्वर साहू,जिला महामंत्री शेख नवाबुद्दीन निजामी, धमतरी विधान सभा अध्यक्ष रघुवीर रामटेके, जिला उपाध्यक्ष संजीव नामदेव ब्लॉक अध्यक्ष उमेंद्र सिंह ध्रुव,राजेंद्र बंजारे पिंटू जाटव शेख अब्दुल्ला अनस अली मनोज मारकंडे, मुकेश सेन,रोहित निर्मलकर,तेजू राम धुव, ओम प्रकाश साहू,बाबू नैन दास बंजारे,मनीष बंजारे,खिलेश्वर पटेल,उत्तम यादव,केवल साहू,टीकम ध्रुव,कन्हैया साहू, जागेश्वर यादव, प्रदीप साहू सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

एक हेल्दीं डाइट मजबूत इम्यून सिस्टम की कुंजी है : सुगुना फूड्स

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना की दूसरी लहर सभी को डरा रही है और ज्यौदा से ज्यासदा लोग वायरस की चपेट में आ रहे हैं। हमारे शरीर की अधिकांश चीजों की तरह, एक हेल्दीग डाइट मजबूत इम्यूान सिस्टैम की कुंजी है क्योंकि हमारा इम्यूीन सिस्टहम अपना काम करने के लिए पोषक तत्वों की एक स्थिर आपूर्ति पर निर्भर करता है। टीकाकरण से कुछ सकारात्मकता आई है, पर यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने स्वास्थ्य की जाँच करते रहें और अपने भोजन में इम्यूनिटी बढ़ाने वाले खाद्य पदार्थों को शामिल करें ताकि हमारी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ सके। चिकन सूप सर्दी और फ्लू को ठीक करने के लिए एक प्रधान भोजन रहा है। इसमें एंटी-इनफ्लेरमेटरी का गुण होता है और यह अपर रेस्पिरेटरी ट्रैक में इनफ्लेनमेटरी (प्रदाह) को दूर करता है। चिकन की हड्डियों को उबालकर बनाए गए ब्रॉथ या स्टॉ क में जिलेटिन, कॉन्ड्रो इटिन और अन्य पोषक तत्व होते हैं जो आंत को स्वस्थ बनाने और इम्युेनिटी में सहायक होते हैं। न्यूट्रीज़ोन की संस्थापक, न्यूट्रिशनिस्ट सुश्री मुथुलक्ष्मी ने कहा- ÷चिकन से मिलने वाला प्रोटीन मांसपेशियों की ताकत विकसित करने में मदद करता है। हमारे डाइट चार्ट पर नजर रखना और इम्युानिटी बढाने में समृद्ध खाद्य पदार्थों के सेवन में सुधार करना बहुत महत्वपूर्ण है ताकि वायरस को दूर रखा जा सके। टीके के दुष्प्रभाव से बचने के लिए सप्ताह में कम से कम तीन बार चिकन सूप का सेवन किया जा सकता है। चिकन को पकाते समय यह महत्वपूर्ण है कि उसे खाने से पहले उच्च तापमान पर पकाया जाए।

केआईटी कॉलेज को बनाया जा रहा कोविड हॉस्पिटल

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

जिला कलेक्टर भीम सिंह के मार्गदर्शन में नगर निगम आयुक्त द्वारा केआईटी कॉलेज को एक बार फिर कोविड हॉस्पिटल बनाया जा रहा है। जहां संक्रमित मरीजो का इलाज स्वच्छ और सर्वसुविधा वातावरण में किया जाएगा। पहले भी इस सेंटर से हजारों संक्रमित मरीज स्वस्थ होकर अपने घर सुरक्षित लौटे हैं। जिले में लगातार बढ़ रहे संक्रमण को देखते हुए जिला प्रशासन भी अब पूरी तरह से अलर्ट हो चुका है। पिछली बार की भांति इस बार भी मरीजों की संख्या को देखते हुए केआईटी कॉलेज को फिर से एक बार कोविड-19 हॉस्पिटल बनाया जा रहा है, जहां बाहर से आए हुए पॉजिटिव लोगों का इलाज किया जाएगा प्रथम चरण में वहां 300 बेड की व्यवस्था की जाएगी जिसके मद्देनजर गुरूवार को कलेक्टर भीम सिंह के निर्देश पर निगमायुक्त अपने दल बल के साथ केआईटी कॉलेज पहुंचकर साफ सफाई, पानी, इलेक्ट्रिसिटी आदि सुविधाओ का जायजा लिया और निगम के अधिकारी कर्मचारी समेत पचासों कामगार को व्यवस्था बनाने काम पर लगाया।

कुलियों ने लगाई थी कलेक्टर से गुहार

कुलियों के दर्द को समझा कलेक्टर ने बंटवाया सूखा राशन का पैकेट

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

जिला कलेक्टर भीम सिंह के मार्गदर्शन में रेलवे स्टेशन के कुलियों को लॉक डाउन अवधि के लिए नगर निगम रायगढ़ द्वारा राशन पैकेट दिया गया। जिसे निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय ने नगर निगम परिसर में उन्हें बुलाकर अपने हाथों से सूखा राशन का पैकेट दिया। जिसे पाकर कुलियों ने कलेक्टर एवम आयुक्त को धन्यवाद ज्ञापित किया।

14 अप्रैल से लेकर 22 अप्रैल तक रायगढ़ पुर्णतः लॉकडाउन है और लॉकडाउन के प्रथम दिन शहर का जायजा लेने रायगढ़ कलेक्टर भीम सिंह, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह व नगर निगम आयुक्त अपने दल बल के साथ निकले निरीक्षण दौरान कलेक्टर रेलवे स्टेशन पहुंचे तब वहां के कुलियों ने कलेक्टर से गुहार लगाई कि उनकी स्थिति बहुत ही खराब है गाड़ियों के कम चलने से उनको रोजी रोटी की दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। जिस पर संवेदनशील कलेक्टर ने तत्काल मानवता का परिचय देते हुए नगर निगम आयुक्त पांडेय को निर्देशित किया कि सभी कुलियों के लिए सूखा राशन की व्यवस्था की जाए। उसी के मद्देनजर रायगढ़ रेलवे स्टेशन के सभी कुलियों को बुला कर राशन पैकेट वितरण किया जिससे कि इस लॉकडाउन के समय उनको और उनके परिवार को दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। सभी कुली भाई राशन पाकर काफी हर्षित दिखे, और सभी ने तहे दिल से जिला कलेक्टर और नगर निगम को साधुवाद दिया।

टमटोरा के तालाब में कछुआ की मौत

■ **प्राकृतिक कारणों से मौत की बात कही जा रही, लगभग तीन साल पहले रेस्क्यू कर लाया गया था**

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ़
www.dailypioneer.com

सारंगढ़ के गोमर्डा अभ्यारण्य के टमटोरा क्षेत्र के तालाब में कछुआ की मौत हो गई। जिसकी जानकारी लगने के बाद विभाग के अधिकारियों के द्वारा उसे बाहर निकलवाया। पशु चिकित्सकों ने परीक्षण किया और पीएम के बाद उसका अंतिम संस्कार किया गया। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक गोमर्डा अभ्यारण्य के टमटोरा के तालाब में कछुआ का षव तैर रहा था। जिसे देखने के बाद विभागीय कर्मचारियों ने मामले की जानकारी अपने उच्चाधिकारियों को दी। इसके बाद अधिकारियों के निर्देष पर उसे बाहर निकाला गया और डॉक्टर ने चिकित्सकीय परीक्षण किया। जहां पता चला कि कछुआ की प्राकृतिक रूप से मौत हुई है। इस संबंध में गोमर्डा अधीक्षक आरके सिसोदिया ने बताया कि टमटोरा वन परिसर के तालाब में वर्ष 2018 में सारंगढ़ के हाडाबंद तालाब से रेस्क्यू कर इसे टमटोरा तालाब में डाला गया था। मादा कछुआ की प्राकृतिक रूप से मौत हुई है। पशु चिकित्सा अधिकारी सारंगढ़ डॉ जोल्हे, डॉ भास्कर एवं विभागीय पशु चिकित्सक की टीम ने मृत कछुआ का पीएम किया। इसके बाद गोमर्डा अधीक्षक व परिक्षेत्र सारंगढ़ की उपस्थिति में उसका अंतिम संस्कार किया गया।

जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानें खुली रहेंगी

बेमेतरा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी शिव अनंत तायल के निर्देश पर बेमेतरा जिले में संचालित समस्त शासकीय उचित मूल्य की दुकान टोकन सिस्टम से नियमित रूप से संचालित होगी। कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करते हुए दुकानों को संचालित करने खाद्य अधिकारी को निर्देशित किया गया है। जिसके तहत शासकीय उचित मूल्य की दुकान के संचालन के समय दुकान के सामने रस्सी/बांस-बल्ली का घेरा लगाना आवश्यक होगा। दुकान संचालक को मास्क एवं सेनेटाईजर का उपयोग करना आवश्यक होगा तथा क्रेता को भी मास्क का उपयोग के साथ ही साथ 02 गज की दूरी बनाये रखना अनिवार्य होगा। शासकीय उचित मूल्य की दुकान के सामने क्रेताओं के लिये चुना का घेरा कराना आवश्यक होगा।

ऑक्सीजन की किल्लत:परिजन खरीद रहे सिलेंडर, अस्पतालों में कमी बरकरार

घर पर ही ऑक्सीजन की व्यवस्था करने लगे हैं लोग

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

जिले में ऑक्सीजन की बड़ी किल्लत सामने आ रही है। कोरोना संक्रमित मरीजों को बिगड़ती हालत में ऑक्सीजन की जरुरत पड़ रही है लेकिन अस्पताल और बाहर दोनों ही जगहों में यह उपलब्ध नहीं है। बीते कुछ दिनों में वेंटिलेटर और ऑक्सीजन की कमी के चलते मौत का आंकड़ा बढ़ा है। प्रशासन और स्वास्थ्य अमला इस कमी को पूरा करने की जद्दोजहद कर रहा है। होम आईसोलेट मरीजों को भी ऑक्सीजन की जरुरत पड़ रही है।

कई गंभीर मरीज घरों में ही हैं क्यूंकि अस्पतालों में बिस्तर नहीं मिल रहे हैं। वहीं अगर मरीज को रायपुर, दुर्ग ले जाने की नौबत आ रही है तो एंबुलेंस नहीं मिल पा रही है। परिजन मरीज को निजी गाड़ियों में ले जा रहे हैं। इस स्थिति में भी उन्हें ऑक्सीजन सिलेंडर की जरुरत पड़ रही है। शहर में पूरा दिन ऑक्सीजन की जुगत में लोगों को अफरा-तफरी करते देखा जा सकता है। जंबो सिलेंडर से लेकर ऑक्सीजन के छोटे-छोटे सिलेंडर लोग घर लेकर जा रहे हैं। कईयों ने तो हालात को देखते हुए सिलेंडर खरीद ही लिए हैं और अपनी जरुरत पूरी होने के बाद लोगों को मुहैया करा रहे हैं।

केयर सेंटर में भी सिर्फ आपातकालीन व्यवस्था : पहले ही स्वास्थ्य अमला स्टॉफ की कमी से जूझ रहा है। ऐसे में निः शुल्क शुरु किए जा रहे केयर सेंटरों में भी स्टॉफ उपलब्ध करवाना एक चुनौती है। बहरहाल, अमले ने यह व्यवस्था संविदा भर्ती के बाद संभाल ली है। लेकिन, केयर सेंटरों में भी बगैर लक्षण वाले मरीजों को ही दाखिल किया जा रहा है। यहां आपातकाल के लिए ही ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध हैं। यहां मरीजों की स्थिति बिगड़ने पर उन्हें रेफर किया जा रहा है। कई बार आपातकालीन स्थिति में भी अस्पतालों में बिस्तर मिलने में मुश्किलें आ रहीं हैं।

गाड़ियों में ढो रहे सिलेंडर

मरीजों के परिजन निजी गाड़ियों में ऑक्सीजन सिलेंडर ढो रहे हैं। पूरा दिन ऐसे नज़ारे देखने को मिल रहे हैं। कोरोना की इस लहर में संक्रमितों का ऑक्सीजन लेवल काफी तेजी से कम हो रहा है। वहीं चेस्ट सिटी स्कैन की रिपोर्ट में भी संक्रमण तेजी से फैलता दिख रहा है। ऐसी स्थिति में घरों घर ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था की जा रही है। स्वास्थ्य महकमा जहां अस्पतालों में सुविधा बढ़ाने में लगा हुआ है तो दूसरी ओर लोग घरों में ही ऑक्सीजन की व्यवस्था जुटा रहे हैं।

डॉ रमन सिंह ने भोथिपारकला में बढ़ते संक्रमण की सुध ली

कार्यकर्ता एवं ग्रामीणों से बातचीत कर हौसला बढ़ाया

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने आज राजनांदगांव के ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते हुए करोना संक्रमण के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी गांव की सुध ली। उन्होंने सरपंचों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से फोन पर वार्तालाप कर स्थिति का अवलोकन किया और मदद का आश्वासन देकर कार्यकर्ताओ का हौसला भी बढ़ाया।

15 अप्रैल को भोथिपारकला में 65 लोग संक्रमित हुए। 7 लोगों की यहां मृत्यु भी हुई। इस से पूर्व सीएम डॉक्ट्र रमन सिंह ने चिंतित होते हुए उन्होंने विष्णु साहू से फोन पर बातचीत की। इसी तरह के टेसरा में 130 लोग संक्रमित हैं। यहां डॉ. रमन ने खिलेश्वर साहू से बातचीत की और बढ़ते हुए संक्रमण की वजह पूछने पर खिलेश्वर साहू ने बताया कि फैक्ट्रियों में जाने वाले मजदूरों से संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। इसी तरह संदीप साहू अंजोरा, मुकेश चंद्राकर पारीखुर्द आनंद साहू सरपंच सुरगी, मुकेश साहू सरपंच सिंघोला, गुलाब वर्मा लिटिया, जनपद सदस्य पुष्पा उइके, मनोज साहू एवं लीलाधर साहू से फोन पर वार्तालाप कर करोना की बढ़ती संक्रमण की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी को सावधान रहने की सलाह दी। इस दौरान डॉ. रमन ने वस्तु स्थिति से अवगत होते हुए अपनी ओर से यथासंभव मदद का आश्वासन भी दिया । ग्रामीण क्षेत्रों में बातचीत करने के बाद डॉ रमन सिंह ने तत्काल ही कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा से फोन पर बातचीत कर सर्वाधिक संक्रमित क्षेत्र भोथिपार कला में जांच की गति को बढ़ाने की बात कही है। साथ ही वैक्सीनेशन सेंटर गांव में खोलने तथा कोविड सेंटर को भी गांव में खोलने की बात कही।विधायक डॉ रमन सिंह शुरू से ही छत्तीसगढ़ सहित राजनांदगांव में करोना की स्थिति पर सतत नजर रखे हुए हैं। पूर्व सांसद अभिषेक सिंह भी दिन-रात करोना मरीजों की सेवा में लगे हुए हैं। मरीजों को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने के साथ ही, अस्पतालों में एडमिट कराने के लिए वह सतत मानिटरिंग कर रहे हैं। विगत दिनों डॉ रमन सिंह ने प्रेस क्लब के कोविड सेंटर से प्रभावित होकर सभी सामाजिक संगठनों एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों की बैठक लेकर उन्हें कोरोना जैसी गंभीर महामारी से निपटने के लिए आगे बढ़ने का आह्वान किया था। संस्कारधानी नगरी की सेवाभावी संस्थाओं ने प्रत्युत्तर में मदद के लिए आगे आकर एक उदाहरण प्रस्तुत किया है।

शाम तक मिले 910 कोरोना संक्रमित

राजनांदगांव। गुरुवार को 1435 नए कोरोना संक्रमितों के मामले सामने आने के बाद शुक्रवार को शाम 5 बजे तक की स्थिति में जिले में 910 नए मामले सामने आए। केंद्र सरकार के संगठन आईसीएमआर ने यह आंकड़े जारी किए। गौरतलब है कि गुरुवार को मौतों के अधिकृत आंकड़े 8 बताए गए थे और इसके साथ ही जिले में मौतों का आंकड़ा तीन सौ पार कर चुका है। वहीं जिले में 11 हजार 376 संक्रमित मरीज हैं।

प्रशासन की सफाई -शव कचरा वाहन में नहीं बल्कि मुनादी वाहन में ले जाया गया

- कलेक्टर को एसडीएम डोंगरगांव ने दिया प्रतिवेदन

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

डोंगरगांव में कचरा वाहन में शव ढोने से संबंधित समाचार कतिपय समाचार पत्रों एवं मीडिया में प्रकाशित हुआ था। कलेक्टर टोपेश्वर वर्मा को कोविड-19 से पीड़ित व्यक्तियों के शव के डिस्पोजल के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डोंगरगांव हितेश पिस्दा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है।

कोविड-19 से पीड़ित व्यक्तियों के शव के डिस्पोजल के संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पंचायत डोंगरगांव से प्राप्त प्रतिवेदन एवं पंचनामा के आधार यहा पाया गया है कि नगर पंचायत के आटो टीपर क्रमांक 1 का उपयोग माह जनवरी 2021 से केवल कोरोना-19 के प्रचार-प्रसार, मुनादी के लिए किया जा रहा है। इसका किसी अन्य प्रकार से उपयोग नहीं हो रहा है।

नगर पंचायत डोंगरगांव द्वारा टीपर क्रमांक 1 से मुनादी का समय निर्धारित किया गया है। सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक, दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक, शाम 7 बजे से रात्रि 9 बजे तक समय निर्धारित किया गया है। 14 अप्रैल को लगभग दोपहर 12 बजे मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत डोंगरगांव लेखराम चंद्रवंशी व खंड चिकित्सा अधिकारी डोंगरगांव डॉ. रागिनी चंद्रे द्वारा दूरभाष पर सूचित किया गया कि 5 कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मृत्यु हुई है। जिसका डिस्पोज किया जाना है इनके द्वारा वाहन एवं कर्मचारी की व्यवस्था किये जाने की मांग की गई।

उक्त शव का डिस्पोज किये जाने के लिए वाहन की व्यवस्था नहीं होने के कारण 1099 मुक्तांजलि वाहन से संपर्क किया गया, किन्तु वाहन उपलब्ध नहीं होने के कारण जानकारी खंड चिकित्सा अधिकारी व सीईओ जनपद पंचायत डोंगरगांव को दिये जाने के बाद वाहन की व्यवस्था एवं कर्मचारी की व्यवस्था जल्दी किये जाने के लिए मांग किया गया। मृतक के परिवार वाले व विधायक, खंड चिकित्सा प्रतिनिधि संजय मुटकुरे द्वारा भी शव जल्दी डिस्पोज किये जाने के लिए दूरभाष पर लगातार अनुरोध किया गया।

घुमका में आरटीपीसीआर जांच बन्द केवल गिनती में एन्टीजन जांच

- कोरोना के गम्भीर खतरे को नजरअंदाज कर रहे अधिकारी
- अब तक लैब टैक्नीशियन की व्यवस्था नहीं

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

घुमका क्षेत्र में कोरोना थमने का नाम नहीं ले रहा है। रोजाना एंटीजन किट की जांच में कोरोना की पुष्टि हो रही है। शुक्रवार को 63 एंटीजन किट की जांच में 30 पॉजिटिव पाये गये। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चार दिनों से आरटीपीसीआर और ट्रूनाट टेस्ट बन्द है। एंटीजन किट से केवल सर्दी बुखार के लक्षण वाले मरीजों की जांच की जा रही है।

परिवार कोरोना संक्रमित फिर भी चल रही मेडिकल

झोलाछाप डाक्टरो पर ड्रग विभाग की मेहरबानी के चलते किराये के फार्मासिस्ट के बदौलत थोक के भाव मे बांटे ड्रग लाइसेंस से भरदाखुर्द और कलेवा में मेडिकल स्टोर के आड़ में मरीजों की भीड़ कोरोना विस्फोट का कारण बन रहा है। भरदाखुर्द और कलेवा के कथित मेडिकल स्टोर संचालक के परिवार में कोरोना के संक्रमित मरीजों के पाये जाने के बाद भी मेडिकल दुकान का संचालन खतरे का कारण बन सकता है। इतने गंभीर शिकायतों के बाद भी ड्रग विभाग की खामोशी ग्रामीणों के लिए जानलेवा हो सकता है।

दिनोदिन कोरोना की रफ्तार बढ़ती जा रही है और घुमका में स्वास्थ्य सुविधाएं ठप पती जा रही है। दोनों लैब टेक्नीशियन की गैरमौजूदगी में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के भरोसे केवल एंटीजन जांच क्षेत्र के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। अब तक लैब टैक्नीशियन की वैकल्पिक व्यवस्था कर पाने में नाकाम बीएमओ की कार्यशैली को लेकर क्षेत्र में रोष बढ़ता जा रहा है। लगातार बिगड़ते हालात के बाद भी विभाग के अधिकारियों को ग्रामीणों की परेशानी से नाममात्र का सरोकार नही दिख रहा है। आरटीपीसीआर जांच के अभाव में बगैर लक्षण वाले मरीजो की हालत बिगड़ने की स्थिति में अस्पतालों में बेड उपलब्ध तक नहीं हो पा रहा है। इसके बाद भी व्यवस्था सुधारने में बीएमओ सहित पूरे विभाग के अफसरों की भूमिका एकदम संवेदनहीन होने का आरोप लगाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के इस तरह के रवैये के चलते झोलाछाप डॉक्टरों का कारोबार फल फूल रहा है। पूरे इलाके में सर्दी बुखार पीड़ितों की कोरोना जांच के अभाव में हालत गंभीर हो रहे हैं।

कोरोना संक्रमण के बदतर स्थिति का अंदाजा क्षेत्र में हुई 8 मौतों से लगाया जा सकता है। क्षेत्र के चारभाठा, खजरी, भालुकोना, गोपालपुर, जोगीदल्ली, कलेवा,की स्थिति नाजुक बनी हुई है। आसपास के तमाम गांवों के लोगों की आवाजाही के चलते घुमका भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। बहरहाल घुमका में भी स्थिति काफी चिंताजनक है।

शिक्षकों को सौंपा शव श्मशान तक पहुंचाने की जवाबदारी, कंट्रोल रुम से करेंगे कोर्डिनेट

- डोंगरगढ़, डोंगरगांव में आदेश जारी, मोहला-मानपुर में ट्रेसिंग के लिए बुलाया

पायनियर संवाददाता ◄ राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

जिले में पिछले दिनों कचरा गाड़ी और परिजनों द्वारा किराए के वाहन पर मृतकों के शव ले जाए जाने के मामले सामने आए थे। इसके बाद शुक्रवार को जिले के दो अनुविभागीय दंडाधिकारियों ने विकासखंड मुख्यालय में कोविड-19 के लिए तैयार किए गए कंट्रोल रुम में शिक्षकों की ड्यूटी लगाते हुए उन्हें शवों के व्यवस्थापन की जिम्मेदारी सौंपने से संबंधित आदेश जारी किए हैं। डोंगरगांव, डोंगरगढ़ एसडीएम ने यह आदेश जारी किए हैं। वहीं मोहला एसडीएम ने अंबागढ़ चौकी, मोहला, मानपुर में बनाए गए कंट्रोल रुम में भी शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने से संबंधित आदेश जारी किया है लेकिन उन्होंने इसमें शिक्षकों को पॉजिटिव मरीजों की जानकारी कांटेक्ट ट्रेसिंग टीम को उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी सौंपी है। खैरागढ़ व अन्य स्थानों पर अब तक ऐसे किसी आदेश की सूचना नहीं है। संभावना जताई जा रही है कि यहां भी जल्द ही यह आदेश जारी किए जा सकते हैं। डोंगरगांव और डोंगरगढ़ इस आदेश में साफ है कि सप्ताह के सात दिन में दो अलग-अलग शिफ्ट में अलग-अलग शिक्षक कंट्रोल रुम में सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक और दोपहर 2 बजे से रात 8 बजे तक की शिफ्ट में मौजूद रहेंगे। उक्त शिक्षक कंट्रोल रुम से ही जनपद पंचायत और स्वास्थ्य अमले के बीच समन्वय स्थापित करते हुए मृतकों के परिजनों को खबर करेंगे और वाहन चालकों को सूचित कर शवों को संबंधित पंचायत के श्मशान घाट तक पहुंचाने की व्यवस्था संभालेंगे। इस संबंध में डोंगरगढ़ एसडीएम अविनाश भोई ने कहा कि, आदेश जारी किए गए हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों और कोविड केयर सेंटर या अस्पताल में हो रही मौतों के बाद व्यवस्थापन के लिए शिक्षकों की ड्यूटी लगाई जा रही है। वहीं खैरागढ़ एसडीएम निष्ठा पांडेय तिवारी ने कहा कि हमारे पास मेनपॉवर की कमी जरुर है लेकिन हमने पहले ही कई कार्यों में शिक्षकों को संलग्न कर रखा है। फिलहाल हम ऐसा कोई आदेश जारी नहीं कर रहे हैं।

कंट्रोल रुम से ही करनी होगी ड्यूटी

अनुविभागीय दंडाधिकारियों द्वारा शिक्षकों की ड्यूटी लगाए जाने के बाद शिक्षकों में हड़कंप मच गया। दरअसल, इस आदेश को समझने में चूक की गई। इस आदेश के तहत शिक्षकों की ड्यूटी कोविड-19 के लिए बनाए गए कंट्रोल रुम में लगाई गई है। इन्हें शवों के व्यवस्थापन से संबंधित सारे काम कंट्रोल रुम से टेलीफोनिक तरीके से ही करने हैं। सप्ताह के हर दिन अलग-अलग शिफ्टों में दो-दो शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है।

मेनपॉवर की जरुरत है : कलेक्टर

शुक्रवार को शिक्षकों की कंट्रोल रुम में लगाई गई ड्यूटी के संबंध में कलेक्टर टीके वर्मा ने कहा कि कोरोनाकाल के इस पीक में हमें मेनपॉवर की जरुरत है। उन्होंने कहा कि कई विभागों के लोगों को अलग-अलग तरह की जिम्मेदारियां सौंपी गई है और वे काम कर भी रहे हैं। अभी स्कूलें बंद हैं तो शिक्षकों से भी काम लिया जा सकता है। संबंधित अधिकारी आदेश जारी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतें मिल रहीं हैं कि शासकीय सेवक ड्यूटी से बचने की कोशिशें कर रहे हैं.. गलत नंबर दे रहे हैं या फोन ही नहीं रिसीव कर रहे हैं। यह सही नहीं है।

पंचायत सचिवों को कोरोना वारियर्स मानें : जिलाध्यक्ष

पायनियर संवाददाता ◄ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

जिले के ग्राम पंचायत सचिवों ने कोविड दौर में अपनी सेवाओं का हवाला देते कोरोना वारियर्स घोषित किये जाने मांग की है। जिलाध्यक्ष रामदुलार साहू ने कलेक्टर राजनांदगांव को संघ की ओर से पत्र मेल किया है, जिसमें सचिवों के मंशानुरूप ग्राम पंचायत सचिवों को कोरोना वारियर्स की श्रेणी प्रदान कर 50 लाख की बीमा प्रदाय करने की मांग रखी है।

इस संदर्भ में जिलाध्यक्ष रामदुलार साहू ने दैनिक पायनियर प्रांतीय संवाददाता रज्जा राणा से चर्चा में बताया कि ग्राम पंचायत सचिव कोविड दौर में लगातार जोखिम उठाकर 29 विभागों की 200 योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा रहे हैं। हालिया वर्षों में कोविड जाँच शिविर से लेकर क्वारेंटाइन सेंटर व्यवस्थित रखने, वैक्सीनेशन शिविर व कोविड से मृतको के शव को अंतिम संस्कार कराने तक ग्राम पंचायत सचिव जोखिम उठाकर सेवा में जुटे हैं। जिलाध्यक्ष ने तर्क देते हुए कहा किपंचायत सचिवों का भी परिवार होता है। कोई भी सचिव पारिवारिक जिम्मेदारी से पृथक नही हो सकता है।

जिलाध्यक्ष श्री साहू ने बताया कि पंचायत सचिवों की भावनाओं को दृष्टिगत रखते हुए सचिवों की 50 लाख की बीमा व कोविड ड्यूटी में निधन होने पर परिजनों को 50 लाख आर्थिक सहायता की मांग संबंधी मेल से पत्र प्रेषित किया गया है। कोविड संबंधी सिर्फ एक ही जिम्मेदारी सचिवों को देकर अन्य कार्य दूसरे विभाग के कर्मचारी ले लेने मांग करते हुए मांग 20 अप्रैल तक मांग पूर्ण नही होने पर सचिवों द्वारा शासन प्रशासन की सिर्फ एक ही प्रकार की सेवा घर से ही संपादित कराते रहने की बात कही है।

कृत्रिम आक्सीजन व व्यवस्था दुरुस्त कराने कवायद

देशभर में किरकिरी होने पर भी प्रशासन बेपरवाह, निकाय के आला जनप्रतिनिधियों ने उठाई जहमत

पायनियर संवाददाता ◄ डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

नगर में कोविड मृतकों के शव कड़े वाहन को लेकर देशभर में प्रशासनिक लचरता सामने आने के बाद भी प्रशासन व्यवस्था दुरुस्त करने कमतर ही गंभीर नजर आती है। आलम यह हो गया कि कोविड मरीजों के लिए कृत्रिम ऑक्सीजन सिलेण्डर की अधिकाधिक पूर्ति या पर्याप्तता के मद्देनजर निकाय के आला जनप्रतिनिधिगण ही कदम उठाते हुए कवायदें कर रहे हैं। वहीं विभाग के आला अफसर निकाय पर जिम्मेदारी मढ़ने के बाद दुबक गए हैं। गौरतलब है जिला मुख्यालय स्तर पर विभागीय मॉनिटरिंग व इच्छाशक्ति के अभाव से शव वाहन की कमी बनी हुई है। कोविड मृतकों के शवों की अंत्येष्टि की जिम्मेदारी निकाय को सौंप विभाग के आला अफसर अपनी जिम्मेदारी की इतिश्री करने में आमादा हैं। इधर विभाग के पास एक दिन में 4 लाशों के लिए शव वाहन नही होने से नैतिकता के नाते व्यवस्था बनाए रखने सहयोग में जुटे निकाय के अध्यक्ष हीरा निषाद व सीएमओ आरबी तिवारी को निकाय के मुनादी में प्रयोग किये जा रहे मूलत कचरे वाहन से लाशों को गन्तव्य तक पहुंचाने नैतिकता दिखाने बाध्य होना पड़ा था। बंद वाहन नही होने से कूड़ा वाहन ही सही पर तत्कालिक तौर पर लाश डिस्पोज करना आवश्यक समझकर निकाय ने अपना प्रयास जरूर किया था। हैरत की बात ये है की मीडिया के सवालों पर डोंगरगांव निकाय को ही रडार पर रखने वाले जिला मुख्यालय के जिम्मेदार विभागीय आला अफसरान देशभर में डोंगरगांव नगर की किरकिरी करा चुके हैं। प्रशासनिक अधिकारी तो जनप्रतिनिधियों की अवमानना व आमजनों की भावना से खिलवाड़ करने में नजर आ रहे हैं।

उच्च नेताओं को तनिक इल्म नहीं

आश्चर्यजनक तथ्य ये भी है कि किसी उच्चस्तर के नेताओं द्वारा अब तक विभागीय आला अफसरों की कार्यशैली पर एक कदम भी नही चलते हुए डोंगरगांव नगर की किरकिरी पर मौन साध रखे हैं। इस मामले में जिले के उच्च नेताओं की नैतिकता की भी पोल खुलती नजर आई। जिला प्रशासन की ओर से विभागीय शव वाहन बढ़ाने की दरकार अब भी बनी हुई है।

अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व सभापति के प्रयास

जनसहयोग से कोविड केयर सेंटर की शुरुआत में सुर्खियां बटोरने के बाद तो कुछ नेता व समाजसेवी गैरजिम्मेदाराना रवैया बना चुके हैं। उधर निकाय के आला जनप्रतिनिधि अध्यक्ष हीरा निषाद, उपाध्यक्ष ललित लोढ़ा व सभापति दीपक देवांगन शुक्रवार को ऑक्सीजन सिलेण्डर को रिफलिंग कराने जुटे रहे। नपं अध्यक्ष ने एक अस्थाई शव वाहन भी मुहैया कराया है।

बाकी विभागों की नैतिकता का क्या

नगर में जनसहयोग से संचालित कोविड केयर सेंटर में जनप्रतिनिधियों व समाजसेवकों ने मदद की है। विपरीत स्थिति में निकाय पर विभागीय अफसर ने जिम्मेदारी मढ़ दिया। अध्यक्ष व उपाध्यक्ष ने दैनिक पायनियर से चर्चा में कहा बाकी अन्य विभाग शव के डिस्पोज के लिए कोई एक बंद वाहन भी उपलब्ध क्यों नही करा सकते हैं। क्या ये सिर्फ निकाय की जिम्मेदारी है। अपने स्तर पर सहयोग जारी रखने की बात कही है।

क्विक न्यूज

स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सांसद साव ने दिया 36 लाख की स्वीकृति

बिलासपुर। सांसद अरूण साव ने स्वास्थ्य सेवाओं में विस्तार हेतु 36 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सांसद अरूण साव ने जिला कलेक्टर बिलासपुर को 15 लाख रूपये, जिला कलेक्टर मुंगेली को 11 लाख रूपये एवं गौरेला पेण्ड्रा मरवाही के जिला कलेक्टर को 10 लाख रूपये कुल 36 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। सांसद अरूण साव ने यह स्वीकृति वर्तमान में कोरोना महामारी के कारण ऑक्सीजन वेंटीलेटर, दवाईयां आदि की कमी को ध्यान में रखते हुए आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु किया है। सांसद अरूण साव ने लोगों से आग्रह किया है कि सभी पात्र लोग टीकाकरण केन्द्र जाकर टीका अवश्य लगवाये।

कोविड टीका लगवाने में बुजुर्ग आगे हैं बताया कोरोना से बचाव में कारगर है टीका

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

जिले के 171 टीकाकरण केंद्रों में कोविड टीका लगाया जा रहा है। नगर निगम क्षेत्र में 40 टीकाकरण केन्द्र बनाएं गए हैं। इसी प्रकार 18 निजी अस्पतालों में भी टीका लगाया जा रहा है। 45 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोग उत्साह के साथ टीका लगवा रहे हैं। इनमें भी 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग टीका लगवाने में अग्रणी है। टीकाकरण के लिए शहरी और ग्रामीण दोनों ही केन्द्रों में ब?ी संख्या में लोग जुट रहे हैं। लॉक डाउन की अवधि में भी लोग टीका लगवाने आ रहे हैं। नूतन चैक स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल में टीका लगवाने आयी 66 वर्षीय श्रीमती विमला मिश्रा ने बताया कि कोरोना संक्रमण को लेकर सुरक्षित होने के लिए टीकाकरण बहुत जरूरी है। मैंने कोविड का प्रथम डोज का टीका लगवाया है। आधा घण्टा मुझे कोविड प्रोटोकाल के तहत् ऑब्जरवेशन में रखा गया था। उन्होंने कहा कि टीका लगवाने में कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लोगों को टीका अवश्य लगवाना चाहिए। जोरापारा निवासी श्रीमती कमलेश मिश्रा 56 वर्षीय गृहणी हैं, वे कहती हैं कि हम लोग हमेशा मास्क लगाते हैं और सेनेटाईजेशन करते हैं। इसके साथ ही टीके के दोनों डोज भी लगवा ले तो करोना संक्रमण की गंभीरता काफी कम हो जायेगी। 62 वर्षीय रामधन पांडे ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि शुरुवात में तो उन्हें टीका लगवाने में डर लग रहा था, लेकिन अन्य लोग जिन्होंने टीका लगवाया है, उन सभी ने बताया कि टीका पूरी तरह सुरक्षित है। करोना से बचाव में टीका कारगर है । उन्होंने कहा कि टीका लगवाने के बाद मैं सुरक्षित महसूस कर रहा हूं। 50 वर्षीय श्रीमती अंजू पांडे ने कहा कि टीकाकरण के लिए सभी व्यवस्था अच्छी है। सुरक्षित तरीके से टीका लगाया जा रहा है। 56 वर्षीय श्री शिवराज सिंह ने बताया कि कोविड संक्रमण की रोकथाम के लिए सभी को टीका अवश्य लगवाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि टीका लगवाने के बाद भी मास्क लगाना, फिजिकल डिस्टेंसिंग एवं सेनेटाईजेशन जैसे नियमों का पालन करना जरूरी है।

केयर एंड क्योर हॉस्पिटल की बड़ी लापरवाही सड़क पर फेंक दिया पी.पी ई किट, मास्क और ग्लब्स

- बढ़ सकता है संक्रमण का खतरा , कार्रवाई करने पहूंची निगम की टीम

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना काल मे एक बार फिर प्रताप चौक स्थित केयर एंड क्योर हॉस्पिटल की बेशर्मी सामने आई है जिंसमे हॉस्पिटल प्रबंध ने पी.पी ई किट मास्क और ग्लब्स के साथ ही मेडिकल वेस्ट को स?क पर फेक दिया था, जिसकी जानकारी लगते ही निगम आयुक्त अजय त्रिपाठी ने निगम की टीम को निर्देशित किया जिसके बाद टीम केयर एंड क्योर हॉस्पिटल पहुँची और हॉस्पिटल प्रबंधन को समझाइस देने लगी,इसी बीच यहाँ के डॉ नगर निगम के स्वास्थ्य नरिक्षको से बत्तमीजी करने लगे। वही निगम आयुक्त अजय त्रिपाठी के आदेश पर केयर एंड क्योर हॉस्पिटल के ऊपर जुर्माना करते हुए आगे इस तरह की गलती करने पर क?ी कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई है। आपको बता दें पहले भी केयर एंड क्योर हॉस्पिटल में मरीजो के साथ दुर्व्यवहार हो चुका है बीते साल तो केयर एंड क्योर हॉस्पिटल में कोरोना संक्रमित की मौत के बाद उसे लावारिस हालत में बाहर फेंक दिया गया था।

निधन

रामानुज शर्मा

बेमेतरा। बेमेतरा अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ सदस्य अधिवक्ता रामानुज

शर्मा का गुरुवार को आकस्मिक निधन हो गया वे लंबे समय से बीमार थे जिन का अंतिम संस्कार स्थानीय मोहभट्ठा के मुक्तिधाम में किया गया वह बालमुकुंद मिश्रा के सुपुत्र थे एवं किशन शर्मा परमेश्वर शर्मा किशोरी शर्मा के बड़े भाई थे स्थानीय अधिवक्ता संघ के सदस्यों के पदाधिकारियों ने उनके निधन पर शोक श्रद्धांजलि अर्पित किया।

कोरोना से लड़ने साहू समाज आया आगे, सामाजिक भवन को क्वारेंटाइन सेंटर बनाने की पेशकश

पायनियर संवाददाता < मुंगेली / पथरिया
www.dailypioneer.com

वर्तमान में समूचा भारत कोविड-19 के प्रकोप से जूझ रहा है । वही हमारा छत्तीसगढ़ प्रदेश कोरोना के एक्टिव मामलो में देश के दूसरे नंबर पर आ चुका है । शासन प्रशासन इससे निपटने के लिए लगातार अनेको उपाय कर रही है और साथ ही सामाजिक, राजनैतिक, व्यवसायिक संगठनों को भी इस महामारी से लड़ने के लिए आगे आकर अपनी सहभागिता निभाने की बात कहती आ रही है । इसी कड़ी में पथरिया विकाशखण्ड का साहू समाज आगे आया है । और अपने कर्मा माता भवन को कवारेंटाइन सेंटर बनाने के लिए प्रशासन को दिया है । क्षेत्र के साहू समाज के पदाधिकारियो ने पथरिया एसडीएम को पत्र सौपते हुए कहा कि पूरा देश वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण से भयभीत है । ऐसे संकट से निपटने के लिए सबकी सहभागिता आवश्यक है ।पथरिया क्षेत्र के साहू समाज का माँ कर्मा भवन एकांत स्थल पर स्थित है और सभी सुविधाओं से परिपूर्ण है । इस संकटकाल में यदि कवारेंटाइन सेंटर बनाने अथवा प्रशासनिक किसी भी कार्य हेतु आवश्यकता हो तो प्रशासन इसका स्वस्फूर्त इस्तेमाल कर सकता है।

कोरोना वारियर्स की सुरक्षा के लिए भेंट किये मास्क और सेनेटाइजर - परिक्षेत्रीय साहू समाज सिलतरा द्वारा पथरिया थाना और एसडीएम कार्यालय में कार्यरत पुलिसकर्मियों और कर्मचारियो की

सुरक्षा के लिए उन्हें मास्क और सेनेटाइजर भेंट किया । साहू समाज के संरक्षक भरतलाल साहू और परिक्षेत्रीय अध्यक्ष रोहित साहू ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान पुलिसकर्मी सहित सभी कोरोना वारियर्स चौबीस घण्टे अपनी ड्यूटी निभा कर लोगो को घरों में रहने की अपील कर रहे है , ऐसे में उनकी भी सुरक्षा अहम है । साथ ही उन्होंने बताया कि साहू समाज दानवीर भामाशाह का अनुसरण करने वाला समाज है । इस विकट परिस्थिति में हर व्यक्ति और हर समाज को आगे आकर इस वैश्विक महामारी से लड़ने में अपनी सहभागिता जरूर निभानी चाहिए । साथ ही माँ कर्मा से प्रार्थना करते है कि शीघ्र ही हमारे प्रदेश के साथ साथ पूरे देश को इस महामारी से निजात मिले और स्थिति बहुत जल्द सामान्य हो । वही नगर पंचायत पथरिया के पार्षद दीपक साहू ने कहा कि शासन प्रशासन द्वारा इस बीमारी से बचने के अनेको उपाय किया जा रहा है , लेकिन आम जनों को भी अपने कर्तव्यों को समझ कर सबका साथ देना होगा तभी कोविड-19 के प्रकोप को कम किया जा सकेगा । इस अवसर पर थाना प्रभारी प्रमोद डड़सेना ज परिक्षेत्रीय सचिव विष्णु साहू , पूर्व अध्यक्ष यशवंत साहू , पार्षद प्रतिनिधि सलमान खान उपस्थित रहे ।

एसडीएम और टीआई ने आभार जताते हुये की अपील - अनुविभागीय अधिकारी(रा.) पथरिया प्रिया गोयल ने साहू समाज का आभार जताते हुए क्षेत्र के लोगो से अपील की है कि इस लॉकडाउन में सभी अपने घरों पर ही रहे और प्रशासन का सहयोग करे। थाना प्रभारी प्रमोद डड़सेना ने भी साहू समाज को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सबसे शासन प्रशासन के दिशानिर्देश का पालन करने की अपील की।

बेमेतरा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित बेहद दयनीय है : ओमप्रकाश

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी जिला बेमेतरा के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी ने राज्य की कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि छत्तीसग? की कांग्रेस सरकार की लापरवाही से आज पूरा प्रदेश कोरोना के चपेट में आ चुका है ! हमारे बेमेतरा जिले की स्थित बेहद नाजुक बन चुकी है ! राज्य की भूपेश बघेल सरकार ने पहले दौर के करोना संक्रमण से सबक नही लिया और स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी क्षेत्र में मूलभूत सुविधाओं में सुधार नही किया ! जबकि केन्द्र सरकार द्वारा अनलॉक की घोषणा के बाद सभी राज्यो को अधिकार दे दिया था कि स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार राज्य सरकार फैसला ले सकती है ! ऐसे में केन्द्र सरकार के ऊपर आरोप लगा कर राज्य की भूपेश सरकार अपनी नाकामी को छुपा रही है ! आज राज्य के हर जिले में दवाइयों की, जरूरी इंजेक्शनो की , ऑक्सीजन सिलेंडरो की बेहद कमी के चलते लोग अपनी जान गंवा रहे है! दवाइयों की कालाबाजारी हो रही है पर सरकार द्वारा कालाबाजारी को रोका नही जा रहा है ! प्राइवेट हॉस्पिटल में मनमाना फीस लिया जा रहा है ! श्री जोशी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आज पूरे छत्तीसगढ़ की जनता 13 कोरोना वारियर्स को खोज रही है।

हारेगा कोरोना जीतेगा भारत - नीतू कोठारी ने दिया सुझाव

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

वर्तमान समय में कोविड-19 तेज रफ्तार से पैर पसार रहे हैं जिसे हम सभी प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से देख, सुन रहे हैं व समझ रहे हैं पिछले कुछ दिनों से कोविड-19 जिस प्रकार से अपना विकराल रूप धारण किया है जिसमें ना केवल बेमेतरा जिला अपितु पूरे प्रदेश के साथ देश में भी अपना पैर पसार रहा है ! जिसमें सरकारी निर्देश का पालन करते हुए लोगों ने भी इस बीमारी को हराने में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया परंतु उसके बाद भी इसकी गति कम नहीं हुई हैं लोग लगातार टेस्ट कराने के जा रहे हैं जिससे टेस्ट कराने वाले लोगों की संख्या में भारी बढ़ोतरी व टेस्ट किट की संख्या में भारी कमी महसूस हो रही है कीट की कमी के कारण लोगों की जांच नही हो पा रही हैं जिससे प्राथमिक लक्षण दिखने पर जनता अपना टेस्ट ही नहीं करा पा रहे अतः स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार कुछ और भी प्रयोग कर सकते हैं जैसे कोविड 19 की दवाई एक सिस्टम के तहत प्रत्येक घरों तक पहुंचाना! जिसमें डॉक्टर नर्स के साथ साथ सभी सामाजिक संगठन, राजनीतिक संगठन, महिला स्वयं सहायता समूह, मितानिन ,रोजगार सहायक, सरपंच, पंच गण व अन्य जितने भी संगठन है सबको साथ लेते हुए प्रत्येक घरों में कोविड 19 की आवश्यक दवाई सभी घरों में पहुंचाया जाए! पार्षद नीतू कोठारी ने कहा कि वर्तमान समय में सरकार व उनकी व्यवस्था में टिप्पणी करना उचित नहीं है परंतु अभी के समय मे रेमडेसिवीर जैसे महत्वपूर्ण इंजेक्शन को आम जनता के बीच में भी जारी किया जाए !यह इंजेक्शन आम जनता को नहीं मिल पा रहे हैं कई परिस्थिति में हम देखते हैं कि केवल वी आई पी अथवा कुछ नेताओं के फोन करने से इंजेक्शन उपलब्ध हो पा रहे हैं अर्थात गरीब पॉजिटिव मरीज के लिए या इंजेक्शन उपलब्ध नहीं है अतः उक्त विषय को ध्यान में रखते हुए सरकार रेमडेसिवीर इंजेक्शन को ओपन करते हुए प्रतिदिन इनकी उपलब्धता की जानकारी व कितने इंजेक्शन लगे हैं जानकारी कोरोना पॉजिटिव मरीज संख्या के साथ में आम जनता के बीच जारी किया जाए वहां एक हेल्पलाइन नंबर जारी करें जिससे इस प्रकार के इंजेक्शन व बेड ऑक्सीजन जैसे संसाधनों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके!

सात माह का नहीं मिला मानदेय फिर भी कोरोना वालिंटीयर की भूमिका निभा रहे हैं

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिला मुख्यालय के शासकीय पंडित जवाहर लाल नेहरू कला एवं विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बेमेतरा में कोविड टेस्ट कराने लोग पहुंचे रहेहैं ंजिसके कारण से लंबी लाइन लगी जाती है ,सभी उम्र के महिला पुरुष पहुचे कोरोना जांच कराने, और यहां पर सुरक्षा व्यवस्था में अन्य के अलावा बेमेतरा तहसील के कोटवारों की भी सुरक्षा ड्यूटी लगी हुई है। जिन्हें विगत 07 माह से तहसील के कोटवारों को मानदेय नही मिला है फिर भी ड्यूटी निभा रहे हैं इस संबंध में कोटवारों का कहना है कि कोरोना योद्धा कोटवारों की ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर 50 लाख का बीमा किया जाए , पटवारी हल्का नम्बर 1 कठोतिया,और पटवारी हल्का नम्बर 02 छिरहा के कोटवार सुरक्षा ड्यूटी में,कोटवार नवागॉवकला देवेंद्र चौहान, कोटवार छिरहा चंद्रिका चौहान, कोटवार बिरमपुर सनत राजपूत, कोटवार बदुआकापा अनुज गंधर्व,कोटवार कठोतिया आनन्द राम गंधर्व, शामिल हैं।

'फास्ट इंडिया एप' में कल से आर्डर करते ही मिलेगी राशन, दवाई और डेयरी सामान, नगर निगम ने की ब्यवस्था

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन में आमजन को असुविधा ना हों और वें घर पर ही रहें,घर से बाहर ना निकलें इसके लिए नगर पालिक निगम बिलासपुर ने कमिश्नर अजय त्रिपाठी के निर्देश पर बिलासपुर नगरीय निकाय क्षेत्र के लिए निजी सॉफ्टवेयर कंपनी टेक्जा सॉफ्टवेयर टेकनॉलाजी प्राइवेट लि. के साथ मिलकर दुकानों से ज़रूरी सामान होम डिलीवरी करने की हाईटेक सेवा शुरु की है। लोग घर बैठें दुकान में आर्डर कर राशन,दवाईयां और डेयरी सामान अब एक एप के ज़रिए घर मंगवा सकते हैं।

इसके लिए कस्टमर को गूगल प्ले स्टोर में जाकर 'फास्ट इंडिया' 222.द्धड्डह्यह्ल द्बठ्ठस्रद्बड्ड. ड्डश्चश्च के नाम से एप को डाउनलोड करना

होगा और सामान का आर्डर देना होगा।कोरोना वायरस के चलते जारी लॉकडाउन में आमजनों को ज़रूरी राशन,दवाईयां और डेयरी सामान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगम प्रशासन ने कमिश्नर श्री अजय त्रिपाठी के निर्देश पर इस हाईटेक सेवा की शुरुआत की है। जिसका उपयोग करके शहरवासी ज़रूरी सामान घर बैठें मंगवा सकते है. सॉफ्टवेयर कंपनी टेक्जा प्राइवेट लि.के डिलीवरी ब्वाय सामान दुकान से घर पहुंचाएंगे।इस सुविधा के शुरू हो जाने पर आमजन को काफी सहूलियत होगी। इस एप के ज़रिए राशन,दवाईयां और डेयरी सामान होम डिलवरी कराने के लिए गूगल प्ले स्टोर में जाकर ÷फास्ट इंडिया÷ www.fast india.app नाम के वेरीफाईड एप को डाउनलोड करना होगा,उसके बाद इस एप में अपना मोबाइल नंबर डालना होगा ओटीपी परीक्षण के बाद अपने आवश्यकता की वस्तुएं आर्डर कर सकतें हैं। एप के ज़रिए सामानों की होम डिलीवरी की सुविधा का समय निर्धारित किया गया है। इस एप में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक आर्डर किया जा सकता है।होम डिलवरी कराए गए सामानों का भुगतान नकद के अलावा आनलाइन पेमेंट, फोन पे,पेटीएम के ज़रिए किया भी जा सकता है।

18 से 55 वर्ष तक की उम्र के लोग कर सकते हैं प्लाज्मा डोनेट : स्नेहा गोयंका

प्लाजमा डोनेशन से हम दे सकते है कोविड संक्रमित मरीज को राहत

पायनियर संवाददाता < सक्ती
www.dailypioneer.com

पूरे देश में जहां वर्तमान समय में कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण एवं कोरोना की महामारी ने एक बार पुनः लोगों की चिंता बढ़ा दी है, तो वही अस्पतालों में भी शासन- प्रशासन तथा देश की विभिन्न सेवाभावी संस्थाएं एवं व्यक्ति लोगों को कोविड-19 के संक्रमण से राहत देने विभिन्न माध्यमो से प्रयास कर रहे हैं, तो वही कोविड-19 संक्रमित मरीजों के उपचार के दौरान अधिकतर देखा जाता है कि अनेकों बार संक्रमण इतना अधिक बढ़ जाता है कि उपरोक्त मरीज को सामान्य उपचार के अलावा उच्च स्तरीय उपचार की भी आवश्यकता प?ती है, जिसमें प्लाजमा थेरेपी भी एक अचूक उपचार के रूप में देखा जा रहा है, तथा इस संबंध में छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. श्रीमती स्नेहा अग्रवाल गोयंनका जो की शक्ति शहर की बिटिया है, वह प्लाज्मा डोनेशन को लेकर कहती हैं कि हम सभी को प्लाजमा डोनेशन के प्रति एक जागरूकता का वातावरण पैदा करने की आवश्यकता है, डॉ. स्नेहा गोयनका के अनुसार ऐसे व्यक्ति जिन्हें की पूर्व में कोविड-19 का संक्रमण हो चुका है एवं ऐसे मरीज कोविड-19 के संक्रमण से 28 दिन बाद प्लाज्मा डोनेट कर सकते हैं,तथा इस प्लाज्मा डोनेट में 18 वर्ष से 55 वर्ष तक की उम्र के कोविड-19 मरीज माह में तीन बार तक प्लाज्मा डोनेट कर सकते हैं, तथा प्लाज्मा डोनेट करने के बाद उनके शरीर में पुनः उसी गति से प्लाज्मा रिकवर होता है।

तथा ऐसे लोगों का प्लाज्मा किसी अन्य कोविड संक्रमित मरीज जिसका उपचार चल रहा हो उसे देने से बहुत कुछ हद तक उसे संक्रमण से बचाया जा सकता है,डॉ. स्नेहा के अनुसार वर्तमान में छत्तीसगढ़ प्रदेश के कुछ

स्थानों पर ही प्लाज्मा डोनेट लिए जाने की व्यवस्थाएं हैं, तथा इस डोनेट की प्रक्रिया में लगभग 1 से 3 घंटे का समय लगता है किंतु प्लाज्मा डोनेट करने से हमारे शरीर में किसी भी प्रकार का इसका साइड इफेक्ट नहीं होता एवं ऐसे कोविड मरीज जो संक्रमित होकर पूर्णता ठीक हो चुके हैं उन्हें प्लाज्मा डोनेट यथासंभव करना चाहिए,डॉ. स्नेहा अग्रवाल गोयनका कहती हैं कि आज छत्तीसगढ़ प्रदेश में भी प्लाज्मा डोनेट को लेकर काफी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, एवं प्लाज्मा डोनेशन के प्रति भी लोगों में एक जागरूकता आई है,तथा लोग स्वस्फुतः प्लाज्मा डोनेट कर रहे हैं, जिससे प्रतिदिन अनेकों लोगों की जानें भी कोविड-19 के संक्रमण की भयावहता से बचाई जा रही है,स्नेहा अग्रवाल के अनुसार प्लाजमा डोनेशन के बाद कोविड-19 संक्रमित मरीज को इसे चढ़ाया जाता है एवं क्योंकि प्लाज्मा लेने की मशीनें कॉपी महंगी होती है जिसके कारण छत्तीसगढ़ में कुछ स्थानों पर ही यह सुविधा है, साथ ही प्लाज्मा डोनेट की प्रक्रिया भी रक्तदान की तरह ही होती है, किंतु 18 से 50 वर्ष तक की उम्र के लोगों से एक निर्धारित मात्रा में ही प्लाज्मा डोनेट कराया जाता है, एवं 50 से 55 वर्ष की उम्र के लोगों के लिए प्लाज्मा डोनेट की मात्रा अलग है, स्नेहा अग्रवाल कहती हैं कि हम सभी कोविड-19 के संक्रमण की इन विपरीत परिस्थितियों में प्लाजमा डोनेशन के माध्यम से भी एक बड़ा सकारात्मक योगदान लोगों की जान बचाने के लिए दे सकते हैं, तथा प्रत्येक व्यक्ति इस प्रक्रिया की जानकारी हासिल कर ऐसे लोगों को जो कि प्लाज्मा डोनेट करने के लिए पात्र हैं। उन्हें प्रेरित करें एवं उचित स्थान पर ले जाकर उनका प्लाज्मा डोनेट करवाएं, डॉ.स्नेहा अग्रवाल गोयनका रायपुर ने ऐसे कौन से लोग प्लाज्मा डोनेट कर सकते हैं, उसके संबंध में विस्तार पूर्वक एक भेंटवार्ता में बताया कि प्लाज्मा डोनेशन से पूर्व संबंधित व्यक्ति का एंटी बॉडी लेबल जांच किया जाता है, तथा एन्टी बॉडी लेवल सही पाए जाने पर ही वह व्यक्ति प्लाज्मा डोनेट कर सकता है।

पार्षद दीपक साहू ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिया अपना मानदेय

पायनियर संवाददाता < मुंगेली/पथरिया
www.dailypioneer.com

प्रदेश में फैले कोविड-19 के प्रकोप को रोकने और प्रदेश की जनता को सुरक्षित रखने के लिए शासन प्रशासन द्वारा हर संभव प्रयास जारी है । प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल द्वारा इस महामारी से निजात पाने सबकी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। जिसके बाद से सभी सामाजिक राजनीतिक व्यवसायिक संगठन अपने अपने स्तर पर सामने आ रहे है । साथ ही विधायक समेत जनप्रतिनिधि भी मुख्यमंत्री राहत कोष में अपना सहयोग देते रहे है । इसी से प्रेरणा लेते हुए नगर पंचायत पथरिया के युवा पार्षद दीपक साहू ने अपने एक माह का मानदेय मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा किया है। पार्षद दीपक साहू ने बताया कि बिल्हा विधानसभा के कांग्रेस नेता राजेन्द्र शुक्ला के निर्देशानुसार कोरोना से लड़ने के लिए एक छोटी सी पहल की है और अपने एक माह का मानदेय मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा करने हेतु पथरिया सीएमओ को पत्र लिखा है ।

खतरनाक दावानल...

90 दिन, 1216 जगह आग, जंगल जल कर खाक

गर्मी के दिनों में वन व वन्यप्राणियों के जान के दुश्मन बन गए जंगल के पहरेदार, तीन माह में रायगढ़ वन मंडल के लगभग हर जंगल में लगी आग, अग्नि सुरक्षा के नाम पर महज खानापूर्ति

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

वर्ष 2021 की गर्मी रायगढ़ वन मंडल के लिए काफी खतरनाक साबित हो गई। यहां तीन माह मलतब 90 दिनों में 1216 जगह के जंगलो में आग लग चुकी है और इस आकड़े में महज सौ जगह ही ऐसा है, जो जंगल के बाहर का क्षेत्र है। शेष 1116 जगह वनभूमि है। अगर जनवरी से मार्च माह में दावानल को लेकर रायगढ़ वन मंडल के रेंज स्तर के आकड़ों पर नजर डाली जाए, तो सबसे खराब स्थिति रायगढ़ वन परिक्षेत्र की रही है। जबकि इससे पूर्व ऐसी स्थिति रायगढ़ की देखने को नहीं मिली थी। इसके बाद सारंगढ़, घरघोड़ा, बरमकेला गोमर्डा, तमनार व सारंगढ़ गोमर्डा और अंतिम में खरसिया वन परिक्षेत्र की है। अब स्थिति यह है कि जंगल में आग लगने के लिए कोई खास जगह ही नहीं बची है। जब जंगल धू धू कर जल रहा था, तो रेंज अफसर से लेकर हरेक अधिकारी आग पर काबू पा लेने की बात कह रहे थे, पर उन अधिकारियों के सभी दावे आज खोखले साबित हो चुके हैं और धन्य है कि इतने बड़े क्षेत्र के जंगल में आग लगने के बाद भी विभाग के उच्च अधिकारी लापरवाही पर कार्रवाई करना उचित नहीं समझे। बल्कि अधिकारी उन लोगों पर इल्जाम डालने में लगे हैं, जो महुआ बिनने के लिए जंगल जाते हैं और किसी पेड़ के नीचे महुआ के लिए आग लगाते हैं, पर अपने उन कर्मचारियों को दोषी नहीं मानते, जो जंगल जाने से ही परहेज करते हैं। जबकि ईमानदारी से अगर बीटगार्ड जंगल का भ्रमण करे, तो दावानल के साथ ही वन अपराध में काफी कमी आएगी।

फायर वाचर के बाद भी जल रहे जंगल

सभी वन मंडल को शासन द्वारा अग्नि सुरक्षा के नाम पर राशि आबंटित की जाती है। साथ ही हर बीट में फायर वाचर रखने की भी अनुमति मिलती है, पर अग्नि सुरक्षा के नाम पर विभाग के अधिकारी महज खानापूर्ति ही करते हैं। लाईन कटाई दिखावे मात्र का होता है, तो हर बीट में फायर वाचर रखने के बाद भी दो से चार बार उस बीट में आग लग जाना कई प्रकार के सवालों को जन्म दे रहे हैं।

दावानल फैक्ट फाइल

- वन मंडल 3 माह -1216
- रायगढ़ उपडिविजन -556
- घरघोड़ा उपडिविजन -400
- गोमर्डा अभ्यारण्य -260

जनवरी से मार्च दावानल आकड़ों की जुबानी

वन परिक्षेत्र	दावानल संख्या
रायगढ़	298
सारंगढ़	258
घरघोड़ा	176
बरमकेला गोमर्डा	142
तमनार	143
सारंगढ़ गोमर्डा	118
खरसिया	81

चार महिने के लिए कैंपा मद से फायर वाचार मिलते हैं। जंगल को आग से बचाने के लिए फायर लाईन कटाई करते हैं। सेटेलाईट से आग की सूचना मिल जाती है। उसके बाद हम भी मानिटरिंग करते हैं। महुआ सीजन में ज्यादा आग की समस्या आती है। स्टाप जंगल में रहते हैं और अगर कहीं स्टाप बिल्कुल जंगल नहीं जाता है, तो उस पर विभागीय नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

–नाविद सुजाउद्दीन, सीसीएफ बिलासपुर

दावानल को रोकने के लिए प्रारंभ में फायर लाईन कटाई करते हैं। सेटेलाईट से या फिर आग की सूचना मिलने के बाद वन प्रबंधन समति के माध्यम से आग पर काबू पाया जाता है।

–प्रणय मिश्रा, वन मंडलाधिकारी, रायगढ़

एक नहीं बार बार लगी आग

वन मंडल के हर रेंज में एक से दो बार एक ही जगह पर दावानल की घटना घटित हुई। अगर बात सिर्फ रायगढ़ वन परिक्षेत्र की हो, तो रायगढ़ के गजमार पहाड़ी में चार से पांच बार दावानल की घटना घटित हुई। इसके बाद भी रेंजर व डिप्टी रेंजर की नींद नहीं खुली और घर व कार्यालय में बैठे बैठे आग बुझा लेने की बात कहते रहे। यही कारण है कि रायगढ़ वन परिक्षेत्र के गजमार पहाड़ी, लोईंग, खैरपुर, बोइरदादर, रेगड़ा सहित सभी बीट के जंगल में आग लगने की घटना घटित हुई। यही नहीं रेल कॉरीडोर का कूप जलने व लाम्हीदरहा प्लांटेशन जलने का भी मामला पिछले दिनों सूर्खियों में था।

विभाग की नजर में सूखे खास पत्ते ही जले

विभाग के शासकीय दस्तावेजों में दावानल से सिर्फ सूखे घास पत्ते ही जलने का उल्लेख किया गया है, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल विपरित है। जानकारों की माने तो दावानल से सबसे ज्यादा नुकसान वन व वन्यप्राणियों दोनों को होता है। वन्यप्राणी विचलित होकर इधर उधर भागते हैं और कुत्तों व ग्रामीणों का शिकार बन जाते हैं। वहीं बांस व अन्य इमारती पेड़ भी जल जाते हैं। साथ ही पक्षियों के अंडे सहित कई प्रकार के छोटे कीड़े मकोड़ों की भी इससे जाने चली जाती है।

मौत को छुपाना और शव को सड़ाना निकृष्टतम कार्यप्रणाली : गौरीशंकर

- पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने कहा- कोविड सेंटर्स में मरीजों की तो दुर्दशा सरकार के कारिंदे अब शवों की दुर्गति करते नहीं हिचकिचा रहे

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने बिलासपुर के पं. सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय स्थित आइसोलेशन सेंटर में भर्ती मरीज की मौत के बाद भी पाँच दिनों तक परिजनों को इसकी इत्तिला नहीं दिए जाने और मरच्युरी में शव को सड़ी-गली दशा में रखे जाने पर इसे प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग की निकृष्टतम कार्यप्रणाली का परिचायक और अमानवीयता की पराकाष्ठा बताया है। अग्रवाल ने कहा कि कोविड सेंटर्स में मरीजों की तो दुर्दशा तो हो ही रही है, प्रदेश सरकार के कारिंदे कोरोना संक्रमितों के शवों की दुर्गति करने में जरा भी हिचकिचाहट महसूस नहीं कर रहे हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष अग्रवाल ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कोरोना संक्रमित पाए जाने पर बिलासपुर के सिम्स अस्पताल से उक्त आइसोलेशन सेंटर में शिफ्ट मरीज नीलमणि शर्मा की तबीयत लगातार बिगड़ रही थी और वहां के जिम्मेदार लोग परिजनों को उनके स्वस्थ होने की जानकारी देकर गुमराह करते रहे। इधर हालत और बिगड़ने पर शर्मा को संभागीय कोविड अस्पताल रिफर किया गया और इस दौरान उनकी मौत हो गई। अग्रवाल ने कहा कि शर्मा की खैरियत जानने आइसोलेशन सेंटर पहुँचे परिजनों को उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली और इसकी शिकायत के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली तो कोनी थाना में इसकी शिकायत की गई और तब परिजनों को शर्मा के कोविड अस्पताल में भर्ती किए जाने की जानकारी हुई। वहाँ पहुँचने के बाद भी परिजन काफी परेशान होते रहे और तब उन्हें शर्मा की 10 अप्रैल को ही मौत हो जाने की जानकारी हुई। अग्रवाल ने कहा कि कोरोना संक्रमितों की मौत के बाद शवों की ऐसी दुर्गति करने और परिजनों को पाँच दिनों तक मौत की सूचना तक नहीं देने का ऐसा संवेदनहीन और अमानवीय कृत्य करने वाली प्रदेश सरकार आखिर किस मुँह से कोरोना के खिलाफ जंग लड़ने की बात कर रही है? प्रदेशभर में कोविड सेंटर्स में मरीजों की दुर्दशा के रोज वीडियो वायरल हो रहे हैं।

रेलवे से 2000 बेड की हो सकती है व्यवस्था, सरकार ध्यान दे : बृजमोहन

- छत्तीसगढ़ में रेलवे के पास 50 कोचों में 2000 आइसोलेसन बेड की व्यवस्था है

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज रेल मंत्रालय, डी एम रेलवे, डीआरएम रेलवे से बात कर छत्तीसगढ़ में रेलवे में उपलब्ध कोच एवं उसमे बनाये गए आइसोलेसन बेड की जानकारी ली उपलब्ध जानकारी के हिसाब से छत्तीसगढ़ में रेलवे के पास 50 कोच ऐसे हैं जिसे आइसोलेशन सेंटर के रूप में परिवर्तित किया गया है और उसमें 2000 बिस्तर की व्यवस्था है। इस विषय में अग्रवाल ने कलेक्टर रायपुर से भी बात की और कहा कि रेलवे से अनुरोध व संपर्क कर, चर्चा कर रेलवे के 50 कोच को तत्काल बात कर जिला प्रशासन को ले लेना चाहिए जिसमें लगभग 2000 लोगों को वहां पर आइसोलेशन में रखा जा सकता है। अग्रवाल ने इस संबंध में वरिष्ठ

अधिकारियों से भी बात की और कहा कि तत्काल रेलवे के कोच को जो आइसोलेशन सेंटर के रूप में परिवर्तित किया गया है उसमें आइसोलेशन सेंटर प्रारंभ करें जिससे जनता को एक बड़ी राहत मिलेगी व मरीजो के बीच मची आपाधापी भी कम होगी। 2000 तैयार बैड है। अग्रवाल ने कलेक्टर रायपुर को कहा है वे स्वयं रेलवे के अधिकारियों व मंत्रालय स्तर पर तत्काल चर्चा कर रेलवे के कोचों में आइसोलेसन सेंटर प्रारंभ करें ।

ग्रवाल ने कहा है कि पूरे प्रदेश में मेडिकल स्टाफ की भी भारी कमी है इसे देखते हुए walk-in इंटरव्यू के माध्यम से जूनियर डॉक्टर पैरामेडिकल स्टाफ नर्स स्टाफ नर्स एवं अन्य स्टाफ की भर्ती भी तत्काल युद्ध स्तर पर की जानी चाहिए जिससे चिकित्सा के लिए पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध हो सके।

अग्रवाल ने जिला प्रशासन से कहा है कि लॉकडाउन लंबा खीच रहा है अतः पूरे बाजार एक साथ खोलने के बजाय सब्जियों की व फलों की घर पहुंच सेवा ठेलो व वाहन के माध्यम से वह फेरी वालों के माध्यम से एक निश्चित समय तक लोगो को उपलब्ध कराएं। जिससे आम लोगों को जरूरत की फल व सब्जियां उपलब्ध हो सके, क्योंकि बाजारों को एकाएक खोलने से भी भारी भीड़ बढ़ेगी और फिर वही स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।

प्रधानमंत्री जी कब ताली, थाली, दीया जलवायेंगे : तिवारी

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस वरिष्ठ प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने देशभर में कोरोना संक्रमित मरीजो की बढ़ती संख्या पर केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुये कहा कि, देश मे भयावह स्थिति निर्मित है पिछले 24 घंटों में 2 लाख 17 हजार 139 कोरोना संक्रमितो की संख्या भयभीत करती है। पिछले वर्ष से अब तक पूरे कोरोनाकाल की सबसे बड़ी संख्या है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता घनश्याम राजू तिवारी ने कहा कि, देश में कोरोना संक्रमण के यह हालात और मरीजों की सुविधाओं में नाकामी से लेकर

आमजनों की आवश्यकताओं तक केंद्र सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है। गत वर्ष 2020 मार्च-अप्रैल में कोरोना संक्रमण केंद्र सरकार की जिन लापरवाहियों की वजह से देशभर में फैला उससे कोई सबक वर्तमान में नही लिये गये जिससे हालात और भयावह है। विश्वस्तर पर संक्रमित अमेरिका, इंग्लैंड, इटली, चीन जैसे देशों में कोरोना का संक्रमण 1,2,3 स्टेप पर आया जिससे उन्होंने एतिहातन बचाव के उपाय किये इसलिए वहाँ हालात काबू में है, मगर भारत में सत्ताधारी दल भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की लापरवाहीयो का खामियाजा आज देश फिर से भुगतने को मजबूर हैं तो वही दूसरी ओर संकट के इस काल में मोदी सरकार ने और स्पष्ट कर दिया है कि उसके लिए महत्वपूर्ण क्या है। देश इस समय कोरोना द्वारा पैदा की गई गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है और मोदी सरकार ने अपनी पूरी ताकत चुनाव प्रचार में लगाई हुई है।

निर्धारित समय से 1 घंटा पूर्व दुकान खोलना व्यापारी को पड़ा भारी

पायनियर संवाददाता < कुरुद
www.dailypioneer.com

शुक्रवार को 7 बजे पुरानी कृषि ऊपज मंडी के सामने स्तिथ आलू-प्याज की थोक दुकान परमेश्वरी ट्रेंडिंग के दुकानदार द्वारा कोरोना लॉक डाउन के नियमों को तोड़1 घंटा पूर्व ही दुकान खोलकर धड़ल्ले से आलू प्याज बेचकर कलेक्टर द्वारा निर्धारित किये गए कोरोना लॉक डाउन के नियमों का उल्लंघन कर रहा था। जिसके खिलाफ नगर पंचायत सी एम ओ मनोज जायसवाल ने अपनी टीम से के साथ कार्यवाही करते हुए 3000 रु का चालान काटते हुए, दुकानदार की। चेतावनी देते अगली बार

नियम तोड़ने पर दुकान सील करने की बात कही। गौरतलब हो कि धमतरी जिलेभर में बढ़ते कोविड19 कोरोना के संक्रमण के कारण जिला दंडाधिकारी जिला धमतरी द्वारा11 अप्रैल 2021 से 26 अप्रैल 2021 तक धमतरी जिले में लॉकडाउन किया गया है द्य आदेश अनुसार किराना एवम खाद्य सामग्रियों की दुकानों को खोलने का समय प्रातः 8.00 बजे से 10.00 बजे तक निर्धारित किया गया है द्य किंतु आज सुबह दुकान खोलने की निर्धारित समय प्रातः 8.00 बजे के 1 घंटा पूर्व ही श्री परमेश्वरी ट्रेडिंग कुरूद द्वारा दुकान खोला गया एवं सामान विक्रय करते पाया गया द्य जो कि कलेक्टर महोदय जिला धमतरी द्वारा जारी आदेश का उल्लंघन है द्य जिस पर नगर पंचायत कुरूद के अधिकारी कर्मचारी द्वारा श्री परमेश्वरी ट्रेडिंग कुरूद पर आदेश का उल्लंघन करने पर राशि 3000 रुपए का अर्थदंड आरोपित किया गया द्य कार्यवाही में मनोज जायसवाल मुख्य नगरपालिका अधिकारी सनत चंद्राकर, उमेश साहू, सतीश सिन्हा, मुकेश पवार, नवीन चंद्राकर सहित न प के कर्मचारी शामिल थे।

परिजन को बचाने रेमडेसिविर के लिए जद्दोजहद

रायपुर। कोरोना सं मित मरीजों को लगाए जाने वाले रेमडेसिविर इंजेक्शन की कमी को लेकर शहर में हाहाकार मचा हुआ है। हालत यह है कि शु वार सुबह से ही शहर के कई मेडिकल स्टोर्स के बाहर इंजेक्शन खरीदने वालों की भीड़ लग गई। लेकिन उन्हें देर शाम तक उपलब्ध नहीं हो पाया। आलम यह है कि सरकारी अस्पताल हो या निजी कहीं भी यह उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। गौरतलब है कि राजधानी में एक सप्ताह से रोजाना तीन से चार हजार कोरोना के मरीज आ रहे हैं। डॉक्टर भी हर तीसरे को रेमडेसिविर इंजेक्शन की पर्ची थमा दे रहे हैं। गुरुवार को रेमडेसिविर इंजेक्शन की खेप आई। शु वार शाम पांच बजे तक यह अधिकृत मेडिकल स्टोरों तक नहीं पहुंच सकी थी। जिसकी वजह से दिन भर मरीजों के स्वजन भटकते रहे। डॉक्टरों के अनुसार कोरोना में मरीजों के लिए रेमडेसिविर इंजेक्शन कारगर साबित हो रहा है।

लॉकडाउन सीमाओं पर 24 घंटे पुलिस तैनात

पायनियर संवाददाता < सरायपाली
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ने प्रशासन द्वारा जिले में लॉकडाउन तो किया है। ।लेकिन लॉकडाउन लगने के बाद भी संक्रमित मरीजों की संख्या में गिरावट दर्ज नहीं हुई है । बल्कि और भी गंभीर होते जा रही है।

क्षेत्र में कोरोना संक्रमण के विकराल रूप से प्रशासनिक अधिकारी भी चुस्त हो गए हैं। उड़ीसा सीमा से लगे बैरियर में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। प्रशासनिक अधिकारी निरीक्षण के लिए पहुंचे और बेरियार की सुरक्षा बढ़ाते हुए बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाया गया है. इसके अलावा स्थानीय व्यक्तियों के

बाहरी प्रदेश से वापसी पर 7 दिन क्वॉरेंटाइन सेंटर में रहने के लिए निर्देशित किया गया है। मिली जानकारी अनुसार ओडीशा सीमा पर लगे बैरियर रेहटीखोल एवं सिरपुर पालीडीह मैं पूर्व में स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, एवं वन, विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर उड़ीसा की ओर से आने वाले प्रत्येक लोगों का थर्मल स्क्रीनिंग पश्चात छत्तीसगढ़ में प्रवेश देने निर्देशित किया गया था। नेशनल हाईवे 53 स्थित सिंघाड़ा थाना के रेहटी खोल नाका जहां अधिकारी कर्मचारी की आने और जाने वाले पर पैनी नजर है। इस स्थान से राज्य की सीमा बंद और उड़ीसा की सीमा लगती है सीमा के प्रभारी अधिकारी इन्द्र राम चंद्रवंशी नायाब तहसीलदार एवं कार्यपालिका दंडाधिकारी ड्यूटी में तैनात राजस्व निरीक्षक कन्हैयालाल भोई, पटवारी जितेंद्र बाघ, तामेश्वर देवांगन, पुलिस विभाग से रमाकांत त्रिपाठी, सुशांत बेहरा, स्वास्थ्य कर्मचारी डॉ अरुण कुमार साहू शिक्षा विभाग से संदीप कुमार तिवारी, एवं लेख रंजन पात्र, ड्यूटी में तैनात है। यह ओडिशा से आने वाले लोगों एवं छत्तीसगढ़ से उड़ीसा जाने वाले का आईडी कार्ड, ई पास ,चेक कर गाड़ी नंबर नोट कर रहे हैं। क्यों साथ ही उनका कारण भी नोट कर रहे हैं ।रात 10.00 बजे से सुबह 6.00बजे की पारी में उत्तर कुमार साहू राजस्व निरीक्षक, पटवारी तारेन पटेल, मंजेश भोई की ड्यूटी लगी है दूसरा स्विफ्ट 18 से 22 अप्रैल तक है। इनमें अन्य अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

किसानों और अन्न का अपमान कर रही प्रदेश सरकार

सहकारी समितियों की कमर तोड़ने पर उतारू : भाजपा

- भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने खरीदी केंद्रों में अब तक लाखों मीटरिक टन धान जाम को लेकर प्रदेश सरकार की आलोचना की

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्यामबिहारी जायसवाल ने खरीदी केंद्रों में अब तक लाखों मीटरिक टन धान जाम पड़े रहने को लेकर प्रदेश सरकार की लचर कार्यप्रणाली की आलोचना की है। जायसवाल ने कहा कि किसानों और किसानों द्वारा उत्पादित अन्न का अपमान करके राष्ट्रीय सम्पदा को क्षति पहुँचाने का कृत्य प्रदेश सरकार कर रही है और सहकारी खरीदी से लेकर धान के समय पर उठाव के मोर्चे पर अपनी विफलता को ढँकने के लिए पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन की आड़ लेकर बहानेबाजी करने में लगी है।उन्होंने कहा कि सरगुजा में धान उठा चुके राइस मिलर्स से नान चावल जमा नहीं करवा रहा है जिससे आगे का धान उठाव मिलर्स नही कर पा रहे है । लगता है सरकार ही नही चाहती है कि सोसाइटी से धान उठाव हो ।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जायसवाल ने कहा कि धान

खरीदी का काम पूरा हुए दो माह से अधिक का समय बीतने के बाद भी प्रदेश सरकार खरीदी केंद्रों से धान का उठाव तक नहीं करा पाई है। एक अनुमान के मुताबिक प्रदेशभर के कोई 20 जिलों में 25 लाख मीटरिक टन से भी ज्यादा धान खरीदी केंद्रों में जाम पड़ा है। एक तरफ बेमौसम बारिश के चलते धान जाहिर है इसका सीधा खामियाजा सहकारी समितियों को उठाना पड़ता है। जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार के पास क्रिकेट मैच, मेला-महोत्सवों की सियासी ड्रामेबाजी के लिए पैसा और समय, दोनों है, लेकिन प्रदेश के अन्नदाताओं की उपज का समय पर उठाव करके उसे सुरक्षित करने में प्रदेश सरकार लापरवाही दिखाती है। पिछले साल भी कोरोना और लॉकडाउन के बहाने करके प्रदेश सरकार ने लाखों टन धान को बर्बाद होने दिया और इस बात के लिए उसे जरा भी शर्म महसूस नहीं हुई, जबकि बीते साल लॉकडाउन में छूट के बाद प्रदेश सरकार ने जितनी ताकत शराब की कोचियागिरी में लगाई, उसकी आधी ताकत भी धान को महसूस करने में लगाती और समय पर कस्टम मिलिंग कराती तो बाद में एफसीआई में कोटे का चावल जमा करने के लिए कांग्रेस नेताओं और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को केंद्र सरकार के खिलाफ प्रलाप करने की जरूरत नहीं पड़ती। जायसवाल ने कहा कि दरअसल प्रदेश सरकार में न तो राजनीतिक समझ-बूझ है और न ही प्रशासनिक क्षमता, केवल केंद्र सरकार के खिलाफ ऊलजलूल टिप्पणियाँ करके प्रदेश सरकार अपने वजूद का अहसास करने की नियति भोगने को अभिशप्त हो चली है। जायसवाल ने कहा कि जिस तरह प्रदेश के कुछ जिलों में धान परिवहन का कार्य चल रहा है, वैसी व्यवस्था पूरे प्रदेश में लागू करके प्रदेश सरकार धान का उठाव सुनिश्चित कराए।

अस्पताल में ऑक्सीजन की उपलब्धता में कमी से नहीं हुई किसी की मृत्यु : सिविल सर्जन

जांजगीर-चांपा। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय जांजगीर ने बताया है कि जिला चिकित्सालय जांजगीर में संचालित एक्सक्लूसिव कोविड ट्रीटमेंट सेंटर (ई.सी.टी.सी.) में उपलब्ध सभी 80 बेड में पर्याप्त ऑक्सीजन सुविधा उपलब्ध है। यहां किसी भी मरीज की मृत्यु ऑक्सीजन की उपलब्धता में कमी से नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि बीते दिनों कोविड पॉजिटिव मरीजों की ऑक्सीजन की उपलब्धता में कमी की वजह से मृत्यु की बात बिल्कुल निराधार है। ई.सी.टी.सी सेंटर में ऑक्सीजन प्लांट, जम्बो ऑक्सीजन सेलेण्डर एवं ऑक्सीजन कंसनट्रेटर के द्वारा मरीजों को निरंतर ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। यहां जिन मरीजों की मृत्यु हुई है, उनकी स्थिति अत्यंत गंभीर थी। उनमें से किसी भी मरीज की मृत्यु अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी की वजह से नहीं हुई है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2021-23, दूरभाष नंबर 0771, 2972403